पारा अपडेट
मैक्सिमम 24.00 | मिनीमम 11.00
सूर्यास्त (आज) ▸ 17.02
सूर्योदय (कल) ▸ 06.09
बोकारो व पलामू से प्रकाशित

सेंसेक्स 83,938.28 ● निफ्टी 25,819.25 ● डॉलर 92.23 ₹ ● सोना 1,20,700 ₹ ● चांदी 1,38,665 ₹
पेज 06 मानवीय संवेदनाओं से युक्त ...
पेज 08 फसल बीमा योजना की समीक्षा ...

हिन्दी दैनिक

झारखंड दर्शन

हर खबर पर नजर

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वितीया, संवत 2083



RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो/पलामू, गुरुवार 26 नवंबर 2026 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 09 अंक : 142 | Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

झारखण्ड राज्य स्थापना दिवस 2026
एवं सरकार के द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर

स्थापना दिवस परवाड़ा
15 से 28 नवम्बर, 2026

प्रवेश नि:शुल्क

26 से 28 नवम्बर 2026
तक खेलगांव, राँची में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है

जन-जन की भागीदारी
झारखण्ड की खुशहाली



मेला-सह-प्रदर्शनी
विभागीय स्टॉल में जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों एवं उपयोगी सेवाओं की विस्तृत जानकारी



जिला पवेलियन
हर जिले के विशिष्ट उत्पाद, पर्यटन और आर्थिक झलक साथ ही, राज्य स्तरीय मंच पर जिला स्तर के चयनित प्रतिभागियों का प्रतिभा प्रदर्शन



फ़ूड कोर्ट
धुस्का-घुघनी, पीठा, छिलका रोटी और असली झारखण्डी स्वाद



सांस्कृतिक संध्या
राज्य की समृद्ध कला, लोक संगीत और मनमोहक पारंपरिक नृत्यों की भव्य प्रस्तुतियाँ

उद्घाटन समारोह

गरिमामयी उपस्थिति

श्री दीपक बिरुवा
माननीय मंत्री, राजस्व, भूमि सुधार विभाग एवं परिवहन विभाग

श्री संजय प्रसाद यादव
माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग एवं उद्योग विभाग

श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग एवं पंचायती राज विभाग

दिनांक: 26 नवम्बर, 2026 | समय: संध्या 05 बजे से
स्थान: खेलगांव, राँची



हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

आइए, हम सब मिलकर इस उत्सव के साक्षी बनें

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 26 नवंबर 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

एसआईआर में फर्जी नामों का ब्योरा सार्वजनिक करे सरकार : जयराम



रांची। जेएलकेएम के विधायक जयराम महतो ने सदन में एसआईआर को लेकर सरकार की ओर से लाए गए संकल्प पर चर्चा में कहा कि एसआईआर के तहत मतदाता सूची में छोटी-मोटी त्रुटियां होना आम बात है। इन त्रुटियों के आधार पर मतदाताओं को परेशान करने के बजाय सरकार को एसआईआर में छोटी-मोटी त्रुटियों को सुधारने के साथ-साथ फर्जी बताकर मतदाता सूची से हटाए गए नामों का ब्योरा सार्वजनिक करना चाहिए। इससे स्थिति और स्पष्ट होगी। बुधवार को विशेष सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही की दूसरी पाली में जयराम महतो अपनी बात रख रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय डेटा और तकनीक का युग है। ऐसे में दस्तावेजों में नाम, पता या अन्य जानकारियों में मामूली अंतर होना स्वाभाविक है। इन त्रुटियों को सुधारने का प्रयास होना चाहिए, न कि उन्हें आधार बनाकर मतदाताओं को संदेह के घेरे में खड़ा किया जाना चाहिए। जयराम महतो ने कहा कि मतदाता सूची से जुड़ी समस्याओं का समाधान सिर्फ विरोध करने से नहीं होगा। सरकार को निर्वाचन आयोग के साथ समन्वय स्थापित कर व्यावहारिक पहल करनी चाहिए, ताकि दस्तावेजों में मौजूद छोटी-मोटी गलतियों को ठीक कराया जा सके और किसी भी पात्र नागरिक का मतदान का अधिकार प्रभावित न हो। उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री से विशेष रूप से मांग की कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान जिन मतदाताओं के नाम फर्जी बताकर सूची से हटाए गए हैं, उनका पूरा ब्योरा सदन के पटल पर रखा जाए। सरकार सार्वजनिक करे कि कितने नाम हटाए गए, किन आधारों पर उन्हें फर्जी माना गया और इसके पीछे क्या कारण थे। जयराम महतो ने कहा कि तकनीक के इस दौर में हटाए गए नामों और उनके कारणों की जानकारी जुटाना मुश्किल नहीं है। इसलिए सरकार को आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर आंकड़ों के साथ सदन में स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

संकल्प में एसआईआर को लेकर सरकार के समाधान का जिक्र नहीं : सरयू



रांची। विधायक सरयू राय ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में एमएस गिल को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया गया था। बाद में उन्हें केंद्र में मंत्री बनाया गया और पद्म भूषण से सम्मानित भी किया गया। राय बुधवार को झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र की दूसरी पाली में एसआईआर को लेकर सरकार की ओर से लाए गए संकल्प पर चर्चा के दौरान बोल रहे थे। सरयू राय ने सदन में कांग्रेस की मौजूदा टिप्पणियों पर सवाल उठाते हुए उसके पुराने राजनीतिक फैसलों की याद दिलाई। सदन में राय के संबोधन के दौरान सदन में हंगामे की स्थिति बन गई। इसी बीच स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी और संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिससे विधानसभा का माहौल और गरमा गया। सरयू राय ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान आम लोगों को हो रही परेशानियों और उनके समाधान के लिए सरकार क्या कदम उठाएगी, इसका संकल्प में कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है। उन्होंने प्रस्ताव को विसंगतिपूर्ण बताते हुए कहा कि इसे तथ्यों के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए। सरयू राय ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर को पद से हटाने की मांग को सरकारी संकल्प का हिस्सा बताए जाने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव में ऐसी कोई मांग शामिल नहीं है, इसलिए इसे संकल्प का हिस्सा बताना उचित नहीं है। उन्होंने सदन में सरकार से प्रस्ताव की वास्तविक विषयवस्तु स्पष्ट करने की बात कही। चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर हो रही राजनीतिक टिप्पणियों पर सरयू राय ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एमएस गिल का भी उदाहरण दिया।

एसआईआर से गरीबों का वोट काटना चाहती है केंद्र सरकार : सुरेश पासवान

रांची। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र में भोजनावकाश के बाद एसआईआर के मुद्दे पर सदन में राजनीतिक टकराव देखने को मिला। बुधवार को विशेष सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही के दौरान सरकार की ओर से लाए गए प्रस्ताव के समर्थन में राजद विधायक सुरेश पासवान ने केंद्र की भाजपा सरकार पर गरीबों, आदिवासियों, दलितों और अल्पसंख्यकों के मताधिकार को प्रभावित करने की साजिश का आरोप लगाया। सुरेश पासवान ने कहा कि भाजपा को गरीबों का वोट पसंद नहीं है। देश का मुसलमान भाजपा को वोट नहीं देगा, इसी सोच के तहत एसआईआर के नाम पर मतदाता सूची से लोगों के नाम कटवाए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा गरीबों का वोट कटवाकर सत्ता पर कब्जा बनाए रखना चाहती है। केंद्र सरकार की नीतियां गरीबों के बजाय पूंजीपतियों के हितों को प्राथमिकता देती है। राजद विधायक ने बिहार विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि एसआईआर के जरिए गरीब मतदाताओं के नाम हटाए गए।

सीआईएमएफआर कर्मियों के नियमितीकरण पर 3 महीने में फैसला, हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखी नौकरी

संवाददाता



रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने धनबाद स्थित केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान (सीआईएमएफआर) में पिछले 25 से 30 वर्षों से अनुबंध पर कार्यरत कर्मियों के नियमितीकरण से जुड़े विवाद में एक महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति मनोज प्रसाद की खंडपीठ ने राजेश तिवारी सहित 14 याचिकाकर्ताओं एवं मनबोध कुमार मंडल सहित 105 याचिकाकर्ताओं के मामले को निष्पादित करते हुए केंद्रीय सरकार औद्योगिक न्यायाधिकरण-सह-श्रम न्यायालय (सीजीआईटी-1), धनबाद को तीन महीने के भीतर इस मामले में अपना अंतिम फैसला सुनाने का निर्देश दिया है। खंडपीठ ने कर्मचारियों की नौकरी पर रोक बरकरार रखी है और नए टेंडर पर पाबंदी कायम रखी है।

उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जब तक सीजीआईटी-1, धनबाद में अपना अंतिम निर्णय नहीं सुना देता और फैसले की सूचना पक्षकारों को मिलने के चार सप्ताह बाद तक, संस्थान में वर्तमान यथास्थिति कायम रहेगी। इस अवधि के दौरान सीआईएमएफआर प्रबंधन और संबंधित ठेका एजेंसी (मेसर्स शिवा प्रोटेक्शन फोर्स प्राइवेट लिमिटेड) याचिकाकर्ता कर्मियों की सेवा समाप्त नहीं कर सकेंगे।

राजेश तिवारी समेत 14 याचिकाकताओं एवं मनबोध कुमार मंडल सहित 105 ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर 14 जुलाई, 2023 को जारी टेंडर को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि वे वर्ष 1995 के आसपास से (करीब ढाई-तीन दशकों से) संस्थान में कार्यरत हैं और उनके नियमितीकरण का मामला वर्ष 2006 से सीजीआईटी-1, धनबाद में लंबित है। कर्मियों का आरोप था कि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 33 के तहत ट्रिब्यूनल की अनुमति लिए बिना ही नया टेंडर निकालकर उनकी सेवा शर्तों को बदलने और उन्हें हटाने का प्रयास किया जा रहा है।

इससे पहले 21 जनवरी, 2025 को उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए नए टेंडर और कर्मियों को हटाने पर रोक लगा दी थी।

अफीम खेती के खिलाफ आठ जागरूकता वाहनों को उपायुक्त व एसएसपी ने दिखायी हरी झंडी



वरीय संवाददाता

रांची। जिले में अफीम की अवैध खेती पर प्रभावी रोकथाम लगाने और लोगो को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने जन जागरूकता अभियान की शुरूआत की, इस अवसर पर जिला उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने मोरहाबादी मैदान से आठ जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मौके पर जिला प्रशासन ने बताया कि जागरूकता वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों एवं ग्रामीण इलाकों में जाएगा और लोगों को अफीम की अवैध खेती से होने वाले सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय नुकसान को बताएगा, इस दौरान अफीम की खेती एवं इसके अवैध कारोबार से दूर रहने की अपील की जाएगी।

खूंटी पुलिस का अफीम की खेती के खिलाफ कार्रवाई शुरू

पांच एकड़ में लगी अफीम की खेती को किया गया नष्ट



वरीय संवाददाता

रांची। खूंटी जिले के पुलिस कप्तान ऋषभ गर्ग के निदेर्शानुसार जिले के एसडीपीओ के नेतृत्व में अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत खूँटी क्षेत्र अंतर्गत लगभग 5 एकड़ भूमि पर लगी अफीम की खेती को नष्ट कर दिया गया।

साथ ही ड्रोन के माध्यम से संदिग्ध क्षेत्रों की निगरानी कर अवैध अफीम की खेती को चिह्नित किया जा रहा है।

अवैध अफीम की खेती में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई।

खूँटी पुलिस ने लोगों से अफीम की खेती से दूर रहने की अपील की। अभियान में शामिल अधिकारियों ने कहा अवैध अफीम की खेती पर रोक और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए पुलिस की कार्रवाई जारी रहेगी।

गुमला में दो महिलाओं की हत्या कर शव को सिमडेगा में दफनाया

पुलिस की त्वरित कारवाई में सिमडेगा से दोनों शव बरामद



मिनी प्रिया



राधिका कुमारी



बयान देते मृतका के माता-पिता

पति समेत चार आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे, आधा दर्जन की तलाश जारी

वरीय संवाददाता

रांची। गुमला में दो लोगों द्वारा अपनी पत्नियों की कत्या कर शव सिमडेगा जंगल में दफनाने का सनसनीखेज मामला सामने आने के बाद गुमला जिले के पुलिस कप्तान हारिश बीन जमा ने त्वरित कारवाई करते हुए दोनों महिला 20वर्षीय प्रिया कुमारी और 28 वर्षीय राधिका कुमारी के पतियों शिव शंकर साहु और नवीन साहु के अलवा समेश्वर साहु और इसकी पत्नी तिलेश्वरी देवी को गिरफ्तार कर लिया है।

गुमला के पुलिस कप्तान हारीश बिन जमा ने बताया कि 24 नवंबर को पुलिस को गुप्त सूचना मिली की गुमला थाना के ग्राम शमसेरा की दो महिलाओं की हत्या कर शव को छुपा दिया गया है, सूचना मिलते ही पुलिस ने बुधवार को सिसई थाना के नागफेनी रापुटोली की हेमा देवी की शिकायत पर कांड दर्ज करते हुए तहकीक शुरु करते हुए दोनों के पतियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गयी जिसमें दोनों ने अपनी अपनी पत्नियों की हत्या कर शव को सिमडेगा के वीरु जंगल में दफनाने की बात स्वीकार कर लिया, उसके बाद बुधवार को ही मैजिट्रेट की मौजूदगी में आरोपियों की निशानदेही पर वीरु जंगल में बोरे में बंद दफनाये गये दोनों महिलाओं प्रिया कुमारी ओर राधिका देवी के शव को बरामद कर लिया गया।

एसपी ने बताया कि इस हत्या में एक दर्जन लोग शामिल है जिसमें से फिलहाल चार की गिरफ्तारी कर ली गयी है बाकी भी जल्द पुलिस गिरफ्त में होंगे।

हत्या के कारणों में उन्होंने बताया कि इन दोनों महिलओं का अपने अपने पतियों से वर्षो पुराना विवाद चल रहा था हाल ही में दोनों पक्षों के बीच कोर्ट में सुलह हुआ था, आरोपी शिव शंकर साहू एंबुलेंस चालक है, इन दोनों के साथ 2025 से विवाद चल रहा था। जानकारी के मुताबिक राधिका और नवीन ने लव मैरेज किया था, लेकिन 15 दिनों में ही राधिका से झगड़ा होने लगा और वह मायके लौट गयी थी। इसके बाद मामला अदालत पहुंच गया था, शनिवार को दोनों का कोर्ट में समझौता हुआ था, उसके बावजूद दोनों योजना के तहत आरोपियों ने अपनी पत्नियों की हत्या कर शव को बोरे में बंद किया और सिमडेगा के वीरु जंगल में गाड़ दिया।

वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी, जिला परिषद सदस्य आदिल अजीम की पहल पर सड़क निर्माण का हुआ शिलान्यास

वरीय संवाददाता



रांची। चान्हो प्रखंड के पतरातू गांव के सरई टोली में बुधवार को ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने की दिशा में कदम बढ़ा। मुख्य पथ से समीम अंसारी के घर तक 565 फीट पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस सड़क के निर्माण को लेकर ग्रामीण लंबे समय से कई जनप्रतिनिधि से मिलकर गुहार लगा रहे थे, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हो पाई थी। ग्रामीणों की इस परेशानी को जिला परिषद सदस्य आदिल अजीम ने गंभीरता से लिया और सड़क निर्माण को लेकर लगातार प्रयास किया। उनकी पहल और प्रयासों के बाद आखिरकार सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली और बुधवार, 25 नवंबर को शिलान्यास संपन्न हुआ। शिलान्यास के बाद गांव के लोगों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि सड़क बनने से आवागमन की समस्या दूर होगी और उन्हें काफी सहूलियत मिलेगी।

यह सड़क 15 वें वित्त आयोग की निधि से लगभग दस लाख रुपए से बनाई जाएगी। शिलान्यास कार्यक्रम में झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की तथा लोहरदगा के सांसद सुखदेव भगत की गरिमामयी उपस्थिति रही।

वहीं जिला परिषद सदस्य आदिल अजीम के करकमलों द्वारा शिलान्यास किया गया। इस मौके पर जिप सदस्य आदिल अजीम ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विकास उनकी प्राथमिकता है। सड़क जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध होने से गांव के विकास को गति मिलेगी। किसानों, विद्यार्थियों और आम ग्रामीणों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

21वां चैंपियंस ट्रॉफी फुटबॉल टूर्नामेंट

दीपक ब्रदर्स बुढ़मू को हराकर टाटीसिलवे पहुंचा सेमीफाइनल में

वरीय संवाददाता



रांची। अनगड़ा स्टेडियम लुपुंग में खेली जा रही 21वां चैंपियंस ट्रॉफी फुटबॉल टूनार्मेंट में बुधवार को टाटीसिलवे एफसी की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई। टाटीसिलवे ने बेहद रोमांचक मुकाबले में दीपक ब्रदर्स बुरमू को पेनाल्टी शूट आउट में 11-10 गोल से पराजित किया।

मुख्य अतिथि खिजरी विधायक प्रतिनिधि साकिर अंसारी व विधायक प्रतिनिधि छोटेलाल महतो ने प्लेयर ऑफ मैच का पुरस्कार टाटीसिलवे के गोलची अमन मुंडा को प्रदान किया गया। दूसरे मैच में जेएलकेएम रांची ने राजा स्पोर्ट्स बरियातू को पेनाल्टी शूट आउट में 8-7 गोल से पराजित किया। प्लेयर ऑफ मैच का पुरस्कार रंगलाल मुरमू को लोक कलाकार मजबूल खान और अनगड़ा थाना के एएसआई सचिन लकड़ा ने प्रदान किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष राजेंद्र शाही मुंडा, सीईओ जेलेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष रामसाय मुंडा, उमेश गोप, राजेश पाहन, दीपक महतो, बिपिन मुंडा, सौरभ कुमार, शिवदास गोस्वामी, राजेश लोहरा अजय राज राजन महतो संदीप लोहरा आनंद राज, अघनू पाहन, शंकर केसरी आदि उपस्थित थे।

एसआईआर के मुद्दे पर सरकार जनता में भ्रम फैला रही : बाबूलाल मरांडी

संवाददाता



रांची। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान बुधवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कराया जा रहा एसआईआर पूरी तरह संवैधानिक और कानूनी कार्य है, जिस पर राजनीति करना उचित नहीं है।

सदन में अपनी बात रखते हुए बाबूलाल मरांडी ने विशेष सत्र बुलाने की प्रक्रिया पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने से पहले कैबिनेट की औपचारिक बैठक तक नहीं की गई, बल्कि कैबिनेट की स्वीकृति की प्रत्याशा में ही आनन-फानन में सदन बुला लिया गया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के वैधानिक अधिकारों को राजनीतिक संकल्प के माध्यम से कमजोर करने का कोई भी प्रयास स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मतदाता सूची के शुद्धीकरण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम न छूटे और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न रहे। नेता प्रतिपक्ष ने संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर द्वारा सदन में पेश किए गए आंकड़ों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें गलत बताया। मरांडी ने कहा कि सरकार जिन आंकड़ों का हवाला दे रही है, वह मतदाता सूची अभी अंतिम रूप से प्रकाशित ही नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार को प्रारूप सूची में नाम न होने, किसी को नोटिस जारी करने और अंतिम रूप से नाम हटाने के बीच का अंतर समझना चाहिए।

रांची पुलिस ने गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को सौंपे



वरीय संवाददाता

रांची। लालपुर पुलिस की एक सकारात्मक पहल ने दर्जनों लोगों के चेहरों पर खोई हुई मुस्कान लौटा दी है। रांची पुलिस के ऑपरेशन मुस्कान के तहत महीनों और वर्षों से गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को सौंपे गए। मौके पर सिटी डीएसपी लालपुर थाना प्रभारी सहित कई लोग मौजूद रहे।

चक्रवात अकवान से प्रभावित झारखंड के चार जिलों के किसानों से टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस की अपील

72 घंटे के भीतर दर्ज कराएं फसल नुकसान की सूचना

संवाददाता



बोकारो। झारखंड के गोड्डा, बोकारो, चतरा एवं लातेहार जिलों में अकवान चक्रवात के प्रभाव को देखते हुए सभी किसान भाई-बहनों से अनुरोध है कि यदि उनकी बीमित फसल को नुकसान हुआ है, तो वे इसकी सूचना निर्धारित समय-सीमा के भीतर अवश्य दर्ज कराएं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) की परिचालन दिशानिदेर्शों के अनुसार, फसल नुकसान की सूचना घटना की तिथि से 72 घंटे के भीतर दर्ज करना आवश्यक है। समय पर सूचना दर्ज कराना दावा प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण है।

फसल नुकसान की सूचना दर्ज करने के माध्यम:

टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 14447 पर कॉल करें। क्रॉप इंश्योरेंस ऐप के माध्यम से ऑनलाइन सूचना दर्ज करें।

किसानों से अनुरोध है कि किसी भी प्रकार की फसल क्षति की जानकारी निर्धारित समय सीमा में अवश्य उपलब्ध कराएं।

पारा अपडेट
मैक्सिमम 24.00 | मिनीमम 11.00
सूर्यास्त (आज) ▸ 17.02
सूर्योदय (कल) ▸ 06.09
बोकारो व पलामू से प्रकाशित

सेंसेक्स 83,938.28 ● निफ्टी 25,819.25 ● डॉलर 92.23 ₹ ● सोना 1,20,700 ₹ ● चांदी 1,38,665 ₹

पेज 06 मानवीय संवेदनाओं से युक्त ...
पेज 08 फसल बीमा योजना की समीक्षा ...

हिन्दी दैनिक

झारखंड दर्शन

हर खबर पर नजर

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वितीया, संवत 2083

पेज 12



RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो/पलामू, गुरुवार 26 नवंबर 2026 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 09 अंक : 142 | Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

झारखंड दर्शन के पाठकों व शुभेच्छुओं से आग्रह है कि किसी भी प्रकार के विज्ञापन देने के लिए आप फोन नंबर 9262578999 पर सम्पर्क कर सकते हैं। साथ ही अगर आप तक हमारे अखबार की प्रति नहीं पहुंच रही है तो भी उपरोक्त नंबर पर सम्पर्क कर सकते हैं।

प्रबंधक

आवश्यकता

हमारे हिंदी दैनिक झारखंड दर्शन को अपने लेखा विभाग के लिए एक योग्य और अनुभवी अकाउंटेंट और मार्केटिंग के लिए व्यक्ति की आवश्यकता है।
इच्छुक व्यक्ति अपना रिज्यूमे इस ईमेल एवं फोन नंबर पर भेज सकते हैं।
email - jharkhanddarshan405@gmail.com
Phone - 91025 69636, 92625 78999

संक्षिप्त खबरें

जमीन विवाद में मां की गला घोंटकर हत्या, दो बेटे गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम। एमजीएम थाना क्षेत्र के बड़ाबांकी पंचायत अंतर्गत बांधडीह टोला में जमीन के लालच में दो बेटों ने अपनी 80 वर्षीय मां गंगामनी महतो की गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपितों ने वारदात के साक्ष्य मिटाने के इरादे से शव को जलाने का प्रयास भी किया। घटना की जानकारी ग्राम प्रधान को मिलने के बाद पुलिस हरकत में आई और छापेमारी कर बुधवार को दोनों आरोपितों बेटों रवि महतो तथा दुर्योधन महतो को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे जमीन का विवाद सामने आया है। बताया जाता है कि गंगामनी महतो ने दो शादियां की थीं और दोनों पतियों से उनके एक-एक बेटे हैं। वह पहले भी अपनी कई जमीनें बेच चुकी थीं। बची हुई जमीन पर दोनों बेटों की नजर थी। वे जमीन अपने कब्जे में लेकर उसे बेचने की तैयारी कर रहे थे। इसके लिए मां के हस्ताक्षर की जरूरत थी, लेकिन गंगामनी महतो जमीन से संबंधित कागजात पर हस्ताक्षर करने को तैयार नहीं थीं। इसी बात को लेकर सोमवार शाम घर में मां और बेटों के बीच विवाद हुआ। आरोप है कि इसी विवाद के बाद रात में दोनों भाइयों ने मिलकर मां की गला घोंटकर हत्या कर दी।

जतरा में हथियार लहराकर दहशत फैलाने वाला युवक गिरफ्तार, हथियार बरामद

खूंटी। कर्रा थाना क्षेत्र के पदमपुर गांव में आयोजित जतरा में अवैध हथियार लहराकर लोगों में दहशत फैलाने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान कर्रा के लोधमा निवासी मेराज खान (24) के रूप में हुई है। उसके पास से देशी रिवाल्वर, एक जिंदा गोली, लोहे का पंच और मोबाइल फोन बरामद किया गया है। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने बुधवार को प्रेस वार्ता में दी। एसपी के अनुसार, 24 नवंबर की देर रात उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि पदमपुर जतरा में एक युवक अवैध हथियार लहराकर आम लोगों में भय पैदा कर रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद कर्रा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी रिवाल्वर, 7.65 एमएम की एक जिंदा गोली, लोहे का पंच और वीवो कंपनी का मोबाइल फोन बरामद हुआ। इस मामले में कर्रा थाना में बुधवार को कांड संख्या 69/2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

विधानसभा से एसआईआर पर राजकीय संकल्प ध्वनिमत से पारित

ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग

संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में दो दिवसीय विशेष सत्र के पहले दिन विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा हुई। चर्चा के बाद मतदाताओं की परेशानियों को लेकर सक्षम प्राधिकार को अवगत कराने के लिए एक राजकीय संकल्प क पारित कर दिया गया।

विधानसभा में चर्चा के बाद स्पीकर रबिंद्रनाथ महतो ने सदन में करीब साढ़े चार घंटे तक चली बहस के बाद इस संकल्प को पारित किए जाने का ऐलान किया।

उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से चलाई जा रही मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रियागत दुरूहता के कारण मतदाताओं को परेशानियां हो रही है।

इन परेशानियों से सभी सक्षम प्राधिकार को अवगत कराने के लिए राज्य सरकार के संकल्प पर अनुसमर्थन प्राप्त कर केंद्र सरकार को भेजने का प्रस्ताव है।

उन्होंने इस राजकीय संकल्प पर पक्ष-विपक्ष के सदस्यों से सहमति-असहमति के बारे में पूछा और इसे ध्वनिमत से पारित किए जाने का ऐलान किया।

इससे पहले संसदीय कार्य और वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर की ओर से एसआईआर को लेकर एक राजकीय संकल्प सदन में पेश किया। उन्होंने इस संकल्प के माध्यम से राज्य में जारी एसआईआर पर रोक लगाने की मांग की।



किशोर ने कहा कि एसआईआर कराए जाने पर राज्य सरकार की सैद्धांतिक सहमति है, लेकिन संवैधानिक प्रावधान के अनुसार किसी भी योग्य मतदाता को इस अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि फिलहाल एसआईआर की प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए इसके स्वरूप में आवश्यक परिवर्तन किया जाए। विधानसभा में मंत्री की ओर तर्क दिया गया कि एसआईआर के वर्तमान स्वरूप में अपनाई जा रही प्रक्रियागत मुश्किलों के कारण वैध मतदाताओं को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए सर्वमान्य एसओपी तैयार किए जाने के बाद ही नए सिरे से एसआईआर कराया जाए। उन्होंने बताया कि विभिन्न संचार माध्यमों से सरकार को जानकारी मिली है कि झारखंड के कुल 2.64 करोड़ मतदाताओं में से पहले चरण के प्रारूप प्रकाशन में 2.21 करोड़ मतदाताओं का नाम प्रकाशित किया गया। इस तरह से लगभग 16 प्रतिशत मददाताओं का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया।प्रारूप मदताता सूची में प्रकाशित होने के बाद 2.21 करोड़ वोटरों में से लगभग 27 प्रतिशत वोटरों को संदेहास्पद मानते हुए नोटिस जारी किया गया।

नोटिस दिए गए मामलों में 75 प्रतिशत से अधिक मामले मात्र तार्किक विसंगति से जुड़े हैं। जिसमें मुख्य रूप से माता-पिता के नाम की वर्तनी में अंतर पाया गया है।

इस तरह से झारखंड में 2.64 करोड़ मतदाताओं में से 38 प्रतिशत से अधिक वोटरों का नाम या तो वोटर लिस्ट से हटा दिया गया या उन्हें संदेहास्पद मानते हुए नोटिस जारी किया गया है।

संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर के अनुसार, एसआईआर के कारण झारखंड के मतदाताओं को दस्तावेज से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ा।

इसके अलावा प्रवासी मजदूरों, बुजुर्गों और महिलाओं को भी कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि कई वोटरों, विशेषकर बुजुर्गों के पास जन्म प्रमाण पत्र, मैट्रिक प्रमाण पत्र और पासपोर्ट या मांगे गए 11 दस्तावेज में कोई भी उपलब्ध नहीं है।

आधार, राशन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र को नागरिकता या जन्मतिथि के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं स्वीकार करने से भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई है। आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और पुरानी सूची में नाम की वर्तनी अलग-अलग होने के कारण कई आवेदन लंबित है।

मरांडी के संबोधन पर सत्ता पक्ष ने जताया विरोध

रांची। एसआईआर और एमएमडीआर संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की ओर से विस्तार से अपनी बात रखने पर कृषि मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी सहित सत्ताधारी दल के अन्य विधायकों ने विरोध जताया। इसपर विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) रबींद्र नाथ महतो ने भी बाबूलाल को टोका, जिसपर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आप पार्टी मत बनिए। स्पीकर ने कहा कि आप जो बातें कह रहे हैं वे सभी सुझाव निर्वाचन आयोग के हैं आप सरकार की ओर से सुझाव दें। इसके पूर्व भी चर्चा की शुरूआत में भी स्पीकर के वक्तव्य के बाद नेता प्रतिपक्ष जैसे ही बोलने के खडे हुए उन्हें स्पीकर ने बैठने को कहा।

भुरकुंडा से अगवा कारोबारी सकुशल मुक्त

पांच आरोपी गिरफ्तार



संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ जिले के भुरकुंडा बाजार में दिनदहाड़े एक व्यक्ति का अपहरण कर लिए जाने की घटना से इलाके में हड़कंप मच गई थी। अपराधियों ने गणेश ज्वेलर्स के समीप से कमलेश ठाकुर उर्फ दिनेश शर्मा (42 वर्ष) को मारपीट करते हुए सफेद रंग की स्विफ्ट कार में जबरन बैठा लिया और फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए न केवल अपहृत व्यक्ति को सकुशल बरामद किया, बल्कि वारदात में शामिल पांच आरोपितों को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में रांची जिले के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के पिस्का मोड़, लक्ष्मी नगर निवासी धर्मेंद्र कुमार साव, सहदेव नगर, ओटीसी मैदान निवासी राजमणि गुप्ता उर्फ बंटी, पंडरा निवासी रोशन कुमार सिंह और घनश्याम सिंह शामिल हैं। वहीं, पांचवां आरोपित पीयूष कुमार रामगढ़ जिले के बासल थाना क्षेत्र अंतर्गत रसदा गांव का निवासी है।पुलिस ने आरोपितों के पास से अपहरण में प्रयुक्त सफेद रंग की स्विफ्ट कार के अलावा चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

पतरातु एसडीपीओ राघवेंद्र शर्मा ने बुधवार को बताया कि वारदात 23 नवंबर की शाम करीब चार से पांच बजे के बीच भुरकुंडा बाजार में हुई। इस संबंध में अपहृत की पत्नी रिंकू देवी ने भुरकुंडा ओपी में कांड संख्या 307/2026 दर्ज कराया था।

एसपी मुकेश कुमार लुनायत के निर्देश पर विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्य और सूचना के आधार पर लगातार आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखी। पुलिस की बढ़ती दबिश के कारण अपहरणकर्ता अपहृत कमलेश ठाकुर को रांची के पिठोरिया जंगल के समीप छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने तत्काल उन्हें सकुशल बरामद कर लिया।

कमरे में फंदे पर लटका मिला महिला का शव

पति पर हत्या का आरोप



- पुलिस मामले की जांच कर स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास कर रही है

संवाददाता

पलामू। पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के बैरिया में बाजार समिति गेट के सामने एक मकान में एक महिला का शव बुधवार सुबह फंदे पर लटका मिला। महिला पति से अलग दूसरे कमरे में बच्चों के साथ सोई हुई थी।

मां को फंदे पर लटका देख बच्चे के रोने पर घटना की जानकारी बुधवार सुबह तीन बजे के बाद हुई। परिजनों ने घटना की सूचना 112 के माध्यम से पुलिस को दी। पुलिस जांच में जुटी है। महिला की पहचान पूजा देवी पति अमित कुमार के रूप में हुई। घटना की जानकारी मिलने पर महिला के पिता नगर ऊंटारी निवासी भरत कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से मामले में निष्पक्ष जांच कर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। पिता नगर ऊंटारी के एसडीओ के ड्राइवर हैं।

जानकारी के अनुसार हर दिन की तरह पूजा देवी अपने दो बच्चे एक बेटे एवं एक बेटी को लेकर अलग कमरे में सोई थी। सुबह करीब 3:00 बजे बेटे ने मां के शव को फंदे पर लटका देखा। रोने पर पति सहित घर के अन्य सदस्यों की नींद खुली। बाद में करीब साढ़े तीन बजे इसकी सूचना 112 के माध्यम से पुलिस को दी गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फंदे को काटकर शव को उतारा।

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार पति-पत्नी के बीच बातचीत नहीं होती थी। लंबे समय से दोनों अलग-अलग कमरे में सोते थे। पति की रेडमा में दवा की दुकान है। पति के शराब पीने पर पत्नी विरोध करती थी। पारिवारिक विवाद भी सामने आया है। हालांकि दोनों ने पिछले दिनों छठ पर्व साथ में किया था।

शहर थाना पुलिस मामले को जांच कर स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास कर रही है। पुलिस अनुसंधान में महिला के शरीर पर किसी तरह के मारपीट के निशान नहीं पाए गए हैं।

अंतर-प्रांतीय संगीत प्रतियोगिता में डीपीएस बोकारो का परचम

16 बाल कलाकार राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित

- किसी एक स्कूल से सर्वाधिक सफलता पर प्राचार्य ने दी बधाई
- शिक्षक मयंक भक्ता को मिला 'गुरु शिरोमणि सम्मान'



संवाददाता

बोकारो। सुर, लय और ताल की साधना जब लगन और सही मार्गदर्शन से जुड़ती है, तो सफलता के नए कीर्तिमान स्वतः रचे जाते हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), बोकारो के 16 होनहार बाल कलाकारों ने अंतर-प्रांतीय संगीत प्रतियोगिता 2026-27 में शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया है।

प्रयाग संगीत समिति, इलाहाबाद (प्रयागराज) से संबद्ध तथा संगीत-शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय संस्था 'नादतालम्' के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने अपनी संगीतमय प्रतिभा का लोहा मनवाया। इतनी बड़ी संख्या में किसी एक विद्यालय से राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित होने वाला डीपीएस बोकारो एकमात्र स्कूल बना है। विद्यार्थियों की इस ऐतिहासिक सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले विद्यालय के संगीत शिक्षक मयंक कुमार भक्ता को विशेष रूप से 'गुरु शिरोमणि सम्मान' से अलंकृत किया गया है। अब ये चयनित बाल कलाकार आगामी मार्च में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपनी कला का जौहर दिखाएंगे।

परकशन, नन-परकशन और शास्त्रीय गायन में चमकीं प्रतिभाएं

भारतीय शास्त्रीय संगीत की विभिन्न विधाओं में बच्चों की रुचि व भागीदारी बढ़ाने तथा उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से यह राज्यस्तरीय ऑनलाइन प्रतियोगिता अलग-अलग आयुवर्गों में आयोजित की गई थी। इसमें परकशन, नन-परकशन और इंडियन क्लासिकल वोकल श्रेणियों में विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से निर्णायकों को प्रभावित किया। परकशन श्रेणी के अंतर्गत तबले पर दमदार प्रस्तुति देते हुए कुमार आलेख, विवेक बहादुर, भाव्या बिष्ट, ऋषभ राज, मायोन शारव और रुद्र आनंद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, इसी श्रेणी में अद्विक सिंह, आलोक राज दुबे, आरव राज एवं आनुष अनुपम वार्ष्णेय ने द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि आद्विक वत्सल, अंश देव प्रसाद और जयवीर सिंह खनूजा ने तृतीय स्थान पर अपनी जगह बनाई। दूसरी ओर, नन-परकशन श्रेणी में की-बोर्ड पर मधुर प्रस्तुति देकर नवण्या चिदार ने प्रथम और आनुष अनुपम वार्ष्णेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा, इंडियन क्लासिकल वोकल कैटेगरी में भाव्या बिष्ट ने तीसरा स्थान पाया।

विद्यार्थियों के समग्र विकास में कला-संगीत जरूरी : डॉ. गंगवार

विद्यालय की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बुधवार को डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ० ए० एस० गंगवार ने सभी बच्चों से मिलकर अपनी बधाई दी। उन्होंने कहा कि डीपीएस बोकारो विद्यार्थियों के समग्र और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कटिबद्ध है। विद्यालय का मानना है कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई विशिष्ट प्रतिभा छिपी होती है और उसे निखारने के लिए सही मंच, अनुकूल माहौल तथा निरंतर अवसर मिलना बेहद जरूरी है। शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ संगीत, कला और संस्कृति से जुड़ाव बच्चों के व्यक्तित्व को संवेदनशील, संतुलित और रचनात्मक बनाता है। उन्होंने आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन की आशा व्यक्त की।

झारखंड पवेलियन में माटी कला बोर्ड द्वारा मिट्टी के बर्तन बनाने की लाइव डेमो लोगों के बीच बनी खास आकर्षण का केंद्र



दर्शकों को लुभा रहा झारखंड पवेलियन

संवाददाता

नई दिल्ली/रांची। भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) में झारखंड पवेलियन में माटी कला बोर्ड द्वारा मिट्टी के बर्तन बनाने की लाइव डेमो प्रस्तुति लोगों के बीच खास आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

चाक पर मिट्टी को आकार देकर पारंपरिक तकनीक से सुंदर कलाकृतियां तैयार करते कारीगरों को देख दर्शक इस कला को करीब से समझने और जानने में रुचि दिखा रहे हैं।

इस अवसर पर हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प विभाग की निदेशक प्रीति रानी ने मिट्टी के बर्तन बनाने की लाइव डेमो प्रस्तुति में हिस्सा लिया। उन्होंने स्वयं चाक पर मिट्टी को आकार देकर झारखंड की पारंपरिक माटी कला का अनुभव किया। उन्होंने कहा कि झारखंड की मिट्टी में यहां की संस्कृति, परंपरा और स्थानीय कारीगरों की रचनात्मकता की अनूठी पहचान समाहित है। माटी कला केवल एक शिल्प नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक आजीविका का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस तरह के लाइव डेमो से लोगों को स्थानीय कलाकारों की मेहनत और हुनर को करीब से जानने का अवसर मिलता है।

चाक पर मिट्टी को आकार देकर पारंपरिक तकनीक से सुंदर कलाकृतियां तैयार करते कारीगरों को देख दर्शक इस कला को करीब से समझने और जानने में रुचि दिखा रहे

मेले के समापन के करीब पहुंचने के साथ ही झारखंड पवेलियन के विभिन्न स्टॉलों पर खरीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष छूट भी दी जा रही है। कई स्टॉलों पर चयनित उत्पादों की खरीद पर 20 से 30 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध है। इससे आगंतुक झारखंड के पारंपरिक हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पादों और कलात्मक वस्तुओं की खरीदारी आकर्षक कीमतों पर कर सकते हैं।

झारखंड पवेलियन में कला, संस्कृति, पारंपरिक हुनर और किफायती खरीदारी का यह संगम मेले के अंतिम दिनों में भी आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है।

एसआईआर से आदिवासी, दलित और मजदूर परेशान : चंद्रदेव

संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में एसआईआर पर चर्चा के दौरान माले विधायक चंद्रदेव महतो ने चुनाव आयोग से पूरी प्रक्रिया की समीक्षा करने की मांग की। उन्होंने विशेष सत्र के दौरान सदन की कार्रवाई के दूसरी पाली में कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है, लेकिन इसके नाम पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। एसआईआर के तहत लाखों नागरिकों को नोटिस जारी किए जाने से विशेषकर आदिवासी, दलित और मजदूर वर्ग परेशान है।

चंद्रदेव महतो ने कहा कि मजदूरों को काम छोड़कर जरूरी दस्तावेज जुटाने और सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। वहीं, विद्यालय के शिक्षकों को शैक्षणिक कार्यों से हटाकर एसआईआर में लगाया गया है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

उन्होंने कहा कि नाम, उम्र और पूर्वजों के नाम में मामूली अंतर जैसी विसंगतियों के कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। विस्थापन के कारण कई आदिवासी परिवारों के पास पुराने दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में पूर्वजों का नाम दस्तावेजों में नहीं होना मतदाता सूची से नाम हटाने का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने चुनाव आयोग से एसआईआर प्रक्रिया की समीक्षा करने और आम नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 26 नवंबर 2026

बोकारो

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

गृह रक्षक नव नामांकन में कसमार, चंद्रपुरा और नावाडीह के लिए आठ पद निर्धारित

बोकारो। गृह रक्षक नव नामांकन विज्ञापन संख्या 01/2026 के तहत जिले के कसमार, चंद्रपुरा और नावाडीह प्रखंड में कुल आठ रिक्त पद निर्धारित किए गए हैं। जिला समादेष्टा, झारखंड गृह रक्षा वाहिनी ने रिक्तियों को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि पदों का निर्धारण स्वीकृत बल और वर्तमान प्रभावी बल के आधार पर नियमावली के अनुरूप किया गया है। प्रखंडवार रिक्तियों में कसमार के लिए एक, चंद्रपुरा के लिए तीन और नावाडीह के लिए चार पद निर्धारित हैं। वर्तमान में कसमार में 109, चंद्रपुरा में 107 और नावाडीह में 106 गृह रक्षक प्रभावी बल में शामिल हैं। स्वीकृत बल से वर्तमान प्रभावी बल घटाने के बाद रिक्त पदों की संख्या तय की गई है।जिला समादेष्टा के अनुसार, झारखंड गृह रक्षक (स्वयंसेवक) नियमावली, 2014 की कंडिका 03 (i) (क) में ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक सामुदायिक विकास प्रखंड के लिए औसतन 110 गृह रक्षकों की एक कंपनी का प्रावधान है। राज्य सरकार आवश्यकतानुसार इस संख्या में वृद्धि कर सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला स्तर पर स्वीकृत बल में बदलाव का अधिकार नहीं है। सेवानिवृत्ति अथवा सेवामुक्ति के कारण ही स्वीकृत बल के विरुद्ध रिक्तियां बढ़ सकती हैं। इसी प्रावधान के तहत विज्ञापन में प्रखंडवार रिक्तियों का निर्धारण किया गया है।

बीएसएल की सुरक्षा से हटाए जाने की आशंका पर गृह रक्षकों का प्रदर्शन, 400 जवानों की आजीविका पर संकट

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र की सुरक्षा व्यवस्था में पिछले 37 वर्षों से सेवाएं दे रहे गृह रक्षकों को अब रोजगार छिनने का डर सता रहा है। टाउनशिप की सुरक्षा व्यवस्था निजी सुरक्षा एजेंसियों के हवाले करने की कथित तैयारी के विरोध में बुधवार को बड़ी संख्या में महिला और पुरुष गृह रक्षक उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन किया। उन्होंने निजी सुरक्षा कर्मियों की तैनाती पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। हालांकि, उपायुक्त की अनुपस्थिति के कारण ज्ञापन सौंपने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। गृह रक्षकों का कहना है कि वर्ष 1989 से वे बीएसएल की सुरक्षा व्यवस्था में पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें हटाकर निजी सुरक्षा एजेंसियों के कर्मियों को तैनात करने की तैयारी की जा रही है। इससे करीब 400 महिला और पुरुष गृह रक्षकों की ड्यूटी प्रभावित होने की आशंका है। यदि उनकी सेवाएं समाप्त होती हैं तो उनके परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है। उनका कहना है कि लंबे समय तक सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाले जवानों को बेरोजगारी की ओर धकेलना उचित नहीं है। प्रदर्शन में राजेश कुमार सिंह, अमरेंद्र द्विवेदी, भक्ति प्रसाद मंडल, वर्षकार पांडेय, तरुण कुमार, रामानंद प्रसाद सिंह, उमेश पांडेय, वीरेंद्र कुमार हांसदा, संजीव कुमार राय, सुदामा कुमार, अमर चौरसिया, विपुल कुमार सिंह, कैलाश प्रसाद हांसदा, बनौधी महतो, चिंता कुमारी, कृतिका कुमारी, किरण कुमारी, गायत्री देवी, गीता राय, रूपांजलि कुमारी, अनीता कुमारी, शेफाली कुमारी डे और संचिता कुमारी सहित बड़ी संख्या में गृह रक्षक शामिल थे।

नशामुक्त समाज के निर्माण का लिया संकल्प, स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर चर्चा

बोकारो। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने और गांवों को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से चंदनकियारी प्रखंड के बांसतोड़ा स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में कुसुमकियारी कलस्टर एवं जन आरोग्य समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई। बांसतोड़ा पंचायत के मुखिया विप्लव चक्रवर्ती की अध्यक्षता में हुई बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के साथ ग्रामीणों को विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक करने और नशामुक्ति अभियान को प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेते हुए शपथ भी ली। बैठक में पिछली बैठक के निर्णयों की समीक्षा की गई। इसके अलावा सहिया ऐप के संचालन, आभा कार्ड निर्माण, पीएलए बैठकों के नियमित आयोजन तथा एचबीएनसी और एचबीवाईसी के तहत गृह भ्रमण कार्य को और प्रभावी बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर परिसर में फाइबर ब्लॉक बिछाने तथा मलेरिया और फाइलेरिया से बचाव के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय भी लिया गया। बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी पूजा कुमारी, बीटीटी कुमुद महतो और पिरामल फाउंडेशन के विजय चौहान उपस्थित रहे। इनके अलावा सहिया साथी गीता देवी तथा सहिया नुनीबाला देवी, चारु देवी, रंजिता देवी, प्रतिमा देवी, बेबी बागती, मानसी आचार्य और रीता देवी सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

प्रांतीय यादव महासभा ने बोढन यादव को सौंपी बोकारो जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी

बोकारो। प्रांतीय यादव महासभा झारखंड ने संगठन विस्तार की दिशा में बोकारो जिले की जिम्मेदारी बोढन यादव को सौंपी है। बुढ़ीडीह, दुगदा निवासी बोढन यादव को महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बलवंत कुमार यादव ने बोकारो जिला अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि बोढन यादव के नेतृत्व में जिले में यादव समाज की एकजुटता और संगठनात्मक मजबूती को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि बोढन यादव सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित हैं और समाज के हित में लगातार सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके सक्षम, ऊर्जावान और दूरदर्शी नेतृत्व में महासभा का संगठन जिले में और मजबूत होगा। साथ ही सामाजिक एकता, आपसी सहयोग और समाज के विकास से जुड़े कार्यों को भी गति मिलेगी।

देने जइयौ भईया के आशीष हे मनमोहिनी सामा...

बहनों ने झुलसाया चुगले का मुंह, भाई के दीर्घायुत्व के लिए की कामना

संवाददाता

बोकारो। मिथिलांचल में मनाये जाने वाला भाई-बहन के स्नेह का अतिपावन पर्व सामा-चकेवा मंगलवार रात बोकारो में संपन्न हुआ। बोकारो की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में नगर के सेक्टर-4ई स्थित मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में सामा-चकेवा पर्व का भव्य आयोजन किया गया। मैथिल-परम्परानुसार समदाओन आदि भावपूर्ण पारंपरिक गीतों के साथ सामा-चकेवा को भावनीभी विदाई दी गयी। चास-बोकारो के विभिन्न भागों से पहुंची महिलाओं ने मिट्टी निर्मित सामा-चकेवा की विधियां पूरी कीं। परंपरानुसार सामा-चकेवा, सतभइया, बृंदावन, चुगला, ढोलिया बजनिया, बन तितिर, पंडित और अन्य मूर्तियों के खिलौने वाले डाला को लेकर महिलायें जुटीं और सन (पटुआ) से बने चुगला को जलाया। उसका मुंह झुलसाया। इसके बाद उन्हें सामूहिक रूप से विसर्जित किया।



विष्णु पुराण में भी है मिथिला की इस लोकसंस्कृति की चर्चा

इसके पूर्व, परिषद् के महासचिव नीरज चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि मिथिला की महान लोक संस्कृति से जुड़े भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक यह पर्व मात्र मिथिला में ही मनाये जाने की परंपरा रही है। इसकी चर्चा विष्णु-पुराण में भी मिलती है। मिथिला के पारंपरिक पर्व-त्योहारों व कला-संस्कृति से नई पीढ़ी को जोड़े रखने के उद्देश्य से परिषद् द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। मंच संचालन कर रहे वरीय रंगकर्मी सुनील मोहन ठाकुर ने भी सामा चकेवा पर्व की महत्ता रेखांकित की। मौके पर परिषद के निदेशक मंडल सदस्य कृष्ण चन्द्र झा व विजय कुमार झा सहित वित्त सचिव मिहिर मोहन ठाकुर, सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण पाठक के अलावा बटोही कुमर, अविनाश कुमार झा अवि, गोविन्द कुमार झा, अरविन्द मिश्रा, गिरिजानंद मिश्र, पशुपति झा, शंभु झा, रौशन कुमार तरुण आदि मौजूद रहे। वहीं, मिथिला महिला समिति की ओर से अध्यक्ष पूनम मिश्रा, सचिव आभा झा के अलावा किरण मिश्रा, अमिता झा, आशा पाठक, बीनू चौधरी, विनीता रॉय, प्रेरणा ओझा, वीणा झा, आशा झा, रुचि प्रेरणा आदि उपस्थित थीं।

खूब गूंजे गीतनाद, निर्धन महिलाओं में बांटीं साड़ियां

महिलाओं ने सामा-चकेवा पर्व के गीत ह्यवृंदावन में आगि लागल कियो ने बुझाबै हे..., ह्यचुगला लगन बिताऽ एलै ससुरारी में... देने जइयौ भईया के आशीष हे मनमोहिनी सामा... ह्यकोने भैया के धोतिया आकाश सूखे हे पाताल डोले हे... ह्यअरे भंवरा सामा जाई छै ससुरा किछु गहना दहिन..., सामचक-सामचक अईह हो जोतिला खेत में बसिह हे..., गाम के अधिकारी तोहें बड़का भैया हो..., समदाओन ह्यबड़ा रे जतन सँ हम सामा बेटी पोसलौं, सेहो सामा सासुर जाई... आदि गीतों की सुमधुर प्रस्तुतियों से सबको आनंदित किया। इस क्रम में मिथिला महिला समिति की ओर से दर्जनों निर्धन महिलाओं के बीच साड़ी का वितरण कर सामाजिकता का सुंदर परिचय भी दिया गया।

बच्चों ने लिया गांव को बाल विवाह और बाल श्रम मुक्त बनाने का संकल्प



संवाददाता

बोकारो। कसमार प्रखंड के बरईकला पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय करकटाकला में सहयोगिनी संस्था की ओर से बाल विवाह एवं बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों को बाल विवाह और बाल श्रम के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों ने अपने गांव को बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापक श्वेता प्रजापति ने कहा कि बच्चों को किताबों की जरूरत है, जिम्मेदारियों की नहीं। बाल विवाह बच्चों का बचपन, शिक्षा और भविष्य छीन लेता है। शिक्षा ही बच्चों के आगे बढ़ने का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का दायित्व है कि वे बच्चों को जागरूक करने के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी कम उम्र में विवाह के दुष्परिणामों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दें।कार्यक्रम में सहयोगिनी संस्था के कार्यकताओं ने बताया कि 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह कानूनन अपराध है। बाल श्रम भी बच्चों के अधिकारों का हनन है। यदि गांव में कहीं बाल विवाह या बाल श्रम की जानकारी मिलती है, तो इसकी सूचना विद्यालय प्रबंधन अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों ने अपने गांव को बाल विवाह और बाल श्रम से मुक्त बनाने तथा इसके खिलाफ समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

अंतर-डीएवी नृत्य प्रतियोगिता में डीएवी-4 का परचम, भक्ति रस की प्रस्तुति से मिला प्रथम स्थान

संवाददाता

बोकारो। डीएवी जोन के के अंतर्गत संचालित सभी डीएवी विद्यालयों के बीच मंगलवार को डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4, बोकारो में अंतर-डीएवी नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ह्यभक्ति रसह्ण विषय पर आधारित इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, आस्था और आध्यात्मिक चेतना की सुंदर झलक पेश की। प्रतियोगिता में मेजबान डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। डीएवी इस्पात स्कूल, सेक्टर-2/सी ने द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-9/ई और डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-6 ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। डीएवी-4 के विद्यार्थियों ने अपनी भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से भक्ति के विभिन्न स्वरूपों को जीवंत कर दिया। उनकी प्रस्तुति में प्रेम, समर्पण, आस्था और ईश्वर के प्रति श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। नृत्य की आकर्षक मुद्राओं, भावों और लयबद्ध प्रस्तुति ने निर्णायक मंडल के साथ-साथ उपस्थित दर्शकों को भी मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एस.के. मिश्रा ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि भक्ति भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह प्रेम, समर्पण, आस्था और विश्वास का ऐसा पवित्र भाव है, जो मनुष्य को ईश्वर से जोड़ने के साथ मानवीय मूल्यों के प्रति भी संवेदनशील बनाता है। नृत्य के माध्यम से भक्ति की अभिव्यक्ति हमारी आध्यात्मिक चेतना को सजीव करती है। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिभागियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा और समर्पण का परिचय दिया है। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के अथक प्रयास का परिणाम है। विद्यालय परिवार ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों और उनकी मार्गदर्शक शिक्षिका प्रियंका शर्मा को बधाई दी।



प्रोजेक्ट आरोग्य के तहत मधुनिया में मेगा स्वास्थ्य शिविर, 236 ग्रामीणों को मिला उपचार

संवाददाता

बोकारो। ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीएसआर विभाग ने अपनी प्रमुख स्वास्थ्य पहल प्रोजेक्ट आरोग्य के तहत सिटिजन्स फाउंडेशन के सहयोग से मधुनिया में मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर में कुल 236 ग्रामीणों को विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श, स्वास्थ्य जांच और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर का उद्घाटन वार्ड सदस्य जब्बार अंसारी, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गांव के गणमान्य लोगों और ईएसएल स्टील लिमिटेड की सीएसआर टीम की उपस्थिति में किया गया। शिविर में सामान्य चिकित्सक, हड्डी रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ और त्वचा रोग विशेषज्ञ ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। वहीं, ममता मूर्ति आई हॉस्पिटल की टीम ने ग्रामीणों की आंखों की जांच की। जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान भारत कार्ड बनाने और आभा कार्ड के पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध कराई। शिविर में 77 लोगों ने सामान्य चिकित्सा, 59 ने बाल रोग, 39 ने हड्डी रोग और 32 ने त्वचा रोग विशेषज्ञ से परामर्श लिया। इसके अलावा 29 लोगों की आंखों की जांच की गई। 45 लोगों की रक्त शर्करा, 54 लोगों के रक्तचाप और 10 लोगों के हीमोग्लोबिन की जांच की गई। कुल 18 लोगों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराने तथा 61 लोगों का आभा कार्ड पंजीकरण कराने में सहायता दी गई।

ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच स्वस्थ और सशक्त समाज की बुनियाद है। प्रोजेक्ट आरोग्य के माध्यम से कंपनी ग्रामीण और जरूरतमंद समुदायों तक विशेषज्ञ चिकित्सा, स्वास्थ्य जांच और निवारक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है।



मजदूरों के अधिकारों के लिए सीटू करेगा राष्ट्रव्यापी आंदोलन, 42 हजार रुपये न्यूनतम वेतन की मांग

संवाददाता

बोकारो। मजदूरों के अधिकार, रोजगार, सम्मानजनक मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा के सवाल पर सीटू ने आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। एक से तीन दिसंबर तक दिल्ली में प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी आंदोलन के समर्थन में बुधवार को इस्पात मजदूर मोर्चा, सीटू की ओर से गेट नंबर तीन पर गेट मीटिंग आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए यूनियन के महामंत्री आरके गोराई ने कहा कि निजीकरण, कॉरपोरेट कब्जे और मजदूर विरोधी नीतियों के कारण मेहनतकशों की आजीविका पर संकट गहराता जा रहा है। मजदूरों, किसानों और आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सीटू की प्रमुख मांगों में चारों श्रम संहिताओं को वापस लेना, न्यूनतम मासिक मजदूरी 42 हजार रुपये करना, 21 हजार रुपये पेंशन निर्धारित करना, ठेका मजदूरों को नियमित करना, समान काम के लिए समान वेतन देना और रिक्त पदों पर नियुक्ति करना शामिल है। इसके अलावा योजना कर्मियों को मजदूर का दर्जा देने, कार्यस्थलों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा विस्थापितों के पुनर्वास की मांग भी उठाई गई। बैठक की अध्यक्षता देव कुमार ने की। मौके पर इश्तियाक अंसारी और आरकेपी वर्मा ने भी अपने विचार रखे।



खांजो नदी पुल के पास श्रद्धालुओं से भरे वाहन को कार ने मारी टक्कर

तीन महिलाओं और दो बच्चों समेत कई घायल

संवाददाता

बोकारो। जिले के कसमार थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-23 पर दांतू और कमलापुर के बीच खांजो नदी पुल के समीप बुधवार की शाम करीब छह बजे भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। विपरीत दिशा से आ रही एक अनियंत्रित कार ने श्रद्धालुओं से भरे टाटा विंगर वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीन महिलाओं और दो बच्चों समेत दर्जनों यात्री घायल हो गए। सभी श्रद्धालु ललपनिया स्थित लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ में आयोजित धर्म सम्मेलन में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टाटा विंगर वाहन श्रद्धालुओं को लेकर ललपनिया से बोकारो की ओर जा रहा था। इसी दौरान खांजो नदी पुल के पास सामने से आ रही कार अचानक गलत दिशा में पहुंच गई और विंगर के दाहिने हिस्से में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन का दाहिना हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। उस तरफ बैठे यात्रियों को गंभीर चोटें आईं। घायलों में धनबाद जिले के निरसा निवासी लुकुमुनी टुडू और जॉय टुडू, पश्चिम बंगाल के पश्चिम वर्धमान जिले के मुचिडीह डाबर मोड़ निवासी सुनीता, गौरंगडीह निवासी विशाल हांसदा और अंजलि हांसदा तथा जामताड़ा निवासी संजना कुमारी और बुधु चंद हेंब्रम सहित अन्य यात्री शामिल हैं। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।



बोकारो के सेक्टर-12सी में बंद आवास से 18 लाख के जेवरात और नकदी की चोरी

संवाददाता

बोकारो। इस्पातनगरी बोकारो के सेक्टर-12सी स्थित आवास संख्या 3073 में अज्ञात चोरों ने बंद घर को निशाना बनाकर करीब 18 लाख रुपये की संपत्ति चोरी कर ली। चोरों ने मुख्य दरवाजे की कुंडी और ताला काटकर घर में प्रवेश किया तथा अलमारियों और कमरों को खंगालकर सोने-चांदी के आभूषण, कीमती बर्तन और 10 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके के लोगों और बीएसएल कर्मियों में चिंता और आक्रोश है। आवास के मालिक राजेंद्र दास बोकारो स्टील प्लांट के सीसीएस विभाग में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि परिवार के साथ धनबाद जिले के राजगंज में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे।



इसी दौरान घर बंद होने का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। गृहस्वामिनी आरती कुमारी ने बताया कि वह अपनी मौसी के बेटे की शादी में शामिल होने के लिए परिवार के साथ राजगंज गई थीं। समारोह समाप्त होने के बाद जब सभी लोग वापस बोकारो स्थित आवास पहुंचे, तो मुख्य दरवाजे की कुंडी और ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर प्रवेश करने पर कमरों का सामान बिखरा पड़ा था और अलमारियों के लॉकर भी टूटे हुए थे। परिजनों के अनुसार, चोर करीब 15 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण ले गए हैं। इनमें सोने के कंगन, अंगूठियां, मांगटीका सहित अन्य पारंपरिक गहने शामिल हैं। इसके अलावा लगभग तीन लाख रुपये के चांदी के जेवरात और बर्तन तथा 10 हजार रुपये नकद की चोरी हुई है। इस तरह चोरी गई संपत्ति का कुल मूल्य करीब 18 लाख रुपये बताया गया है। घटना की सूचना मिलते ही सेक्टर-12 थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही चोरों की पहचान के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। आवासीय क्षेत्र में हुई इस बड़ी चोरी से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

लुगुबुरू महोत्सव के बाद मेला परिसर में सफाई अभियान तेज, नगर निकायों की टीमें जुटीं

संवाददाता

बोकारो। ललपनिया स्थित प्रसिद्ध संताल धर्मस्थल लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ में आयोजित राजकीय महोत्सव-2026 के सफल एवं शांतिपूर्ण समापन के बाद जिला प्रशासन ने मेला परिसर की साफ-सफाई शुरू करा दी है। उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर नगर परिषद फुसरो और चास नगर निगम की विशेष टीमें सफाई अभियान में जुट गई हैं। महोत्सव के दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों के पहुंचने के कारण मेला परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में काफी मात्रा में कचरा जमा हो गया था। प्रशासन की ओर से मेला परिसर, मुख्य मार्गों, शिविर स्थलों और आसपास के प्राकृतिक क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नगर निकायों के सफाईकर्मी वाहनों और आधुनिक उपकरणों की सहायता से कचरे का उठाव कर रहे हैं।



साथ ही एकत्रित अपशिष्ट का उचित तरीके से निस्तारण किया जा रहा है, ताकि धार्मिक स्थल की पवित्रता और प्राकृतिक सुंदरता बनी रहे। महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी को देखते हुए प्रशासन ने पहले से ही स्वच्छता व्यवस्था को लेकर तैयारी की थी। उपायुक्त अजय नाथ झा ने महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा के दौरान संबंधित नगर निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिया था कि आयोजन समाप्त होते ही बिना किसी देरी के पूरे मेला क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। उन्होंने परिसर को पूर्व की तरह स्वच्छ और सुंदर बनाने पर जोर दिया था। इसी निर्देश के आलोक में दोनों नगर निकायों की टीमें पूरी तत्परता के साथ सफाई कार्य में लगी हुई हैं। प्रशासन का प्रयास है कि महोत्सव के बाद श्रद्धालुओं और पर्यटकों को स्वच्छ वातावरण मिले तथा धार्मिक स्थल की गरिमा और प्राकृतिक परिवेश सुरक्षित रहे। लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ संताल समुदाय की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां आयोजित राजकीय महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का जुटान होता है। ऐसे में आयोजन के बाद स्वच्छता बनाए रखना जिला प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। प्रशासन ने सफाई अभियान के माध्यम से धार्मिक पर्यटन स्थल को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने की पहल की है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 26 नवंबर 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

धनबाद में 1312 लाभुकों ने किया नए पक्के घरों में गृह प्रवेश



धनबाद। झारखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़े के तहत जिले में 15 से 28 नवंबर तक विशेष रूप से गृह प्रवेश सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके तहत विभिन्न सरकारी आवास योजनाओं के लाभुकों को उनके नवनिर्मित पक्के घरों में विधिवत गृह प्रवेश कराया जा रहा है। अभियान के तहत 15 से 25 नवंबर तक जिले में कुल 1312 आवासों में गृह प्रवेश कराया जा चुका है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर जिला प्रशासन सभी प्रखंडों में इस अभियान का संचालन कर रहा है। इसका उद्देश्य आवास योजनाओं के तहत बनकर तैयार घरों में लाभुकों को प्रवेश कराकर उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक जीवनयापन के लिए पक्की छत उपलब्ध कराना है। अभियान में प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण, अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान, पीएम-जनमन और बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर आवास योजना के लाभुकों को शामिल किया गया है। जिला प्रशासन अभियान की लगातार निगरानी कर रहा है। उपायुक्त ने संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों और आवास समन्वयकों को शेष आवासों का निर्माण एवं फिनिशिंग कार्य जल्द पूरा कराने का निर्देश दिया है। साथ ही 27 नवंबर तक शत-प्रतिशत लक्षित लाभुकों का गृह प्रवेश सुनिश्चित करने को कहा है।

रबी कर्मशाला में किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए किया प्रेरित

धनबाद। झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन, धनबाद में आयोजित जिला स्तरीय रबी कर्मशाला-सह-परिसंपत्ति वितरण समारोह में जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह शामिल हुईं। उन्होंने अपने संबोधन में किसानों के हित में संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि कृषि, पशुपालन और मत्स्य पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के प्रमुख आधार हैं। किसानों को आधुनिक तकनीक, सरकारी योजनाओं और उपलब्ध संसाधनों का लाभ मिलना चाहिए, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले। समारोह में उपायुक्त, उप विकास आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, वरीय पुलिस अधीक्षक, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

लायंस क्लब ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, दस लोगों ने कराई जांच



बलियापुर। लायंस क्लब ऑफ बलियापुर की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को बलियापुर बाजार स्थित प्रज्ञा डायग्नोस्टिक सेंटर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों के रक्त और रक्तचाप की निःशुल्क जांच की गई। इस दौरान कुल दस लोगों ने अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। जांच का कार्य तकनीशियन संजीत भंडारी ने किया। शिविर के दौरान उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें बेहतर जीवनशैली अपनाने, खानपान में सावधानी बरतने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी गई। आयोजकों ने कहा कि बदलती जीवनशैली और अनियमित खानपान के कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। ऐसे में समय-समय पर स्वास्थ्य की जांच कराना जरूरी है। शिविर का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें प्रारंभिक जांच की सुविधा उपलब्ध कराना था। शिविर को सफल बनाने में क्लब अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव के अलावा शंकर रविदास, गिरधारी लाल अग्रवाल, स्वपन कुमार महतो, देवव्रत मुखर्जी, कैलाश अग्रवाल, अंकित लिखमनिया और तकनीशियन संजीत भंडारी का सराहनीय योगदान रहा।क्लब के सदस्यों ने कहा कि भविष्य में भी सामाजिक सरोकार से जुड़े ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का लाभ मिल सके।

धनबाद के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर चला नशा मुक्त समाज अभियान



धनबाद। झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत मंगलवार को जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों और प्रखंडों में नशा मुक्त समाज अभियान चलाया गया। महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ एवं नशा मुक्त झारखंड के निर्माण में जनभागीदारी बढ़ाना था। नशा मुक्त समाज अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों, किशोरों और अभिभावकों के साथ जागरूकता बैठक की गई। इसमें नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। बच्चों और किशोरों ने पोस्टर एवं नारे के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश दिया। वहीं, उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को सरकार की ओर से उपलब्ध नशा मुक्ति सहायता एवं परामर्श सेवाओं की जानकारी दी गई। विभिन्न गांवों में जागरूकता रैली निकाली गई और सामुदायिक बैठकों के माध्यम से लोगों को नशे से होने वाले नुकसान के प्रति सचेत किया गया।

धनबाद में पशुपालकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण

चार लाभुकों को मिलीं दुधारू गायें

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना से ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ने की पहल, बकरी और मुर्गीपालन के लिए भी मिला अनुदान



संवाददाता

धनबाद। झारखंड स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से बुधवार को जिला पशुपालन एवं जिला गव्य विकास कार्यालय में जिला स्तरीय परिसंपत्ति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को बढ़ावा देने के साथ किसानों और पशुपालकों की आय में वृद्धि करना तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

समारोह में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत जिले के चार लाभुकों को दुधारू गाय उपलब्ध कराई गई। इनमें तीन महिला लाभुकों को 75 प्रतिशत अनुदान पर दो गाय की योजना तथा एक पुरुष लाभुक को 50 प्रतिशत अनुदान पर दस गाय की मिनी डेयरी योजना का लाभ दिया गया। दो गाय योजना के तहत निरसा प्रखंड की शांति देवी, अतुरा बीबी और बलियापुर प्रखंड की रीना गोराई को लाभान्वित किया गया। इस योजना की प्रति इकाई लागत 1,35,050 रुपये है। इसमें 1,01,288 रुपये सरकारी अनुदान और 33,762 रुपये लाभुक अंशदान निर्धारित है। वहीं बाघमारा प्रखंड के दलुडीह निवासी अभिषेक मुंशी को दस गाय की मिनी डेयरी योजना का लाभ मिला। इसकी कुल लागत 6,75,250 रुपये है, जिसमें सरकार और लाभुक की ओर से 3,37,625-3,37,625 रुपये का अंशदान निर्धारित किया गया है। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2025-26 की मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत बकरी, सूकर, मुर्गी और बत्तख पालन को प्रोत्साहित करने के लिए भी लाभुकों का चयन किया गया है। विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत 90 और 75 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान किया गया है। चयनित लाभुकों को अनुदान की राशि सीधे उनके बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से भेजी जाएगी। ब्रायलर मुर्गीपालन योजना के तहत कलियासोल प्रखंड की उरमा पंचायत के अशफाक अंसारी और मो. रईस आलम को चयनित किया गया है। प्रत्येक लाभुक को 50,625 रुपये अनुदान तथा 16,744 रुपये लाभुक अंशदान के साथ कुल 67,369 रुपये की योजना का लाभ मिलेगा। बकरा विकास योजना के तहत धनबाद प्रखंड की पेटिया पंचायत के नकुल तुरी को 44,640 रुपये अनुदान और 4,747 रुपये लाभुक अंशदान का लाभ दिया जाएगा। वहीं 90 प्रतिशत अनुदान वाली विशेष श्रेणी में बाघमारा और निरसा प्रखंड की चार महिला लाभुकों का चयन किया गया है। इनमें बाघमारा प्रखंड की रूबी देवी और गंगा देवी तथा निरसा प्रखंड की आशा देवी और कमला देवी शामिल हैं। प्रत्येक लाभुक को 42,720 रुपये अनुदान और 4,747 रुपये लाभुक अंशदान का लाभ मिलेगा। जिला प्रशासन की इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन आधारित आजीविका को मजबूती मिलने और महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

बंद बीसीसीएल विद्यालय में कथित अवैध संचालन का आरोप, 15 दिनों में कार्रवाई नहीं हुई तो होगा सत्याग्रह

संवाददाता

धनबाद। बीसीसीएल के बरोरा क्षेत्र-1 अंतर्गत डुमरा स्थित बंद विद्यालय भवन में कथित रूप से अवैध तरीके से विद्यालय संचालन और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के मानकों की अनदेखी कर बच्चों का नामांकन किए जाने का मामला गरमा गया है। इस मामले में संपूर्ण जन जागृति ऑर्गेनाइजेशन ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को स्मार-पत्र सौंपकर 15 दिनों के भीतर ठोस कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि निर्धारित अवधि में कार्रवाई नहीं होने पर रणधीर वर्मा चौक पर एक दिवसीय सत्याग्रह आंदोलन किया जाएगा। संगठन के प्रतिनिधि जगत महतो ने बताया कि इस मामले में 15 सितंबर 2026 को अनुमंडल पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, बीसीसीएल बरोरा क्षेत्र-1 के महाप्रबंधक और



बाघमारा थाना प्रभारी को संयुक्त शिकायत-पत्र सौंपा गया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि बीसीसीएल के बंद विद्यालय भवन में आवश्यक वैधानिक अनुमति और निर्धारित शैक्षणिक मानकों को पूरा किए बिना दोबारा विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। साथ ही बच्चों के नामांकन के लिए प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। जगत महतो के अनुसार, विद्यालय संचालिका सुनेना देवी एवं अन्य के विरुद्ध बीसीसीएल प्रबंधन की ओर से बाघमारा थाना में पहले ही प्राथमिकी दर्ज कराई जा चुकी है। इसके बावजूद अब तक प्रभावी प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्रवाई नहीं होना चिंता का विषय है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब विद्यालय भवन बीसीसीएल का है और विद्यालय के संचालन को लेकर प्राथमिकी भी दर्ज है, तो किस वैधानिक अनुमति और मान्यता के आधार पर वहां विद्यालय चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य और अभिभावकों के विश्वास के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। जगत महतो ने कहा कि संगठन लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से जनहित के मुद्दों को उठाता रहेगा। 15 दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं होने पर सत्याग्रह किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे उत्पन्न होने वाली आंदोलनात्मक स्थिति की जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होगी।

गोविंदपुर में लाभुकों के बीच 18 लाख रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण

संवाददाता

धनबाद। झारखंड स्थापना दिवस एवं राज्य सरकार के दूसरे वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को गोविंदपुर प्रखंड मुख्यालय में परिसंपत्ति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभुकों के बीच लाखों रुपये की परिसंपत्तियां वितरित की गईं। कार्यक्रम में तीन महिला स्वयं सहायता समूहों को कुल 18 लाख रुपये के चेक प्रदान किए गए। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना, अबुआ आवास योजना और अंबेडकर आवास योजना के लाभुकों को स्वीकृति पत्र सौंपे गए। झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी के बेली आजीविका सखी मंडल, जय श्री राम आजीविका सखी मंडल और राजमाता आजीविका सखी मंडल को छह-छह लाख रुपये के चेक



दिए गए।

इसके अलावा 24 लाभुकों के बीच साइकिल वितरित की गई। दिव्यांग लाभुकों को ट्राई साइकिल और एक लाभुक को व्हीलचेयर प्रदान की गई। तीन अन्य लाभुकों को सुनने के लिए कान की मशीन दी गई। कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिथिला देवी, छोटा जमुआ, रोहणी देवी तिलैया, तनु देवी, आमटाड़, जगदीश रजक एवं वासु महतो गोरगा को मुफ्त मसूर बीज भी वितरित किया गया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी जहीर आलम ने कहा कि गोविंदपुर प्रखंड प्रशासन विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। गांव-गांव तक विकास की योजनाएं पहुंचाने के लिए गंभीरता से काम किया जा रहा है। समारोह में सीडीपीओ, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी उदित कुमार महतो, विधान चंद्र मांझी, सहायक अभियंता अरुण कुमार सिंह, कृषि पदाधिकारी जसीम अख्तर, प्रधान सहायक अब्दुल मजीद सहित विभिन्न पंचायतों के मुखिया एवं पंचायत समिति सदस्य उपस्थित थे।

रामपुर की टीम ने क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीता, फाइनल में खरखरी नवागढ़ को हराया



संवाददाता

बलियापुर। शेख बिरादरी की ओर से बेड़ा नियामतपुर नौजवान कमेटी के तत्वावधान में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला मंगलवार को खेला गया। प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबला रामपुर और खरखरी नवागढ़ की टीमों के बीच हुआ, जिसमें रामपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए रामपुर की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 90 रन बनाए। जीत के लिए 91 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी खरखरी नवागढ़ की टीम रामपुर के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 85 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इस तरह रामपुर ने पांच रनों से रोमांचक जीत दर्ज की। आयोजन कमेटी में कबीर खान, पिंटू खान, बाबर खान, सरफुद्दीन खान, अलाउद्दीन खान, अरमान खान, गुलजार खान और नईम खान शामिल रहे। वहीं जाकिर खान और नसीम खान ने भी आयोजन में सहयोग किया। फाइनल मुकाबले में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक कॉमरेड आनंद महतो उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथियों में प्रखंड उपप्रमुख आशा देवी, मुखिया उत्तम चौबे, पूर्व मुखिया रफीक अंसारी, उपमुखिया अख्तर अंसारी, विधायक प्रतिनिधि मुश्ताक आलम एवं देवाशीष पांडेय, समाजसेवी प्रदीप उपाध्याय, स्वपन महतो, सिराजुल अंसारी और अकबर अंसारी सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और विजेता टीम को बधाई दी।

गोल टैलेंट सर्च परीक्षा के साथ नए सत्र 2026-27 का आगाज



संवाददाता

धनबाद। मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी कराने वाले गोल संस्थान की बहुप्रतीक्षित गोल टैलेंट सर्च परीक्षा का आयोजन देश के छह राज्यों बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 60 से अधिक केंद्रों पर किया गया। परीक्षा में आठवीं, नौवीं और दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस परीक्षा का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों के साथ दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में छिपी प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें समय पर उचित मार्गदर्शन देना है। संस्थान के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक बिपिन सिंह ने कहा कि इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभावान विद्यार्थियों को भी बेहतर करियर बनाने का अवसर देना है। प्रत्येक बच्चे में प्रतिभा और क्षमता होती है। ऐसे में विद्यार्थियों को कम उम्र से ही प्रतियोगी माहौल से परिचित कराना और उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना जरूरी है। गोल धनबाद केंद्र के निदेशक संजय आनंद ने बताया कि टैलेंट सर्च परीक्षा के साथ ही संस्थान में नए सत्र 2026-27 की शुरूआत हो चुकी है। संस्थान की टीम विद्यार्थियों और अभिभावकों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध है। परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें उन्हें लक्ष्य निर्धारण और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। संस्थान के एकेडमिक हेड दीपक सिंह और भारती सिन्हा ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों को उनकी रैंक के आधार पर लैपटॉप, घड़ी, बैग, प्रमाणपत्र और पदक देकर सम्मानित किया जाएगा। इसकी घोषणा विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित सेमिनारों के दौरान की जाएगी।

डैफोडिल्स बचपन व एकेडमी में बाल भोजन समारोह, बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बांधा समां



संवाददाता

पुटकी। डैफोडिल्स बचपन एवं डैफोडिल्स एकेडमी के प्रांगण में बुधवार को बाल भोजन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। समारोह में नर्सरी से दसवीं कक्षा तक के लगभग एक हजार छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और अतिथियों ने भाग लिया। इस दौरान सभी ने सामूहिक बाल भोज का आनंद उठाया। आयोजन को लेकर बच्चों और अभिभावकों में खासा उत्साह देखा गया। समारोह में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चे पंडित जवाहरलाल नेहरू सहित विभिन्न महापुरुषों और आकर्षक पात्रों के वेश में नजर आए। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। विद्यालय के प्राचार्य तापस बनर्जी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को अनुशासन का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि अनुशासन के रास्ते पर चलकर ही जीवन में सफलता और उन्नति हासिल की जा सकती है। इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय चंडीचरण बनर्जी, जो पुटकी उच्च विद्यालय में गणित के शिक्षक रहे थे, को भी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में नौवीं और दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शिक्षिकाओं मिताली मैम और सुमन मैम ने संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। समारोह को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का योगदान सराहनीय रहा।

समारोह धनबाद में करोड़ों की परिसंपत्तियों का वितरण, पांच लाभुकों को मिले ट्रैक्टर

मंईयां सम्मान योजना से आत्मनिर्भर बनीं आठ महिला उद्यमियों को किया गया सम्मानित

चयनित कर्मियों को मिले नियुक्ति पत्र

संवाददाता

धनबाद। झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से बुधवार को पुलिस लाइन सभागार में जिला स्तरीय परिसंपत्ति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत लाभुकों के बीच करोड़ों रुपये की परिसंपत्तियां, चेक, ट्रैक्टर और स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। वहीं, नवचयनित कर्मियों



को नियुक्ति पत्र तथा उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से सहायता प्राप्त कर स्वरोजगार शुरू करने वाली आठ महिला उद्यमियों को सम्मानित किया गया।

इनमें कपड़ा दुकान, बताशा फैक्ट्री, पलाश दीदी कैफे, राशन दुकान, ब्यूटी पार्लर, जूट बैग उत्पादन, हैचरी और सिलाई केंद्र संचालित करने वाली महिलाएं शामिल हैं। उपायुक्त ने कहा कि योजना से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही हैं।

मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना के तहत पांच लाभुकों को ट्रैक्टर और कृषि यंत्र दिए गए। कृषि विभाग ने पांच किसानों को सोलर पंप, 21 को मृदा स्वास्थ्य कार्ड और 20 को बीज वितरित किए। मत्स्य विभाग की ओर से वाहन, विपणन किट और केज निर्माण से संबंधित परिसंपत्तियां दी गईं। तीन उद्यमों को 54 लाख रुपये के चेक भी प्रदान किए गए। इसके अलावा आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के आठ कर्मियों तथा अनुकंपा पर नियुक्त चार कर्मियों को नियुक्ति पत्र दिया गया। जन वितरण प्रणाली के तीन दुकानदारों, दो आपूर्ति पदाधिकारियों और पांच पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, उपायुक्त आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार सहित अन्य अधिकारी और लाभुक उपस्थित थे।

बीसीसीएल उत्पादन बढ़ाने की तैयारी में जुटा, सीएमडी ने ब्लॉक टू की खदानों का किया निरीक्षण

संवाददाता

बाघमारा। देश में बिजली की बढ़ती मांग के बीच कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बीसीसीएल प्रबंधन ने उत्पादन क्षेत्रों में सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में बुधवार को बीसीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मनोज कुमार अग्रवाल ने ब्लॉक टू क्षेत्र की विभिन्न खदानों का निरीक्षण किया। उन्होंने अंबे माइनिंग, खेमका कैरियर फेस, हाईवाल और विभागीय माइनिंग फेस में चल रहे कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मशीनों के परिचालन, कोयला उत्पादन और डिस्पैच की स्थिति की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। सीएमडी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि उत्पादन बढ़ाने के



प्रयास में सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी स्थिति में नहीं होनी चाहिए। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि देश में बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में कोयले का उत्पादन भी बढ़ाना जरूरी है। इसके लिए कोल इंडिया की सभी अनुषंगी कंपनियों को अपनी उत्पादन क्षमता का बेहतर इस्तेमाल करना होगा। ब्लॉक टू के विभागीय पैच नदखुरकी और एएमपीएल पैच में भी उत्पादन बढ़ाने की संभावनाएं हैं। इस दिशा में अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि कोयला वाशरी की क्षमता बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण कोयले के उत्पादन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। दौरे के दौरान खदानों के विस्तार और ग्रामीणों के विस्थापन से जुड़े मुद्दों पर भी क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। मौके पर महाप्रबंधक कुमार रंजीव, एजीएम पीएसके सिन्हा, प्रबंधक सुरेश प्रजापति, एरिया मैनेजर प्रताप चंद्र साहू, इंजीनियर इंचार्ज इंद्रानील मांझी, विद्युत एवं यांत्रिक प्रबंधक आलोक कुमार, सूरज प्रकाश वर्मा, सूरज कुमार, नवीन कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी और आउटसोर्सिंग कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 26 नवंबर 2026

संपादकीय

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

सुभाषितम्

सपने वो नहीं हैं जो आप सोने के बाद देखते हैं, सपने वो हैं जो आपको सोने नहीं देते - डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

लतीफ भट के बाद कश्मीर में स्थाई शांति की आहट

कुलगाम में लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी मोहम्मद लतीफ भट के मारे जाने के बाद कश्मीर में अब कोई सक्रिय स्थानीय आतंकवादी नहीं बचा है। यह देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। आतंकवाद का दंश कश्मीर 35 वर्षों से झेल रहा है, लेकिन अब कह सकते हैं कि वहां अब शांति का एक अहसास स्थानीय लोग महसूस कर रहे हैं। लगभग चार दशक बाद यह बात सुकून देने वाली है कि इस समय कोई अपना कश्मीरी बच्चा देश के खिलाफ जेहाद के रास्ते पर नहीं है। इसके लिए मोदी सरकार, खासकर गृहमंत्री अमित शाह को शाबाशी मिलनी चाहिए। उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार किया और देश के खिलाफ जेहाद करने वालों को जहां भी हों खत्म करो की नीति को मजबूती से लागू किया। आतंकवाद के खिलाफ आम कश्मीरियों में भी वितृष्णा देखी जा रही है। खासकर युवाओं में देश के साथ कंधे से कंधे मिलाकर चलने की नई प्रवृत्ति जन्म ले चुकी है। मोदी सरकार भी उन्हें भरपूर प्रोत्साहन दे रही है। अकेले 2026 में पूरे कश्मीर से 500 से अधिक युवाओं ने अग्निवीर के रूप में भारतीय सेना में भर्ती ली है। यह बदलते कश्मीर की एक झलक है।

हाल ही में एनआईए के आतंकवाद-रोधी सम्मेलन में गृहमंत्री ने कहा भी कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में स्थायी सफलता के लिए बहुत जरूरी है कि केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय हो। खुफिया जानकारी साझा हो और स्पष्ट जवाबदेही भी हो। वास्तव में कश्मीर घाटी से लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी लतीफ भट का खात्मा इसी समन्वय का परिणाम है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। 35 वर्षों में पहली बार कश्मीर में कोई भारतीय सक्रिय आतंकवादी नहीं है। भारत की यह धरती लोकल आतंकवादी जैसे दोषपूर्ण नाम से मुक्त हो गई है। बकौल गृहमंत्री इस समय देश भर से 40 से अधिक आतंकवादी मॉड्यूल्स को निष्क्रिय किया जा चुका है।

कश्मीर में शांति पाकिस्तान के लिए बिजली के झटके से कम नहीं है, क्योंकि वह लगातार घाटी में आतंकवादी हिंसा को बढ़ावा देकर उसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थानीय आंदोलन के रूप में पेश करता रहा है। लेकिन मोदी सरकार की सतर्कता और लोगों के हितों से जुड़ी योजनाओं ने स्थानीय युवकों में आतंक के प्रति आकर्षण को लगभग खत्म सा कर दिया है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में यह स्थिति किसी वरदान से कम नहीं है। गृहमंत्री अब आतंकवाद के पूरे इको सिस्टम को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं। मोदी सरकार ने न सिर्फ कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद पर लगाम लगाने में सफलता प्राप्त की है, बल्कि इसके पहले वामपंथी उग्रवाद को भी समाप्त करने की उपलब्धि हासिल की है।

मोदी सरकार के कार्यकाल में सुरक्षा बलों की जान पर आसन्न खतरे भी अब बहुत कम हो गए हैं। अब कोई भी आकड़े देख कर संतुष्ट हो सकता है कि 2016 के बाद आतंकवादी अब देश के भीतरी इलाकों में कोई बड़ा हमला करने में सफल नहीं हुए हैं। कारण साफ है कि अब पहले के मुकाबले हमारी खुफिया एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं और किसी संभावित हमले से पहले ही नापाक तत्वों को पकड़ ले रही हैं। सक्रिय आतंकी समूहों के अधिकतर गुर्गे या तो मारे गए हैं या गिरफ्तार कर लिए गए हैं। अब पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवादी पीओके से आसानी से घुसपैठ नहीं कर पाते। मोदी सरकार ने जो सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकवादियों पर प्रहार किए उसे पाकिस्तान में बैठे उनके आका वर्षों याद रखेंगे। मोदी सरकार ने आतंकवाद पर पूरी तरह नकेल डालने के लिए पिछले 12 सालों में बड़े पैमाने पर कानूनी बदलाव किए हैं। खासकर गृहमंत्री का एक ही मकसद रहा कि आतंकवाद के प्रति जीरो-टॉलरेंस रखेंगे और उसी अप्रोच से काम करेंगे। मजबूत कानूनी फ्रेमवर्क, इंस्टीट्यूशनल सुधार और इंटेलिजेंस इंटीग्रेशन का काम पूरे शिद्दत से किया गया। सेंट्रल और स्टेट एजेंसियों के बीच इंटर-एजेंसी को-ऑर्डिनेशन पर सबसे अधिक जोर दिया गया। क्रॉस बॉर्डर आतंकवाद की कमर तोड़ने के लिए सीमा पर बाड़ लगाने के साथ साथ 24 घंटे कड़ी निगरानी रखी गई। टेरर फाइनेंसिंग नेटवर्क को खत्म करने के लिए अलग से नेटवर्क बनाए गए, जिसमें विदेशी एजेंसियों के साथ तालमेल कर सोर्स पर प्रहार किया गया। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को आतंकी फंडिंग रोकने की विशेष जिम्मेदारी दी गई।सनद रहे कि 'राष्ट्रीय जांच एजेंसी अधिनियम, 2008 मुंबई हमले के बाद लागू किया गया। तभी से एनआईए भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता के प्रति खतरा बन रहे संगठित अपराधियों के खिलाफ काम कर रही है। पहले इसकी जांच का दायरा बहुत सीमित रखा गया, लेकिन 2019 में गृह मंत्रालय की ओर से एनआईए संशोधन विधेयक लाया गया, जिसे दोनों सदनों की मंजूरी भी मिली।

विक्रम उपाध्याय

मानवीय संवेदनाओं से युक्त विश्व का सबसे व्यापक है भारतीय संविधान

26 नवंबर : संविधान दिवस

-रमेश शर्मा

भारत का संविधान विश्व के सबसे विस्तृत और व्यापक संविधानों में से एक है। इसके निर्माण में दुनिया के विभिन्न देशों के संविधानों के श्रेष्ठ प्रावधानों को समाहित किया गया। यही कारण है कि इसमें मानवीय अधिकारों के प्रति गहरी संवेदनशीलता के साथ अपराधों पर नियंत्रण के लिए कठोर प्रावधान भी किए गए हैं। भारत में संविधान निर्माण की प्रक्रिया स्वतंत्रता से पहले ही आरंभ हो गई थी। इसे तैयार करने में दो वर्ष, ग्यारह महीने और अठारह दिन लगे।

भारतीय संविधान के संदर्भ में दो तिथियां विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण हैं-26 नवंबर और 26 जनवरी। 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अंगीकृत किया था। इसीलिए इस तिथि को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है, जबकि 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू हुआ और भारत एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इसलिए 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है।

आरंभ में 26 नवंबर को राष्ट्रीय स्तर पर संविधान दिवस मनाने की परंपरा नहीं थी। इसकी शुरुआत वर्ष 2015 में हुई। इससे पहले यह दिन राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबासाहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। डॉ. आंबेडकर संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे।

संविधान सभा के गठन की प्रक्रिया सितंबर 1946 में आरंभ हुई थी, जो नवंबर 1946 में पूरी हुई। संविधान सभा की विधिवत घोषणा 6 दिसंबर, 1946 को हुई और 9 दिसंबर, 1946 को इसकी पहली बैठक आयोजित की गई। संविधान सभा के कुल 11 सत्र हुए और विचार-विमर्श के लिए 165 दिनों तक बैठकें चलीं। प्रारूप समिति की बैठकें कुल 141 दिनों तक चलीं। इसी समिति ने संविधान का मसौदा तैयार किया था। संविधान सभा की अंतिम बैठक 24 जनवरी, 1950 को हुई थी। इसी दिन संविधान के अंतिम स्वरूप पर सदस्यों ने हस्ताक्षर किए। इसके बाद 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू हुआ।

संविधान सभा का स्वरूप और उसकी समितियां

संविधान सभा के आरंभिक स्वरूप में कुल 389 सदस्य थे। किंतु 14 अगस्त, 1947 को भारत का विभाजन होने के बाद कुछ सदस्य पाकिस्तान चले गए और भारतीय संविधान सभा के सदस्यों की संख्या घटकर 299 रह गई। संविधान सभा में 15 महिला सदस्य, अनुसूचित जाति के 26 और अनुसूचित जनजाति के 33 सदस्य थे।

डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा संविधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष बने थे। बाद में डॉ. राजेंद्र प्रसाद संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष चुने गए। संविधान सभा में कुल 22 समितियां थीं, जिनमें आठ प्रमुख और शेष सहायक समितियां थीं। इन सभी में सबसे महत्त्वपूर्ण प्रारूप समिति थी, जिसके अध्यक्ष बाबासाहब डॉ. भीमराव आंबेडकर थे।

अन्य समितियों में पंडित जवाहरलाल नेहरू दो समितियों के अध्यक्ष थे। इनमें संघ शक्ति समिति और संघ संविधान समिति शामिल थीं। सरदार वल्लभभाई पटेल प्रांतीय संविधान समिति तथा मौलिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों, आदिवासी और अपवर्जित क्षेत्रों से संबंधित सलाहकार समिति के अध्यक्ष थे। डॉ. राजेंद्र प्रसाद प्रक्रिया के नियमों से संबंधित समिति, संचालन समिति तथा वित्त एवं कर्मचारी समिति के अध्यक्ष थे।

अन्य समितियों में मौलिक अधिकार उपसमिति के अध्यक्ष जे.बी. कृपलानी थे। राष्ट्रीय ध्वज से संबंधित तदर्थ समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे, जबकि बी.एन. राव संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार थे।

भारतीय संविधान के मूल स्वरूप में 395 अनुच्छेद थे, जिन्हें 22 भागों में विभाजित किया गया था। उस समय इसमें कुल आठ अनुसूचियां थीं। समय के साथ संविधान में अनेक संशोधन हुए और इसका विस्तार हुआ। वर्तमान स्वरूप में इसमें 470 अनुच्छेद, 25 भाग और 12 अनुसूचियां हैं।

संवैधानिक प्रावधानों में चित्रों के माध्यम से सांस्कृतिक और ऐतिहासिक गौरव की झलक

भारतीय संविधान के 22 भागों की प्रस्तुति केवल शब्दों तक सीमित नहीं है। इसमें शब्दों के साथ चित्रों के माध्यम से भी संदेश दिए गए हैं। प्रत्येक भाग के आरंभ में एक चित्र उकेरा गया है और उसके बाद संबंधित संवैधानिक प्रावधान प्रस्तुत किए गए हैं। इस प्रकार संविधान के मूल 22 भागों के साथ 22 चित्रों की श्रृंखला जुड़ी हुई है।

इन चित्रों में भारत के सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक गौरव, कर्तव्यबोध और प्रकृति की विविधता का चित्रण किया गया है। इनके माध्यम से संविधान निर्माताओं ने संवैधानिक प्रावधानों की व्यापकता के साथ भारतीय शासन पद्धति और सामाजिक जीवन के उन आदर्शों को भी अभिव्यक्त किया है, जो भारत की सांस्कृतिक अस्मिता के अनुरूप हैं।

संविधान निर्माताओं ने इन चित्रों के माध्यम से नेतृत्वकर्ताओं और समाज को आदर्श जीवन-मूल्यों की स्थापना का संदेश दिया है। इसके लिए समाज और सरकार, दोनों को अपनी भूमिका और दायित्व समझने होंगे। यह भाव व्यक्तित्व निर्माण में भी दिखाई देना चाहिए और दायित्वबोध में भी। इसीलिए संविधान निमार्ताओं ने स्वतंत्र भारत में सुचारु शासन संचालन के लिए अधिकारों, कर्तव्यों और अपराध नियंत्रण से संबंधित प्रावधानों के साथ ऐसे प्रेरक चित्रों का चयन किया, जो समृद्ध, सशक्त और आदर्श राष्ट्र के निर्माण की प्रेरणा देते हैं।

शौर्य, सामर्थ्य, दूरदृष्टि, संकल्पशीलता, समृद्धि, आदर्श जीवन, विश्व शांति और विश्वबंधुत्व का संदेश देने वाले इन चित्रों की श्रृंखला संविधान के आवरण पृष्ठ से ही आरंभ हो जाती है।

संविधान के आवरण पृष्ठ पर राजचिह्न और एक घोषवाक्य अंकित है। राजचिह्न सम्राट अशोक के सिंह स्तंभ से लिया गया है। इस सिंह स्तंभ के शीर्ष पर धर्मचक्र और नीचे घंटे के आकार का कमल बना है। स्तंभ के शीर्ष भाग पर हाथी, घोड़ा, सांड और सिंह की आकृतियां हैं। इन आकृतियों के बीच धर्मचक्र भी अंकित है। इस राजचिह्न में हाथी विशालता, सिंह शौर्य, घोड़ा गति और सांड सामर्थ्य का प्रतीक माना जाता है। प्रगति के लिए विशाल दृष्टिकोण, शौर्य, शक्ति और गतिशीलता आवश्यक हैं।

राजचिह्न के साथ संविधान के आवरण पर 'सत्यमेव जयते' घोषवाक्य भी अंकित है। यह वाक्य मुंडकोपनिषद से लिया गया है। इसका संदेश है कि अंततः विजय सत्य की ही होती है। इस घोषवाक्य से दो महत्त्वपूर्ण संदेश मिलते हैं–एक, उपनिषदों की महत्ता का और दूसरा, सत्य के प्रति अटूट निष्ठा का। व्यक्ति भी सफलता की ऊंचाइयों तक तभी पहुंचता है, जब वह सत्य के मार्ग पर अडिग रहता है।

इसके बाद संविधान के भीतर के पृष्ठों पर चित्रों की श्रृंखला आरंभ होती है। प्रत्येक भाग की शुरूआत एक चित्र से की गई है।

संविधान के प्रथम भाग में सिंधु घाटी सभ्यता के चर्चित प्रतीकों में शामिल जंगली बैल की आकृति अंकित है। इस भाग में भारतीय संघ के नाम और उसके राज्यक्षेत्र का उल्लेख है। यह चित्र मोहनजोदड़ो और हड़प्पा की प्राचीन सभ्यता की स्मृति को जीवंत करता है। इस चित्र के माध्यम से एक ऐसे राष्ट्रतंत्र की कल्पना का संकेत मिलता है, जो समाज को हिंसक और आपराधिक प्रवृत्तियों वाली शक्तियों से सुरक्षित रखने में सक्षम हो।

संविधान के तृतीय भाग में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का चित्र अंकित है। इस भाग में मौलिक अधिकारों का प्रावधान है। भगवान श्रीराम के जीवन से कुटुंबबोध, कर्तव्यबोध और संपूर्ण राष्ट्र तथा समाज को एक सूत्र में पिरोने की प्रेरणा मिलती है। चित्र में भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मणजी पुष्पक विमान से अयोध्या लौटते हुए दिखाई देते हैं। लंका पर श्रीराम की विजय में शक्ति, वीरता और युद्ध कौशल का अद्भुत संदेश निहित है।

सत्ता की राजनीति में धर्म, सनातन और भारतीय संस्कृति पर असर

सनत जैन

धर्म आस्था, विश्वास और नैतिकता का विषय है, लेकिन जब इसका इस्तेमाल सत्ता हासिल करने और राजनीतिक लाभ उठाने के लिए होने लगता है, तो नुकसान केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था का नहीं, बल्कि उस धर्म और संस्कृति का भी होता है, जिसके नाम पर राजनीति की जाती है। भारत में पिछले तीन दशकों से धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति ने इसी तरह की परिस्थितियां पैदा की हैं। आजादी के बाद भारतीय संविधान लागू होने से लेकर 1990 तक भारतीय राजनीति में लोकतांत्रिक परंपराओं, संवैधानिक मूल्यों और कानून के शासन को प्रमुखता देने की कोशिश हुई। हालांकि उस दौर में भी धार्मिक और सामुदायिक विवाद होते रहे, लेकिन 1990 के बाद धर्म को चुनावी राजनीति का प्रभावशाली हथियार बनाने का सिलसिला तेजी से बढ़ा। इसका परिणाम यह हुआ कि धार्मिक आस्था और राजनीतिक विचारधारा के बीच की दूरी लगातार कम होती चली गई। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि धर्म की रक्षा का दावा करने वाले कुछ लोग, आज धर्म की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाते दिखाई दे रहे हैं। रामदेव, आसाराम, राम रहीम और धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जैसे अलग-अलग पहचान रखने वाले चर्चित बाबाओं के अपराधिक कृत्य ओर समय-समय पर विवाद सामने आते रहे हैं। किसी पर कानूनी आरोप लगे, किसी के बयान विवादों में रहे, किसी की धार्मिक गतिविधियों को लेकर सवाल उठे। ऐसे मामलों ने आम श्रद्धालुओं के मन में यह सवाल पैदा किया है कि धर्म के नाम पर स्थापित होने वाली व्यवस्थाओं का वास्तविक उद्देश्य क्या है?

हाल के दिनों में बाबा रामदेव और धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बीच सामने आए वैचारिक मतभेदों और बयानों ने इस बहस को और तेज कर दिया है। सवाल यह है कि क्या धार्मिक मंचों पर एक-दूसरे को चुनौती देने, पाखंडी बताने और भगवान राम तथा कृष्ण के



नाम का सहारा लेकर अपनी श्रेष्ठता साबित करने की कोशिश से सनातन धर्म मजबूत होगा? भगवान राम और कृष्ण भारतीय संस्कृति के आदर्श हैं। उन्हें किसी बाबा, राजनीतिक दल या चुनावी रणनीति की प्रतिस्पर्धा का माध्यम बनाना करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है। धर्म के नाम पर चढ़ावे, दान और मंदिरों की संपत्ति को लेकर उठने वाले विवाद भी कम गंभीर नहीं हैं। मंदिरों में चोरी, धार्मिक संस्थाओं के धन के दुरुपयोग के आरोप और धार्मिक नेतृत्व के बीच संपत्ति तथा प्रभाव को लेकर संघर्ष की खबरें आस्था की बुनियाद को कमजोर करती हैं। जब धर्म के नाम पर लोगों से धन जुटाया जाता है, उसी धन को लेकर धर्म के ठेकेदारों के बीच विवाद पैदा होते हैं। तब श्रद्धालुओं का विश्वास स्वाभाविक रूप से प्रभावित होता है। धर्म- सेवा, त्याग और परोपकार का माध्यम होना चाहिए, न कि आर्थिक लाभ और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का। इस पूरी परिस्थिति का राजनीतिक पक्ष भी समझना जरूरी है। पिछले कुछ वर्षों में हिंदुत्व और धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर जो राजनीतिक एकजुटता दिखाई देती थी, उसके भीतर अब वैचारिक और व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा के संकेत उभर रहे हैं। अलग-अलग धार्मिक संगठनों, बाबाओं और राजनीतिक समर्थकों के बीच बढ़ते मतभेद इस एकजुटता को प्रभावित कर रहे हैं। हाल ही में कॉकरोच जनता पार्टी के जो प्रदर्शन हुए हैं, उसमें जो नई पीढ़ी है उसने धार्मिक प्रतिबद्धता से हटकर जिस तरह अपनी बात रखी है। जिस धार्मिक भावना को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया गया, वही अब बड़े टकराव का कारण बनती दिखाई दे रही है। राजनीति में धर्म का इस्तेमाल कुछ समय के लिए चुनावी लाभ दे सकता है। इसके दीर्घकालीन परिणाम समाज और संस्कृति के लिए नुकसानदायक होते हैं। इतिहास बताता है, धर्म की वास्तविक शक्ति सत्ता के संरक्षण में नहीं, बल्कि समाज के नैतिक मूल्यों, विश्वास और मानवीय व्यवहार में निहित होती है। आज आवश्यकता इस बात की है, हिंदू समाज बाबाओं के विवादों और राजनीतिक नारों से ऊपर उठकर अपने धर्म के मूल सिद्धांतों को समझे। मंदिरों की संपत्ति की पारदर्शिता सुनिश्चित हो, धार्मिक संस्थाओं की जवाबदेही तय हो। कानून से ऊपर किसी को भी न माना जाए। सनातन धर्म की रक्षा किसी राजनीतिक दल या बाबाओं से नहीं आती है, बल्कि उसकी उदारता, सहिष्णुता, सत्य, सेवा और समरसता की परंपरा से धार्मिक आस्था और संगठन मजबूत होते हैं। सत्ता बदलती रहती है, राजनीतिक समीकरण भी बदलते रहते हैं, भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा हजारों वर्षों की विरासत हैं। इन्हें चुनावी लाभ, धार्मिक ध्रुवीकरण और व्यक्तिगत स्वार्थ की भेंट चढ़ाना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। धर्म को राजनीति का हथियार बनाने के बजाय राजनीति को धर्म के नैतिक मूल्यों से सीख लेने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले जिस तरह से हिंदुओं के बीच में ही बटवारा करने की कोशिश की जा रही है। यह कहीं से भी हिंदुओं और भाजपा के लिए लाभदायक नहीं होगी, यही कहा जा सकता है।

कैंसर के खिलाफ जंग में अब एआई का साथ

हैदराबाद स्थित केयरओन्को बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड को कैंसर की पहचान के लिए एआई आधारित मेडिकल किट बनाने का एमडी-13 लाइसेंस केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से मिलना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी इस तकनीक के माध्यम से ऐसी जांच सुविधा विकसित करने की तैयारी में है, जिससे शरीर में कैंसर से जुड़े शुरुआती जैविक संकेतों का पता लगाने में मदद मिल सके। कंपनी हैदराबाद में अपनी पहली प्रयोगशाला स्थापित कर रही है।

विवेक शुक्ला

कैंसर आज दुनिया की सबसे गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। इस बीमारी से लड़ाई में अहम बात यह है कि समय रहते इसकी पहचान। यदि कैंसर का शुरूआती अवस्था में पता चल जाए तो इलाज की संभावनाएं बेहतर हो सकती हैं। लेकिन भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में कैंसर की समय पर जांच आज भी बड़ी चुनौती है। जांच का खर्च, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की सीमित उपलब्धता और बीमारी के प्रति जागरूकता का अभाव इसके प्रमुख कारण हैं।

ऐसे में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से विकसित की जा रही एक नई ब्लड टेस्ट तकनीक उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आई है।

हैदराबाद स्थित केयरओन्को बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड को कैंसर की पहचान के लिए एआई आधारित मेडिकल किट बनाने का एमडी-13 लाइसेंस केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से मिलना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी इस तकनीक के माध्यम से ऐसी जांच सुविधा विकसित करने की तैयारी में है, जिससे शरीर में कैंसर से जुड़े शुरूआती जैविक संकेतों का पता लगाने में मदद मिल सके। कंपनी हैदराबाद में अपनी पहली प्रयोगशाला स्थापित कर रही है।

भारत में कैंसर के खिलाफ लड़ाई में यह पहल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश की बड़ी आबादी को समय पर जांच की सुविधा उपलब्ध कराना जरूरी है। अक्सर लोग बीमारी के लक्षण गंभीर होने के बाद ही अस्पताल पहुंचते हैं। यदि कम खर्च में स्क्रीनिंग की सुविधा उपलब्ध होती है तो अधिक लोग समय रहते जांच कराने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। इससे बीमारी की आशंका वाले लोगों की पहचान कर उन्हें आगे की जांच और उपचार के लिए भेजना आसान हो सकता है।

इस परियोजना की खासियत यह है कि इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ जीनोमिक्स, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी और सिंगल-सेल एनालिसिस जैसी आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. देबार्का सेनगुप्ता, जो आईआईआईटीडी-दिल्ली में इनोवेशन, रिसर्च एवं डेवलपमेंट के एसोसिएट डीन भी हैं, के अनुसार इस किट से होने वाली जांच कैंसर की पहचान और उसके इलाज की योजना तैयार करने में मददगार हो सकती है। इसका उद्देश्य केवल बीमारी का पता लगाना नहीं, बल्कि मरीज के लिए आगे की जांच और उपचार की दिशा तय करने में भी चिकित्सकों को उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराना है।

दरअसल शोधकर्ताओं ने एआई आधारित ऐसा ब्लड टेस्ट विकसित किया है, जो कई प्रकार के कैंसर की अपेक्षाकृत किफायती स्क्रीनिंग में मदद कर सकता है। इस तकनीक का महत्वपूर्ण पहलू इसका 11-जीन वाला ब्लड टेस्ट है, जो प्लेटलेट आरएनए पर आधारित है। इसमें रियल टाइम पीसीआर (आरटी-पीसीआर) तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इसके जरिए रक्त में मौजूद विशेष जैविक संकेतों और जीन से संबंधित बदलावों का विश्लेषण कर कैंसर की आशंका को पहचानने में मदद मिल सकती है।

कैंसर की पहचान के लिए शरीर में होने वाले सूक्ष्म जैविक बदलावों को समझना बेहद जरूरी है। कई बार बीमारी के शुरूआती चरण में स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। मरीज को तब तक अपनी परेशानी का अंदाजा नहीं होता, जब तक बीमारी काफी आगे न बढ़ जाए। ऐसे में रक्त के नमूने के माध्यम से कैंसर से जुड़े संकेतों की पहचान करने वाली तकनीक चिकित्सा जगत के लिए उपयोगी साबित हो सकती है। हालांकि, स्क्रीनिंग में किसी संभावित संकेत का मिलना अंतिम निदान नहीं माना जाएगा। इसकी पुष्टि के लिए चिकित्सकीय सलाह और आवश्यक अतिरिक्त जांच जरूरी होगी।

अब यदि इसी व्यवस्था का इस्तेमाल कैंसर की स्क्रीनिंग के लिए किया जा सके तो इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। हर जगह नई और महंगी मशीनें लगाने की आवश्यकता कम होगी। मौजूदा प्रयोगशालाओं को आवश्यक तकनीकी प्रशिक्षण और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तैयार करके जांच का दायरा बढ़ाया जा सकेगा। इससे छोटे शहरों और कस्बों तक कैंसर की जांच सुविधाएं पहुंचाने में मदद मिल सकती है।

एआई की भूमिका भी इस पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण है। बड़ी मात्रा में प्राप्त जैविक और जीन संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऐसे पैटर्न पहचानने में मदद कर सकता है, जिन्हें सामान्य तरीके से समझना कठिन हो सकता है। इससे जांच के परिणामों का आकलन करने और चिकित्सकों को निर्णय लेने में सहायता मिल सकती है। हालांकि, तकनीक की वास्तविक उपयोगिता उसकी वैज्ञानिक पुष्टि, सटीकता, संवेदनशीलता और विभिन्न आबादी पर किए गए परीक्षणों के परिणामों से ही तय होगी।

यह भी जरूरी है कि ऐसी किसी भी नई जांच तकनीक को व्यापक स्तर पर इस्तेमाल करने से पहले उसकी विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का पर्याप्त वैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाए। अलग-अलग प्रकार के कैंसर की जैविक प्रकृति अलग होती है।

कुल मिलाकर, केयरओन्को बायोटेक की यह पहल भारत में कैंसर की शुरुआती पहचान को अधिक सुलभ और किफायती बनाने की दिशा में एक संभावनाशील प्रयास है। कोविड महामारी के दौरान तैयार हुआ आरटी-पीसीआर ढांचा अब कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के खिलाफ लड़ाई में भी उपयोगी साबित हो सकता है। विज्ञान और तकनीक का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उसका लाभ आम आदमी तक पहुंचे। यदि यह नई जांच तकनीक अपने वैज्ञानिक दावों पर खरी उतरती है और व्यापक स्तर पर उपलब्ध होती है तो कैंसर के खिलाफ भारत की लड़ाई को नई ताकत मिल सकती है। बीमारी से जूझ रहे मरीजों और उनके परिवारों के लिए समय पर पहचान की सुविधा किसी बड़ी राहत से कम नहीं होगी।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार और जाने-माने स्तंभकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष- अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा।

वृष- आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है।

मिथुन- शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

कर्क- शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

सिंह- आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी।

कन्या- भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी।

तुला- योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

वृश्चिक- व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे।

धनु- लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

मकर- मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ।

कुंभ- मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए।

मीन- सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा।

संक्षिप्त खबरें

डॉ. राखो हरि बने विनोबा भावे विवि के भौतिकी विभागाध्यक्ष



हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के भौतिकी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत डॉ. राखो हरि को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कुलपति प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा के आदेश से 23 नवंबर 2026 को उनकी नियुक्ति की गई।

डॉ. राखो हरि का शैक्षणिक एवं अध्यापन अनुभव लगभग चार दशकों का है। उन्होंने वर्ष 1986 में अन्नदा महाविद्यालय से अपने शैक्षणिक करियर की शुरूआत की थी। यहां 10 वर्षों तक अध्यापन करने के बाद वे दरभंगा स्थित ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय से जुड़े और लगभग डेढ़ वर्ष तक अपनी सेवाएं दीं। इसके बाद संत कोलंबा महाविद्यालय में लगातार 22 वर्षों तक अध्यापन किया। उनकी नियुक्ति से विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। उनकी इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, सहकर्मियों एवं शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना में खदानों में वाहनों की सुरक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ



हजारीबाग। पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना में 25 नवंबर 2026 को खुली खदानों में डंपर, टिप्पर एवं ट्रकों के सुरक्षित संचालन, सुरक्षा सुविधाओं के उपयोग तथा वाहनों के सुरक्षित रखरखाव की कार्यप्रणालियों पर दो दिवसीय कार्यशाला सह जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य कोयला खनन क्षेत्र में वाहनों के सुरक्षित परिचालन को बढ़ावा देना और दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने के लिए बेहतर सुरक्षा व्यवस्था एवं कार्यप्रणालियों के प्रति जागरूकता विकसित करना है। दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान 10 से अधिक तकनीकी प्रस्तुतियां आयोजित की जा रही हैं। इनमें खनन वाहनों के सुरक्षित संचालन, सुरक्षा उपकरणों के समुचित उपयोग, परिचालन प्रक्रियाओं में सुधार और वाहनों के नियमित एवं सुरक्षित रखरखाव से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की जा रही है। यह पहल कोयला खदानों में सुरक्षित कार्य संस्कृति विकसित करने और खनन गतिविधियों को अधिक व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

महिला हिंसा उन्मूलन अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर अन्नदा महाविद्यालय में भाषण प्रतियोगिता आयोजित



हजारीबाग। 25 नवंबर को महिला हिंसा उन्मूलन अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर अन्नदा महाविद्यालय के सेमिनार हॉल-2 में महिला सशक्तिकरण सेल एवं बीबीए विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के प्रति हिंसा के उन्मूलन, महिला अधिकारों और सशक्तिकरण के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के कुल 17 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में बीबीए विभाग के समसत्र-1 की छात्रा शीतल पाण्डेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी विभाग के समसत्र-4 की छात्रा प्रगति चौरसिया द्वितीय तथा भूगोल विभाग के समसत्र-2 की छात्रा श्वेता कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती पूजा सिन्हा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को महिला हिंसा के विरुद्ध आवाज उठाने और समानता एवं सम्मान पर आधारित समाज के निर्माण का संदेश दिया गया।

बाल विवाह के खिलाफ हजारीबाग के सभी प्रखंडों में चला कानूनी जागरूकता अभियान



हजारीबाग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार हजारीबाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय बाल, प्रारंभिक एवं जबरन विवाह उन्मूलन दिवस के अवसर पर बुधवार को जिलेभर में कानूनी जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके तहत हजारीबाग के सभी प्रखंडों की विभिन्न पंचायतों के साथ-साथ स्कूलों और कॉलेजों में कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित कर लोगों एवं बच्चों को बाल विवाह से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई।

यह कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार हजारीबाग ध्रुव चंद्र मिश्रा के निदेर्शानुसार तथा प्राधिकार के सचिव कुमार विपुल की निगरानी में आयोजित किया गया। शिविरों में प्रशिक्षित अधिकार मित्रों ने लोगों से सीधा संवाद स्थापित कर बाल विवाह के दुष्परिणामों और इससे संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। साथ ही नालसा एवं झालसा की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया।

अधिकार मित्रों ने बताया कि कम उम्र में बच्चों का विवाह कराना कानूनन अपराध है। बाल विवाह रोकने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक और जिम्मेदार बनने की आवश्यकता है। कानून के अनुसार लड़कियों की विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और लड़कों की 21 वर्ष निर्धारित है।

बड़कागांव में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते पांच युवक गिरफ्तार, 11 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद

संवाददाता



हजारीबाग। जिले में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री और सेवन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़कागांव पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 23 पुड़िया और प्लास्टिक के पैकेट में रखे करीब 11 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर बरामद की गई है। पुलिस ने मौके से एक स्विफ्ट डिजायर कार, दो मोटरसाइकिल और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, 24 नवंबर को बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि कदमाडीह पुल के समीप कुछ युवक ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करने पहुंचने वाले हैं। सूचना के आधार पर वरीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए छापामारी टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने बताए गए स्थान की घेराबंदी की। इसी दौरान एक सफेद कार और मोटरसाइकिल से कुछ युवक वहां पहुंचे और पुल के पास बैठकर आपस में नशीले पदार्थों का लेन-देन करने लगे। वे ब्राउन शुगर की छोटी-छोटी पुड़िया भी बना रहे थे। पुलिस बल को अपनी ओर आते देख सभी युवक भागने लगे। हालांकि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पांच युवकों को पकड़ लिया, जबकि कुछ युवक मौके से फरार हो गए। पकड़े गए युवकों की तलाशी लेने पर उनके पास से 23 पुड़िया में करीब 11 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे बड़कागांव क्षेत्र में ब्राउन शुगर की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर एक हजार रुपये प्रति पुड़िया की दर से बेचते थे और स्वयं भी इसका सेवन करते थे। वे उस दिन भी ब्राउन शुगर बेचने के उद्देश्य से कदमाडीह पुल के पास पहुंचे थे। गिरफ्तार आरोपियों में सिकरी ओपी क्षेत्र के सिकरी गांव निवासी मो. अफताब आलम (23), डाडी कला ओपी क्षेत्र के डाडी कला निवासी मो. राजन अंसारी (26) और मो. अलताफ हुसैन (20), बड़कागांव थाना क्षेत्र के खैरातरी निवासी रविन्द्र कुमार महतो (27) तथा चामगढ़ा निवासी पवन कुमार (25) शामिल हैं। इस कार्रवाई में बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक राकेश ख्वास, सहायक अवर निरीक्षक सूरज कुमार मोदी सहित बड़कागांव थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस फरार युवकों की तलाश में जुटी है।

बड़कागांव वन प्रक्षेत्र में हाथियों का तांडव लगातार तीसरे दिन जारी, दो झुंडों ने दर्जनों किसानों की फसलें रौंदी

संवाददाता



बड़कागांव। बड़कागांव वन प्रक्षेत्र में पिछले तीन-चार दिनों से जंगली हाथियों का उत्पात लगातार जारी है। हाथियों के झुंड द्वारा किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। पिछले दो दिनों से हाथियों का झुंड दो अलग-अलग समूहों में बंट गया है, जिससे वन विभाग और स्थानीय ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। मंगलवार की रात हाथियों के दोनों समूहों ने अलग-अलग पंचायतों में जमकर उत्पात मचाया। पहले समूह ने नापोखुर्द पंचायत में दस्तक दी, जबकि 20 से अधिक हाथियों का दूसरा झुंड तलसवार पंचायत के टिकरीटांड में रात करीब 11 बजे के बाद पहुंचा। हाथियों ने दर्जनों किसानों की फसलों को खाने के साथ-साथ रौंदकर बर्बाद कर दिया और इसके बाद आगे बढ़ गए।

हाथियों के उत्पात से धान, आलू, केला, प्याज, गेहूं, सरसों सहित कई प्रकार की सब्जियों की फसल को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा है। हाथियों के भय से किसान और ग्रामीण अपनी फसलों की सुरक्षा करने के बजाय जान बचाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। लगातार हो रहे नुकसान से किसानों में चिंता और आक्रोश है। घटना की सूचना मिलने पर तलसवार वन समिति के अध्यक्ष रंजीत साव और मुखिया प्रतिनिधि संजय महतो घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने हाथियों द्वारा बर्बाद की गई फसलों का जायजा लिया तथा वन विभाग से बातचीत कर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की। इस संबंध में बड़कागांव वन विभाग के कर्मियों ने बताया कि जिन किसानों की फसलें हाथियों द्वारा बर्बाद की गई हैं।

मनरेगा योजनाओं में फर्जी निकासी का आरोप, कार्रवाई की मांग को लेकर ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

संवाददाता



बरकट्ठा। चलकुशा प्रखंड के ग्राम बरियौन में मनरेगा योजनाओं के तहत डोभा निर्माण एवं आम बागवानी के नाम पर सरकारी राशि की कथित फर्जी निकासी का मामला सामने आया है। मामले में कार्रवाई नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने मंगलवार से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। ग्रामीणों ने योजनाओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि मनरेगा के तहत डोभा निर्माण और आम बागवानी की कई योजनाएं कागजों पर संचालित दिखाकर सरकारी राशि की निकासी की गई है। ग्रामीणों के अनुसार, ग्राम बरियौन के खाता संख्या 41, प्लॉट संख्या 685 का रकबा रजिस्टर-2 में 2 एकड़ 94 डिसमिल दर्ज है, जबकि उक्त प्लॉट पर 5 एकड़ 50 डिसमिल जमीन में विभिन्न योजनाएं संचालित दिखाए जाने का आरोप है। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त जमीन पर पांच लोगों के नाम से एक-एक एकड़ में आम बागवानी की योजनाएं दिखाई गई हैं। इनमें अजय सिंह, अमित कुमार सिंह, सुरेश प्रसाद सिंह, प्रदीप सिंह एवं प्रियंका देवी के नाम शामिल हैं। वहीं, अजय सिंह और प्रदीप कुमार सिंह के नाम पर डोभा निर्माण की कई योजनाएं संचालित दिखाकर राशि निकासी किए जाने का आरोप लगाया गया है।

इसके अलावा खाता संख्या 41, प्लॉट संख्या 300, जिसे ग्रामीण वन भूमि बता रहे हैं, उस पर आभा देवी के नाम से दीदी बगिया योजना संचालित दिखाकर 82 हजार रुपये की निकासी किए जाने का भी आरोप है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस मामले को लेकर पिछले दो वर्षों से बीडीओ अमृता सिंह को आवेदन देकर जांच एवं कार्रवाई की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। इससे नाराज ग्रामीणों ने आंदोलन का रास्ता अपनाया है।

धरना में शामिल विक्रम सिंह ने कहा कि प्रशासन को निष्पक्षता से काम करना चाहिए। उन्होंने बीडीओ पर निशाना साधते हुए कहा कि बीडीओ रिश्तेदार और जाति निभाना बंद करें तथा मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करें।

शिक्षा, सामाजिक एकता व कुरीतियों के उन्मूलन से ही समाज का सर्वांगीण विकास संभव : भुवनेश्वर प्रसाद मेहता

संवाददाता



हजारीबाग। शहर के जुलू पार्क स्थित मेहता भवन में बुधवार को मेहता विकास मंच का 19वां वर्षगांठ समारोह उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के जिला अध्यक्ष नागेश्वर प्रसाद मेहता ने की, जबकि संचालन इचाक प्रखंड अध्यक्ष ओमप्रकाश मेहता ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मंच के मुख्य संरक्षक सह पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में संरक्षक बटेश्वर प्रसाद मेहता और लखनलाल मेहता उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि शिक्षा, सामाजिक एकता और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन से ही समाज का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने बाल विवाह और नशाखोरी जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ सामूहिक रूप से जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि इन कुरीतियों को समाप्त करने के लिए युवाओं, बुद्धिजीवियों और समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आना होगा। शिक्षा को समाज की प्रगति का सबसे मजबूत आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज ही विकास की नई इबारत लिख सकता है। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने, प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करने के लिए समाज को पहल करनी चाहिए।

विशिष्ट अतिथि बटेश्वर प्रसाद मेहता ने समाज की एकजुटता, शिक्षा के प्रसार और युवाओं की भागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि संगठन की मजबूती तभी सार्थक होगी, जब समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद, बच्चों की शिक्षा और महिलाओं के सम्मान के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। वहीं लखनलाल मेहता ने आपसी मतभेद भुलाकर समाज के सभी लोगों से एक मंच पर एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि सामूहिक एकता से ही समाज के विकास की राह मजबूत होगी। समारोह के दौरान समाज के विकास, शिक्षा के विस्तार, सामाजिक जागरूकता और संगठन को मजबूत बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

बड़कागांव से 28 नवंबर को रवाना होगा सांसद तीर्थ दर्शन महाभियान का 100वां और 101वां जत्था

संवाददाता



हजारीबाग। सांसद मनीष जायसवाल की ओर से संचालित सांसद तीर्थ दर्शन महाभियान एक ऐतिहासिक पड़ाव की ओर बढ़ रहा है। इस अभियान का 100वां और 101वां जत्था आगामी 28 नवंबर को बड़कागांव से तीर्थ यात्रा के लिए रवाना होगा। इस दौरान सांढ़ और नयाटांड़ पंचायत के 130 बुजुर्ग श्रद्धालु काशी, विंध्याचल, अयोध्या और प्रयागराज स्थित त्रिवेणी संगम के दर्शन करेंगे। इस विशेष अवसर पर बड़कागांव थाना के सामने स्थित मां अम्बे परिसर, गुरुचट्टी में भव्य विदाई समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत हवन-पूजन से होगी। इसके बाद बुजुर्ग श्रद्धालुओं के पांव पखारकर और पुष्पवर्षा कर उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी जाएगी। सांसद मनीष जायसवाल की अगुवाई में तीर्थयात्री बड़कागांव चौक से करीब दो किलोमीटर की पदयात्रा करते हुए सूर्य मंदिर पहुंचेंगे, जहां से तीर्थ यात्रा का शुभारंभ होगा। इस दौरान संकीर्तन टोली, टाना भगत, शंखनाद, छऊ नृत्य और ताशा पार्टी आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

आयोजन को यादगार और ऐतिहासिक बनाने के लिए सांसद की टीम और भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों को आमंत्रित कर रहे हैं। बुधवार को सांसद प्रतिनिधियों और भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम स्थल सहित भोजन व्यवस्था का निरीक्षण किया। वहीं, सांसद मनीष जायसवाल ने सदर विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

डॉ. सौम्य वर्मा तीसरी बार भारतीय मौखिक चिकित्सा व रेडियोलॉजी अकादमी की कार्यकारिणी में निर्वाचित

संवाददाता



हजारीबाग। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज की शिक्षिका डॉ. सौम्य वर्मा ने अपनी उपलब्धि से हजारीबाग सहित पूरे झारखंड को गौरवान्वित किया है। उन्हें भारतीय मौखिक चिकित्सा एवं रेडियोलॉजी अकादमी (आईएओएमआर) की कार्यकारिणी समिति का सदस्य निर्वाचित किया गया है। केरल में 20 से 22 नवंबर तक आयोजित अकादमी के 37वें राष्ट्रीय सम्मेलन में उनका निर्वाचन हुआ। खास बात यह है कि डॉ. वर्मा लगातार तीसरी बार इस प्रतिष्ठित कार्यकारिणी की सदस्य चुनी गई हैं। यह उपलब्धि राष्ट्रीय स्तर पर दंत चिकित्सा एवं शैक्षणिक क्षेत्र में उनके योगदान और विश्वसनीयता को दशार्ती है। झारखंड के दंत चिकित्सा महाविद्यालयों के शिक्षकों में यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह दूसरी व्यक्ति हैं।

इस उपलब्धि पर हजारीबाग डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने डॉ. सौम्य वर्मा को बधाई देते हुए कहा कि यह हमारे संस्थान के साथ-साथ पूरे झारखंड के लिए गर्व का विषय है। उनकी सफलता से संस्थान के अन्य शिक्षकों और विद्यार्थियों को भी उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने डॉ. वर्मा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे राष्ट्रीय स्तर पर दंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान जारी रखेंगी। कि इससे पूर्व हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज के प्राचार्य डॉ. श्री कृष्ण झारखंड से इस प्रतिष्ठित उपलब्धि को हासिल करने वाले प्रथम व्यक्ति रहे हैं। उन्होंने भारतीय मौखिक चिकित्सा एवं रेडियोलॉजी अकादमी में मानद महासचिव, अकादमी की पत्रिका के प्रधान संपादक तथा अकादमी के अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं।

उपकार होटल में चली गोली, एक युवक की मौत, दूसरा जिंदगी और मौत से जूझ रहा

संवाददाता



हजारीबाग। शहर के सदर थाना क्षेत्र स्थित उपकार होटल में शादी समारोह के दौरान हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। द्वार पूजा और राष्ट्रीय राजमार्ग पर पार्किंग को लेकर बाराती और सराती पक्ष के बीच शुरू हुई कहासुनी मारपीट और फायरिंग तक पहुंच गई। इस दौरान गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद शादी समारोह की खुशियां मातम में बदल गईं। वारदात को अंजाम देने का आरोपित मौके से फरार हो गया है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, चतरा जिले के सिमरिया प्रखंड के पुंडरा गांव से बारात हजारीबाग पहुंची थी। बारात शहर के बाबापथ निवासी शिव कुमार उपाध्याय के घर से आई लड़की के विवाह के लिए उपकार होटल पहुंची थी। इसी दौरान द्वार पूजा और एनएच पर वाहनों की पार्किंग को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते कहासुनी ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट होने लगी। इसी बीच फायरिंग की घटना हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के समय समारोह में आतिशबाजी हो रही थी। पटाखों के शोर के बीच गोली चलने की आवाज लोगों को स्पष्ट सुनाई नहीं दी। गोली लगने से अर्णव उर्फ बिट्टू (पिता विजय कसेरा) और करियातपुर निवासी अंकित कुमार घायल होकर गिर पड़े। शुरूआत में लोगों को करंट लगने की आशंका हुई, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर दोनों के गोली लगने की पुष्टि हुई। चिकित्सकों ने अर्णव को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल अंकित की स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, फायरिंग करने का आरोप कटकमदाग थाना क्षेत्र के नावाडीह निवासी चिरंजीवी ओझा पर है।

कार्यक्रम 27 नवंबर को हजारीबाग में सजेगी साहित्य और साधना की महफिल

साहित्यकारों व पत्रकारों को मिलेगा सम्मान

संवाददाता



हजारीबाग। शहर के डीवीसी सभागार में 27 नवंबर 2026 को साहित्य और पत्रकारिता का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। स्वर्गीय त्रिवेणीकान्त ठाकुर की पुण्यतिथि के अवसर पर त्रिवेणीकान्त ठाकुर मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वावधान में दोपहर दो बजे से साहित्य एवं पत्रकारिता सम्मान समारोह-2026 का आयोजन होगा। वर्ष 2016 से लगातार आयोजित हो रहे इस सम्मान समारोह ने भारतीय भाषाओं और पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

समारोह के मुख्य अतिथि मारखम कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गजेंद्र सिंह होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि रतन वर्मा करेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में विनोबा भावे विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. शिवगीत सिंह 'शिवगीत' उपस्थित रहेंगे।

ट्रस्ट के सचिव राकेश ठाकुर और संयोजक हितनाथ झा ने संयुक्त रूप से सम्मानित होने वाली विभूतियों के नामों की घोषणा की है। हिन्दी के चर्चित कवि एवं आलोचक गणेश चन्द्र राही को साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। वह 1990 के दशक से साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं में सक्रिय हैं तथा कविता, आलोचना, समीक्षा और साक्षात्कार लेखन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। गीतकार, कवि एवं समालोचक शिव कुमार झा 'टिल्लू' को भी सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने पांच हजार से अधिक गीतों की रचना की है, जिनमें एक हजार से अधिक गीतों की रिकॉर्डिंग हो चुकी है। मैथिली समालोचना और क्षणप्रभा जैसी कृतियों के साथ विभिन्न पत्रिकाओं के संपादन में भी उनका योगदान रहा है। पत्रकारिता के क्षेत्र में जनपक्षीय और बेबाक लेखन के लिए वरिष्ठ पत्रकार उमेश प्रताप को सम्मान प्रदान किया जाएगा। उन्होंने झारखंड आंदोलन के इतिहास, संघर्ष, आदिवासी-मूलवासी अस्मिता, जल-जंगल-जमीन और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। वहीं, नवोदित साहित्यकार सम्मान युवा लेखक अनंत ज्ञान को दिया जाएगा। हिन्दी, अंग्रेजी और खोरठा भाषाओं में लेखन करने वाले अनंत ज्ञान की बाल साहित्य से जुड़ी कृतियां 'फूल से सुंदर बच्चे' और 'बच्चा पार्टी जिंदाबाद' चर्चित रही हैं।

समारोह में प्रतिभा-प्रोत्साहन पुरस्कार हजारीबाग के मो. अनीश रजा को एसकेवी स्कूल की ओर से प्रदान किया जाएगा। सभी पुरस्कारों के लिए चयन प्रक्रिया ट्रस्ट के नियमानुसार गठित निर्णायक मंडल के माध्यम से पूरी की गई है। ट्रस्ट के सचिव राकेश ठाकुर, संयोजक हितनाथ झा और कोषाध्यक्ष सीता देवी ने सभी सम्मानित होने वाली विभूतियों को शुभकामनाएं देते हुए चयन मंडल के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

रांची कैपिटल की तूफानी बल्लेबाजी से गिरिडीह जॉइंट्स पस्त, 9 ओवर में लक्ष्य हासिल कर फाइनल में बनाई जगह

संवाददाता



हजारीबाग। शहर के संजय सिंह स्टेडियम (वेल्स ग्राउंड) में आयोजित मेयर लीग टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 के रोमांचक मुकाबले में रांची कैपिटल ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी और शानदार गेंदबाजी के दम पर गिरिडीह जॉइंट्स को सात विकेट से करारी शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मंगलवार की रात खेले गए डे-नाइट मुकाबले में रांची की टीम ने महज नौ ओवर में 106 रन का लक्ष्य हासिल कर अपनी ताकत का शानदार प्रदर्शन किया। फ्लडलाइट की रोशनी में खेले गए इस मुकाबले का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे। टॉस जीतकर रांची कैपिटल ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी गिरिडीह जॉइंट्स की टीम रांची के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और पूरी टीम 106 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी रांची कैपिटल ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। बल्लेबाजों ने चौके-छक्कों की बरसात करते हुए गिरिडीह के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। रांची ने महज नौ ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और सात विकेट से शानदार जीत दर्ज करते हुए फाइनल का टिकट कटाया। बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले युवराज को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुकाबले के दौरान महापौर अरविंद राणा ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने और हजारीबाग का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 26 नवंबर 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

विधिक जागरूकता शिविर में लोगों को बताए गए कानूनी अधिकार



मेहरमा। प्रखंड के कसबा पंचायत सचिवालय में बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इसमें ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं और निःशुल्क कानूनी सहायता की जानकारी दी गई। शिविर का उद्देश्य लोगों को कानूनी रूप से जागरूक करना तथा अंधविश्वास, अशिक्षा और सामाजिक कुरीतियों से बचने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में एलआरडीसी रितेश कुमार ने पॉक्सो अधिनियम, बाल विवाह, डायन प्रथा और जमीन संबंधी विवादों सहित विभिन्न कानूनी विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कानूनी जानकारी के अभाव में लोग छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर लंबे समय तक परेशान रहते हैं। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी कानूनी समस्या में घबराने की जरूरत नहीं है। गरीब और असहाय व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं भी रखीं। संबंधित अधिकारियों ने उनके समाधान का प्रयास किया। मौके पर मुखिया अश्विनी कुमार मिश्र, ग्राम प्रधान राकेश रंजन, पंचायत सचिव किशोर कुमार झा, रोजगार सेवक मोहम्मद रागीव, अशोक कुमार मिश्र, उपेंद्र रविदास, विवेकानंद झा, संतोष मिश्र, नितेश कुमार दास, गुल्फराज हसन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

28 नवंबर से शुरू होंगी अंतरमहाविद्यालयीय खेल प्रतियोगिताएं, सात खेलों में प्रतिभा दिखाएंगे खिलाड़ी



दुमका। सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नवंबर और दिसंबर 2026 में अंतरमहाविद्यालयीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय की खेल समिति की बैठक में प्रतियोगिताओं के आयोजन की तिथियां निर्धारित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन करेंगे। बैठक में कुलपति प्रो० डॉ० कुनुल कांदिर, खेल निदेशक डॉ० शम्स तबरेज खान, कुलसचिव डॉ० अब्दुस सत्तार, वित्त पदाधिकारी डॉ० संजीव सिन्हा, प्रॉक्टर डॉ० राजीव रंजन, दुमका ओलंपिक संघ के सचिव वरुण यादव, दुमका क्रिकेट संघ के सचिव कुणाल झा, फुटबॉल संघ के सचिव एवं सेंट जेवियर्स कॉलेज (स्वायत्त), महरो के खेल समन्वयक फरीद खान, बैडमिंटन संघ के सह-सचिव अकबर अंसारी, डॉ० देवाशीष मंडल और अमित मुर्मू सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 28 और 29 नवंबर को एथलेटिक्स, 30 नवंबर से 2 दिसंबर तक फुटबॉल, 6 दिसंबर को बैडमिंटन, कुश्ती, कराटे और बास्केटबॉल तथा 11 और 12 दिसंबर को क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित होगी। बैठक में प्रतियोगिताओं के सफल और अनुशासित आयोजन को लेकर सदस्यों ने सुझाव दिए। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा के साथ खेलकूद में उत्कृष्टता हासिल करना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। उन्होंने खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर और प्रोत्साहन देने पर जोर दिया।

साहिबगंज में आज एयर रेड और ब्लैक आउट की मॉक ड्रिल, शाम 4:30 से 6:30 बजे तक होगा अभ्यास

साहिबगंज। नागरिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में जिला प्रशासन की तैयारियों को परखने के लिए गुरुवार को साहिबगंज जिले में सिविल डिफेंस एयर रेड और ब्लैक आउट की दूसरी मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखंड सरकार के निर्देश पर यह अभ्यास अपराह्न 4:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक चलेगा। मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य किसी संभावित आपातकालीन परिस्थिति में प्रशासन, पुलिस, नागरिक सुरक्षा दल, स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया तथा बचाव एवं राहत कार्यों की तैयारियों का आकलन करना है। इसके तहत आपातकालीन चेतावनी और संकेत, ब्लैक आउट अभ्यास, सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने, बचाव एवं राहत कार्यों तथा चिकित्सा व्यवस्था की तैयारियों को परखा जाएगा। जिला प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि मॉक ड्रिल के दौरान सायरन या चेतावनी संकेत सुनाई देने पर घबराएं नहीं, बल्कि शांत और सतर्क रहें। प्रशासन एवं मौके पर मौजूद अधिकृत अधिकारियों के निदेर्शों का पालन करें। ब्लैक आउट का संकेत मिलने पर निदेर्शानुसार घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों की अनावश्यक बाहरी रोशनी बंद रखें। सुरक्षित स्थानों पर रहें और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें। बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने में सहयोग करें। बचाव दलों और आपातकालीन सेवाओं के लिए रास्ता खाली रखें। प्रशासन ने अफवाहों और अपुष्ट सूचनाओं को प्रसारित नहीं करने की भी अपील की है।

फसल बीमा योजना की समीक्षा में डीसी सख्त, पात्र किसानों को शत-प्रतिशत लाभ देने का निर्देश

संवाददाता



देवघर। बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ - 2026 के सफल क्रियान्वयन और पात्र किसानों को योजना का लाभ सुनिश्चित कराने को लेकर बुधवार को समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में फसल बीमा आवेदनों की प्रगति, बीमित क्षेत्रफल और अस्वीकृत आवेदनों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में बीमा कंपनी के जिला प्रतिनिधि ने जिले में प्राप्त फसल बीमा आवेदनों और बीमित क्षेत्रफल से संबंधित अद्यतन जानकारी प्रस्तुत की। इस दौरान आवेदनों में पाई गई तकनीकी त्रुटियों और उनके अस्वीकृत होने के कारणों पर चर्चा की गई।

विशेष रूप से भूमि अभिलेख और वास्तविक रकबे में अंतर से जुड़े मामलों को गंभीरता से लिया गया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों और बीमा एजेंसी को निर्देश दिया कि ऐसे सभी आवेदनों की प्रखंड एवं पंचायतवार सूची तत्काल उपलब्ध कराई जाए, ताकि वास्तविक स्थिति की जांच कर पात्र किसानों को योजना का लाभ दिलाया जा सके। उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारी को सूची के आधार पर त्वरित सत्यापन कर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत जांच प्रतिवेदन सौंपने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि किसी भी पात्र किसान का आवेदन अनावश्यक रूप से अस्वीकृत नहीं होना चाहिए। तकनीकी त्रुटियों के कारण किसान सरकारी योजना के लाभ से वंचित न रहें। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि फसल बीमा योजना किसानों को प्राकृतिक और अन्य फसल संबंधी जोखिमों से आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की महत्वपूर्ण पहल है। बैठक में उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, जिला कृषि पदाधिकारी, नाबार्ड के अधिकारी, एलडीएम, डीपीओ, संबंधित विभागों के पदाधिकारी और बीमा कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

गांव की परंपरा के रखवालों को जिला प्रशासन ने किया सम्मानित



संवाददाता

गोड्डा। झारखंड की पारंपरिक ग्राम व्यवस्था और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले परगणैत, ग्राम प्रधान, जोगमांझी एवं डाकुआ को जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित किया गया। झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार को डीआरडीए सभागार में जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी वैद्यनाथ उरांव ने पारंपरिक पदाधिकारियों को पुष्पगुच्छ और उपहार भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान झारखंड की पारंपरिक ग्राम व्यवस्था की सामाजिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि झारखंड की पहचान यहां की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, रीति-रिवाज और सामुदायिक परंपराओं से जुड़ी हुई है। गांवों में परगणैत, ग्राम प्रधान, जोगमांझी और डाकुआ की भूमिका केवल पारंपरिक व्यवस्था के संचालन तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सामाजिक समरसता बनाए रखने और सामुदायिक एकजुटता को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

सड़क सुरक्षा मेले में दो सौ से अधिक चालकों ने निकाली जागरूकता रैली

संवाददाता



पाकुड़। झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा के अवसर पर जिला परिवहन कार्यालय की ओर से मंगलवार को बाजार समिति मैदान में एकदिवसीय सड़क सुरक्षा मेला सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य आम लोगों, विशेषकर युवाओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए जनभागीदारी बढ़ाना था। कार्यक्रम के तहत 200 से अधिक दोपहिया वाहन चालकों ने हेलमेट पहनकर जागरूकता रैली निकाली। रैली नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए लोगों को हेलमेट पहनने, यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित वाहन परिचालन का संदेश देती रही। इसमें उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, मोटरयान निरीक्षक और यातायात प्रभारी सहित अन्य अधिकारियों ने भी भाग लिया। इस दौरान हिट एंड रन सड़क दुर्घटना के दो पात्र पीड़ितों को कुल दो लाख रुपये की सहायता राशि के चेक प्रदान किए गए।

वहीं, विशेष शिविर में आवेदन करने वाले लगभग 35 लोगों को लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस और हेलमेट वितरित किए गए।
मेले में दोपहिया, तिपहिया और इलेक्ट्रिक वाहनों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसमें हीरो, होंडा, यामाहा, बजाज, रॉयल एनफील्ड, टीवीएस और महिंद्रा सहित विभिन्न कंपनियों ने भाग लिया। परिवहन विभाग के जागरूकता स्टॉल पर ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन निबंधन, सरकारी योजनाओं और सड़क दुर्घटना पीड़ितों को मिलने वाली सहायता की जानकारी दी गई। करीब 35 से 40 टोटो चालकों को निर्धारित पोशाक पहनने और वाहन चलाते समय आवश्यक दस्तावेज रखने के प्रति जागरूक किया गया। अधिकारियों ने हेलमेट, सीट बेल्ट के उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने की अपील की। इस अवसर पर जागरूकता रथ को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो अगले दो दिनों तक जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करेगा।

फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज में बढ़ेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं, 800 बेड का होगा अस्पताल

पांच सौ बेड के नवनिर्मित अस्पताल का अपर मुख्य सचिव ने किया निरीक्षण

संवाददाता



दुमका। फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल को संताल परगना के प्रमुख चिकित्सा केंद्र के रूप में विकसित करने की तैयारी तेज कर दी गई है। इसके तहत नए 500 बेड के अस्पताल और वर्तमान 300 बेड के सदर अस्पताल को एकीकृत कर कुल 800 बेड की चिकित्सा व्यवस्था शुरू की जाएगी। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की सीटें बढ़ाने और स्नातकोत्तर (पीजी) की पढ़ाई शुरू करने की भी योजना है। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव सह विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह ने बुधवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित 500 बेड के अस्पताल के विभिन्न हिस्सों, भवन की गुणवत्ता और आधारभूत संरचनाओं का जायजा लिया। उन्होंने लेक्चर थिएटर का भी निरीक्षण किया। यहां निर्धारित 120 सीटों के स्थान पर केवल 112 सीटें पाई गईं। इसके अलावा कुछ तकनीकी और संरचनात्मक कमियां भी सामने आईं। अपर मुख्य सचिव ने संबंधित निर्माण एजेंसी को सभी कमियां एक महीने के भीतर दूर करने का निर्देश दिया।

भवन की गुणवत्ता और डिजाइन की विस्तृत जांच के लिए उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में विशेष टीम गठित करने को कहा गया है। टीम भवन के प्रत्येक कमरे, संरचना और उपलब्ध सुविधाओं की जांच कर रिपोर्ट सौंपेगी। निर्माण कार्य से जुड़े परामर्शदाता की भूमिका की भी समीक्षा की जाएगी। उन्होंने बताया कि दोनों अस्पतालों का संचालन मेडिकल कॉलेज के माध्यम से एकीकृत रूप से होगा। इसके लिए चिकित्सकों, व्याख्याताओं और अन्य शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। वर्तमान में मेडिकल कॉलेज का परिसर लगभग 25 एकड़ में फैला है। इसे बढ़ाकर 100 एकड़ से अधिक करने की योजना है। इसके लिए जिला प्रशासन भूमि उपलब्ध करा चुका है। मेडिकल शिक्षा के विस्तार के तहत अगले तीन वर्षों में एमबीबीएस की सीटें 100 से बढ़ाकर 200 करने का लक्ष्य है। वहीं, अगले वर्ष से पीजी की पढ़ाई शुरू करने की योजना है।

गोविंदपुर चेकपोस्ट पर पुलिस ने चलाया सघन वाहन जांच अभियान

संवाददाता



मेहरमा। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से बुधवार को गोड्डा-पीरपैंती मुख्य सड़क स्थित गोविंदपुर चेकपोस्ट पर पुलिस ने सघन वाहन जांच अभियान चलाया। मेहरमा थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान दोपहिया, चारपहिया सहित चेकपोस्ट से गुजरने वाले विभिन्न वाहनों की जांच की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने वाहन चालकों से आवश्यक कागजात, ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य दस्तावेजों की पड़ताल की। दोपहिया वाहन चालकों के हेलमेट तथा चारपहिया वाहन चालकों के सीट बेल्ट के इस्तेमाल की भी जांच की गई। इस दौरान थाना प्रभारी ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी।

उन्होंने कहा कि सड़क पर वाहन चलाते समय यातायात नियमों की अनदेखी करना दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनता है। प्रत्येक वाहन चालक को अपनी सुरक्षा के साथ-साथ सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना चाहिए। हेलमेट और सीट बेल्ट का इस्तेमाल अनिवार्य रूप से करना चाहिए। थाना प्रभारी ने चेतावनी दी कि बिना हेलमेट, बिना आवश्यक कागजात और नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन करने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है तथा जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

नौ से 23 दिसंबर तक चलेगा घर-घर कुष्ठ रोगी खोज अभियान, सभी घरों की होगी जांच

संवाददाता



देवघर। जिले में कुष्ठ रोग की समय पर पहचान और प्रभावित लोगों को उचित उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 09 से 23 दिसंबर तक प्रथम चक्र का कुष्ठ रोगी खोज अभियान चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों और सफल संचालन को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक हुई। बैठक में उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने का निर्देश दिया। बताया गया कि अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें जिले के प्रत्येक घर तक पहुंचकर संभावित कुष्ठ रोगियों की पहचान करेंगी। इसके लिए विशेष जांच दल गठित किए गए हैं। प्रत्येक दल में एक पुरुष और एक महिला सदस्य शामिल रहेंगे, ताकि महिला और पुरुष दोनों की सहजता से जांच की जा सके। अभियान की निगरानी के लिए पर्यवेक्षकों की भी प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी प्रखंडों की सहियाओं को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि 23 दिसंबर तक जिले के शत-प्रतिशत घरों में जांच सुनिश्चित की जाए। कोई भी संभावित मरीज जांच से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के साथ शिक्षा, समाज कल्याण, कल्याण, पंचायती राज तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को भी सक्रिय भूमिका निभाने को कहा। उपायुक्त ने लोगों से अपील की कि शरीर पर हल्के रंग के ऐसे दाग-धब्बे, जिनमें सुन्नपन महसूस हो, या हाथ-पैर में झनझनाहट जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। उन्होंने कहा कि समय पर पहचान और नियमित दवा से कुष्ठ रोग पूरी तरह ठीक हो सकता है।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की कमेटी का विस्तार, सुधांशु कुमार बने अध्यक्ष



संवाददाता

मेहरमा। झारखंड आंदोलनकारियों के संगठन को मजबूत करने और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से बुधवार को स्थानीय मेला मैदान में झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मोर्चा के अध्यक्ष डॉ० चंद्रिका प्रसाद राम ने की। इस दौरान संगठन का विस्तार करते हुए नई कमेटी का गठन किया गया। बैठक में उपस्थित आंदोलनकारियों ने सर्वसम्मति से सुधांशु कुमार को अध्यक्ष, मनोज कुमार मंडल को सचिव तथा शंभू कुमार सिंह को कोषाध्यक्ष घोषित किया। वहीं, संतोष मरांडी को उपाध्यक्ष, चंद्रदीप तांती को संगठन मंत्री और पंकज कुमार साह को उपसचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में हवा हेंब्रम, सोहराय टुडू, सदानंद साह, मरांगमय हंसदा, चांदनी देवी, तालामय टुडू, उषा देवी, बलिराम हेंब्रम और संझली मुर्मू का चयन किया गया। नई कमेटी के गठन के बाद उपस्थित सदस्यों ने संगठन की भावी गतिविधियों और आंदोलनकारियों की समस्याओं को लेकर भी विचार-विमर्श किया। बैठक में प्रखंड सचिव रामविलास कुजूर, उपसचिव दिलीप कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष पंकज दास तथा संगठन मंत्री चंदन कुमार राणा मुख्य रूप से उपस्थित थे।

प्रधान-परगनैत की भूमिका ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण : अरविंद कुमार लाल

संवाददाता



पाकुड़। झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़े के तहत मंगलवार को समाहरणालय स्थित सभागार में प्रधान एवं परगनैत के लिए जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रधान और परगनैत को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अरविंद कुमार लाल ने कहा कि जिले के सर्वांगीण विकास और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन में पारंपरिक ग्राम नेतृत्व की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में प्रधान एवं परगनैत की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। ग्रामीणों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने और उनके समाधान में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों पर रोक लगाने के लिए समाज में जागरूकता फैलाने तथा सामूहिक प्रयास करने की अपील की। कार्यक्रम में जिले की खेल प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ की ओर से झारखंड अंडर-15 बालिका क्रिकेट शिविर के लिए चयनित पाकुड़ जिले की अनुसूचित जनजाति समुदाय की दो खिलाड़ी सृष्टि हांसदा और रेवेका मुर्मू को जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित किया गया।

उप विकास आयुक्त ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उनकी सफलता से अन्य बेटियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। समारोह के माध्यम से पारंपरिक ग्राम नेतृत्व को सम्मान देने, ग्रामीण विकास में जनभागीदारी बढ़ाने और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया। मौके पर अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी सहित कई विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सांसद विजय हांसदा ने किया सिदो-कान्हू मेले का उद्घाटन, खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

पाडेरकोला में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में शामिल हुए सांसद, ग्रामीणों से किया जनसंवाद

संवाददाता



पाकुड़। जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड अंतर्गत पाडेरकोला में बुधवार को आयोजित सिदो-कान्हू मेले का उद्घाटन राजमहल के सांसद विजय कुमार हांसदा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने मेले में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि सिदो-कान्हू जैसे महान आदिवासी क्रांतिकारियों की विरासत झारखंड की पहचान और गौरव है। ऐसे मेलों के आयोजन से आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद मिलती है। साथ ही, इस तरह के आयोजन सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है उन्हें उचित मंच और प्रोत्साहन देने की।

फुटबॉल जैसे खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। ऐसे आयोजनों से स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मेले के दौरान सांसद ने स्थानीय ग्रामीणों से जनसंवाद भी किया। इस दौरान लोगों ने अपनी समस्याओं और क्षेत्र की आवश्यकताओं से उन्हें अवगत कराया। सांसद ने ग्रामीणों की बातों को गंभीरता से सुना और समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 26 नवंबर 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रस्तावित आगमन को लेकर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात



बरवाडीह। मनिका विधानसभा क्षेत्र के विधायक सह झारखंड विधानसभा सभापति रामचंद्र सिंह के पुत्र विजय बहादुर सिंह के शादी समारोह में आज झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।कार्यक्रम स्थल के आसपास चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल और दंडाधिकारियों की तैनाती की गई है, ताकि विधि-व्यवस्था बनाए रखने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।मंगरा स्थित आवास के निकट मुख्य पक्की सड़क से कार्यक्रम स्थल तक जाने वाले दो मार्गों पर स्थित पुलिया (गाटर) के पास विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था की गई है। दोनों मार्गों पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी सह मनिका अंचल निरीक्षक सुरेश राम तथा बरवाडीह थाना के सहायक अवर निरीक्षक त्रिलोचन बेदिया पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभालते नजर आए।मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कार्यक्रम स्थल तक आने-जाने वाले रास्तों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती कर सुरक्षा और विधि-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निगरानी रखी जा रही है।

बिना हेलमेट पकड़े गए वाहन चालकों को किया गया जागरूक

गढ़वा। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत बुधवार को जिला परिवहन कार्यालय, गढ़वा की ओर से परिवहन दरबार का आयोजन कर बिना हेलमेट वाहन चलाते पकड़े गए चालकों को जागरूक किया गया। इस दौरान उन्हें हेलमेट के महत्व और यातायात नियमों के पालन की जानकारी देते हुए सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार बनने की अपील की गई। अभियान के दौरान चालकों को बताया गया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग अनिवार्य है। हेलमेट दुर्घटना की स्थिति में सिर में गंभीर चोट से बचाव का महत्वपूर्ण साधन है। उन्हें यातायात नियमों की अनदेखी से होने वाले संभावित खतरों के प्रति भी सचेत किया गया। मौके पर वाहन चालकों के बीच सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूकता सामग्री वितरित की गई। साथ ही भविष्य में बिना हेलमेट वाहन नहीं चलाने और दूसरों को भी यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करने की अपील की गई। सड़क सुरक्षा का संदेश देते हुए चालकों से अपील की गई कि हेलमेट पहनकर ही दोपहिया वाहन चलाएं, क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही जीवन पर भारी पड़ सकती है।

आईसीएल पलामू जिला उपाध्यक्ष प्रिन्स पाण्डेय ने चुनाव लड़ने का किया घोषणा



तरहसी। प्रखंड के तरहसी पंचायत में आईसीएल पलामू जिला उपाध्यक्ष प्रिन्स पाण्डेय जी के आवास पर तरहसी पंचायत के सभी गार्जियन और सभी सहयोगी गण उपस्थित रहे और कांग्रेस पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह पांकी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रत्याशी रूद्र शुक्ला जी भी उपस्थित रहे तरहसी पंचायत के जनता का एक ही निर्णय रहा की विगत 20 वर्षों से तरहसी पंचायत में विकास कोसों दूर है इसके लिए तरहसी पंचायत के विकास के लिए प्रिंस पाण्डेय को तरहसी पंचायत में पंचायत का चुनाव लड़ना चाहिए सभी सहयोगी और सभी जनता के बिच मे प्रिन्स पाण्डेय ने ये स्पष्ट कराया की अगर तरहसी पंचायत की जनता अगर चाहती है तो मैं चुनाव लड़ूंगा।

कल्पवृक्ष धाम पर आस्था का अद्भुत जनसैलाब उमड़ पड़ा

पलामू। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर हरिहरगंज से सटे कुसुमपुर स्थित कल्पवृक्ष धाम पर आस्था का अद्भुत जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस भव्य मेले का विधिवत उद्घाटन दिलीप सिंह द्वारा किया गया, जिसके बाद आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस पावन धाम की अपनी एक अनूठी परंपरा है—यहाँ आने वाले श्रद्धालु विशेष रूप से पवित्र 'सुथनी' खरीदते हैं, उसका सेवन करते हैं और प्रसाद स्वरूप अपने घर भी ले जाते हैं। मान्यता है कि कल्पवृक्ष की परिक्रमा करने और सच्चे मन से प्रार्थना करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कदूर-दराज से आए भक्तों ने पूजा-पाठ किया। इस पूरे आयोजन की भव्यता और कवरेज के लिए सिटी न्यूज के ब्यूरो प्रमुख मनोज कुमार गुप्ता ने मौके पर पहुँचकर मेले का निरीक्षण किया और लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से इसकी झलकियां दर्शकों तक पहुँचाईं। अभूतपूर्व भीड़ के बावजूद, जिला प्रशासन और स्थानीय संयोजकों की सतर्कता व सहयोग से यह विशाल मेला पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया।

सड़क हादसा में इंजीनियरिंग के छात्र की मौत

मेदिनीनगर । मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के जोड़ गांव स्थित फोरमैन सड़क पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान पाटन थाना क्षेत्र के छोटकी पाल्हे गांव निवासी पूर्व सैनिक बृजेश शुक्ला के पुत्र खुशिदल शुक्ला के रूप में हुई है। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी सूचना सदर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के ग्रामीणों की मदद से दुर्घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया। युवक की मौत की खबर फैलते ही शहर में शोक की लहर दौड़ गई। मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में परिजनों, रिश्तेदारों और परिचितों की भारी भीड़ जुट गई।

पुलिस अधीक्षक पलामू के निर्देशानुसार पलामू पुलिस की बड़ी सफलता

79 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद

संवाददाता



पलामू । पुलिस अधीक्षक, पलामू के निर्देशानुसार एवं पुलिस मुख्यालय के आदेश के आलोक में गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आज दिनांक 25.11.2026 को जिला अंतर्गत थाना स्तर पर कुल 79 बरामद मोबाईल फोन उनके सत्यापित वास्तविक धारकों को सुपुर्द किए गए। पुलिस मुख्यालय के निदेर्शानुसार सी0ई0आई0आर0 पोर्टल का उपयोग करते हुए गुम हुए मोबाईल फोनों की खोज की गई। तकनीकी विश्लेषण एवं लगातार किए गए प्रयासों के फलस्वरूप अलग-अलग थाना क्षेत्रों से गुम हुए मोबाइल फोन को बरामद किया गया। बरामद किए गए अधिकांश मोबाइल विगत दो माह के दौरान गुम हुए थे, जबकि कुछ मोबाइल उससे पूर्व गुम हुए थे। सभी मोबाइलों के वास्तविक स्वामियों का सत्यापन करने के उपरांत उन्हें विधिवत वापस किया गया। मोबाइल फोन वापस मिलने पर वास्तविक धारकों ने पलामू पुलिस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए पुलिस की इस पहल की सराहना की। इस कार्रवाई से आम नागरिकों में पुलिस के प्रति विश्वास को और मजबूती मिली है।

थानावार बरामद मोबाइल फोन की विवरणी :-

छतरपुर थाना 22 शहर थाना 12 सदर थाना 10 सतबरवा थाना 05 चैनपुर थाना 04 नावाजयपुर थाना 04 लेस्लीगंज थाना 03 पिपरा थाना 03 नौडीहा बाजार थाना 03 हैदरनगर थाना 03 पाटन थाना 03 रेहला थाना 02 मोहम्मदगंज थाना 01 मनातू थाना 01 तरहसी थाना 01 रामगढ़ थाना 01 पड़वा थाना 01 कुल बरामद मोबाइल फोन 79

पलामू पुलिस की अपील : पलामू पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि मोबाइल फोन गुम अथवा चोरी होने की स्थिति में तत्काल नजदीकी थाना को सूचित करें तथा उएक्ष पोर्टल के माध्यम से मोबाइल को ब्लॉक एवं ट्रेस कराने की प्रक्रिया पूरी करें। साथ ही मोबाइल का नंबर, खरीदारी का बिल एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज सुरक्षित रखें।

दरियापुर में कई हफ्तों से विद्यालय बंद, पढ़ाई ठप होने पर जलावन ढो रहे बच्चे



संवाददाता

पांकी । प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय दरियापुर में पिछले कई हफ्तों से ताले लटके हुए हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप हो गई है. विद्यालय अवधि में स्कूल बंद रहने के कारण बच्चे किताब-कॉपी के बजाय सिर पर जलावन की लकड़ियां ढोने को मजबूर हैं.

स्कूल में ताले, बच्चों के सिर पर जलावन का बोझ मौके से मिली तस्वीरों के अनुसार, 25 नवंबर 2026 को दोपहर के समय उत्क्रमित मध्य विद्यालय दरियापुर के कमरों के शटर और दरवाजों पर ताले लटके मिले. एक अन्य तस्वीर में बच्चे खेतों और पगडंडी के रास्ते सिर पर सूखी लकड़ियों के गट्ठर उठाए नजर आ रहे हैं. ग्रामीणों और स्थानीय स्तर पर सामने आई जानकारी के मुताबिक, लंबे समय से शिक्षण कार्य बाधित होने के चलते बच्चों को यह दिन देखना पड़ रहा है। एकल शिक्षक अवकाश पर, वैकल्पिक व्यवस्था नहीं

इस संबंध में विद्यालय के प्रधानाध्यापक इनामुल अंसारी ने बताया कि उनके पिता का देहांत हो गया है, जिसके कारण वे लंबे समय से छुट्टी पर हैं और इसकी सूचना व अवकाश आवेदन विभाग को पहले ही दे चुके हैं।

हालांकि, यह स्थिति सामने आने के बाद विभागीय समन्वय और व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। यदि विद्यालय में एकल शिक्षक कार्यरत हैं और वे अवकाश पर गए हैं, तो वैकल्पिक रूप से दूसरे शिक्षक की प्रतिनियुक्ति किए बिना विद्यालय को सीधे बंद छोड़ देना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही को दशार्ता है।

कांडी भाजपा कार्यालय में प्रदेश मंत्री राणा ऋषिकेश सिंह को अंगवस्त्र देकर भाजपा कार्यकर्ता ने किया सम्मानित

संवाददाता



कांडी । भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के झारखंड प्रदेश मंत्री बनाए जाने के बाद कांडी प्रखंड के बेलहथ निवासी राणा ऋषिकेश सिंह बुधवार को पहली बार अपने गृह क्षेत्र कांडी पहुंचे। उनके आगमन पर कांडी स्थित भाजपा कार्यालय में पार्टी कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान अंगवस्त्र देकर उन्हें सम्मानित किया गया। प्रदेश संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर कार्यकताओं ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी।

इस मौके पर राणा ऋषिकेश सिंह ने कहा कि संगठन ने जिस विश्वास के साथ उन्हें प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। किसानों की समस्याओं को प्रदेश स्तर पर प्रमुखता से उठाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, लेकिन झारखंड में किसानों को उनकी जरूरत के अनुरूप सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

उन्होंने झारखंड सरकार पर किसानों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को आर्थिक सहायता दे रही है, लेकिन राज्य सरकार किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) का लाभ दिलाने में अपेक्षित पहल नहीं कर रही है। जिन किसानों ने पहले से केसीसी के माध्यम से ऋण लिया है, उनका कर्ज माफ करने का वादा भी राज्य सरकार ने किया था, लेकिन अब तक किसानों को इसका लाभ नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि सरकार की घोषणाओं और जमीनी हकीकत में काफी अंतर दिखाई दे रहा है।

राणा ऋषिकेश सिंह ने कांडी प्रखंड क्षेत्र में अकवन साइक्लोन के कारण किसानों की फसलों को हुए नुकसान का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा और प्रतिकूल मौसम की मार झेल रहे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। पहले से ही खेती की लागत और आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे किसानों को फसल क्षति ने और मुश्किल में डाल दिया है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि अकवन साइक्लोन से प्रभावित किसानों की फसलों को हुए नुकसान का शीघ्र आकलन कराया जाए और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की घोषणा जल्द से जल्द की जाए।

कांडी प्रखंड मुख्यालय में आयोजित रबी कार्यशाला में किसानों को दी गई आधुनिक तकनीक की जानकारी

संवाददाता



कांडी । झारखंड स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की ओर से बुधवार को कांडी प्रखंड मुख्यालय में प्रखंड स्तरीय रबी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें प्रखंड क्षेत्र के किसानों को रबी मौसम में विभिन्न फसलों की खेती की तैयारी, उन्नत कृषि तकनीक, फसल प्रबंधन, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा कृषि विभाग की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला में किसानों को पारंपरिक खेती के साथ वैज्ञानिक पद्धति अपनाने की सलाह दी गई, ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। कार्यशाला में बताया गया कि रबी फसलों की बेहतर पैदावार के लिए समय पर बुआई, गुणवत्तापूर्ण बीज का चयन, खेत की उचित तैयारी और मिट्टी की प्रकृति के अनुसार खाद एवं उर्वरकों का इस्तेमाल आवश्यक है। गेहूं, चना, मसूर, मटर और सरसों जैसी प्रमुख फसलों की खेती में वैज्ञानिक तकनीक अपनाने से उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। किसानों को मिट्टी की जांच कराने तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर उर्वरकों का संतुलित प्रयोग करने की सलाह दी गई। साथ ही जैविक खाद के उपयोग और खेत की मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने पर जोर दिया गया। बीटीएम ओमप्रकाश साहू ने किसानों को बीज उपचार, सिंचाई प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण तथा फसलों को रोग एवं कीटों से बचाने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुआई से पहले बीज का उपचार करने से फसलों को बीज जनित बीमारियों से बचाया जा सकता है। फसल की जरूरत के अनुसार सिंचाई करने से पानी की बचत के साथ बेहतर उत्पादन प्राप्त होता है।

उन्होंने किसानों को बदलते मौसम के अनुरूप खेती की योजना बनाने, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा फसल विविधीकरण अपनाने की भी सलाह दी।

पहुंचाने में बीटीएम और कृषि मित्रों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कहा कि किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ना, उन्हें नई पद्धतियों के प्रति जागरूक करना, प्रशिक्षण देना तथा गांवों में जाकर खेती से जुड़ी समस्याओं की जानकारी लेकर उनका समाधान कराने में कृषि कर्मियों की अहम भूमिका है। किसानों को उन्नत बीज, फसल प्रबंधन और कृषि संबंधी तकनीकी समस्याओं पर विभागीय मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की बात भी कही गई।

करवा पहाड़ से बरहिया डैम तक सड़क जर्जर, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

संवाददाता

धुरकी (गढ़वा)। धुरकी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गनियारी कला पंचायत के करवा पहाड़ सिवान से बरहिया डैम तक जाने वाली सड़क की स्थिति अत्यंत जर्जर हो गई है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और खराब रास्ते के कारण दैनिए, करी बथान एवं कसिया खांड गांव के ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों में जनप्रतिनिधियों के प्रति भारी आक्रोश देखा जा रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व विधायक ने सड़क निर्माण का भरोसा देकर हमलोगों को ठगने का काम किया। वहीं वर्तमान विधायक भी सड़क निर्माण का आश्वासन देकर हम सभी से वोट ले लिए, लेकिन अब तक सड़क का निर्माण नहीं कराया गया। चुनाव के समय जनप्रतिनिधि बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद ग्रामीणों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जाता है। वहीं गांव की महिलाओं ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा कि सड़क खराब होने के कारण सबसे अधिक कठिनाई गर्भवती महिलाओं और बीमार लोगों को होती है। किसी महिला को प्रसव पीड़ा होने पर डोली-खटोली के सहारे किसी तरह अस्पताल पहुंचाना पड़ता है। कई बार समय पर अस्पताल पहुंचना भी मुश्किल हो जाता है। महिलाओं ने कहा कि अगर सड़क का निर्माण नहीं कराया गया तो हम सभी आगामी चुनाव में वोट का बहिष्कार करेंगे।वहीं ग्रामीण गुलाब हुसैन अंसारी ने कहा कि करवा पहाड़ सिवान से बरहिया डैम तक सड़क की बदहाली वर्षों से ग्रामीणों के लिए गंभीर समस्या बनी हुई है। इस मार्ग से कई गांवों के लोग आवागमन करते हैं। सड़क नहीं बनने से शिक्षा, स्वास्थ्य और दैनिक जरूरतों पर भी असर पड़ रहा है।

कार्तिक पूर्णिमा पर काली मंदिर परिसर में भंडारा, श्रद्धालुओं के बीच बांटा गया महा प्रसाद



संवाददाता

पलामू। प्रखंड मुख्यालय स्थित काली मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ प्रसाद वितरण एवं भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन की पहल सुमित कुमार सिन्हा ने की। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया तथा भंडारे के माध्यम से लोगों को भोजन कराया गया। आयोजन में स्थानीय युवाओं और अन्य सहयोगियों ने उत्साहपूर्वक अपनी भागीदारी निभाई। पूरे कार्यक्रम के दौरान धार्मिक आस्था, सेवा और आपसी सहयोग का भाव देखने को मिला। कार्तिक पूर्णिमा हिंदू धर्म में विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व रखने वाला पर्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु और भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है। इसे देव दीपावली के रूप में भी मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, दीपदान, पूजा-पाठ और दान-पुण्य करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। सेवा, परोपकार और जरूरतमंदों को भोजन कराना भी इस पर्व की धार्मिक भावना से जुड़ा हुआ है।

इस अवसर पर सुमित कुमार सिन्हा ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा जैसे पावन अवसर पर धार्मिक आयोजन के साथ लोगों के बीच प्रसाद और भोजन का वितरण करना आत्मिक संतुष्टि का विषय है। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव, सहयोग और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। उन्होंने आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना को हमेशा प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

मातृशोक में दीपक तिवारी के परिवार से मिले मिथिलेश ठाकुर, सरोज देवी को दी श्रद्धांजलि



संवाददाता

पलामू। झामुमो नेता सह समाजसेवी एवं सेवादार दीपक तिवारी की माता स्वर्गीय सरोज देवी के ब्रह्मभोज कार्यक्रम में राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी गणमान्य हस्तियों का जुटान हुआ। इस अवसर पर झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर समेत झामुमो के कई वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं शहर के प्रबुद्ध लोगों ने कार्यक्रम में शामिल होकर दिवंगत सरोज देवी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। ब्रह्मभोज कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने दिवंगत सरोज देवी के प्रति श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए परिवार के सदस्यों को इस दुख की घड़ी में धैर्य एवं संबल बनाए रखने की बात कही। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय सरोज देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इंडियन रोटी बैंक के संरक्षक सोनू सिंह नामधारी, विश्रामपुर विधानसभा की बुलंद आवाज के रूप में पहचान रखने वाले अभिमन्यु सिंह, राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, छतरपुर जिला परिषद सदस्य सह झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रमंडलीय उपाध्यक्ष अमित जायसवाल तथा सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विजय तिवारी ने पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी और दीपक तिवारी सहित पूरे परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की। इसके अलावा शहर के कई गणमान्य नागरिक, पत्रकार साथी, जुड़े लोग भी ब्रह्मभोज कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम आरके पब्लिक स्कूल में 7वीं विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन, 93 मॉडलों ने मचाई धूम

विज्ञान प्रदर्शनी बच्चों की प्रतिभा, नवाचार को सामने लाने का सशक्त माध्यम है

संवाददाता



श्री बंशीधर नगर। आर.के. पब्लिक स्कूल, अधौरा के प्रांगण में मंगलवार, 24 नवंबर को 7वीं विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने कुल 93 मॉडल प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और कंप्यूटर विभाग के विभिन्न विषयों पर आधारित मॉडल आकर्षण का केंद्र रहे।

प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय के निदेशक अलखनाथ पांडेय ने फीता काटकर किया। उद्घाटन से पूर्व उन्होंने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि विज्ञान प्रदर्शनी बच्चों की प्रतिभा, कल्पनाशक्ति और नवाचार को सामने लाने का सशक्त माध्यम है। आज का छोटा-सा प्रयोग कल बड़े आविष्कार का रूप ले सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने, नए प्रयोग करने और निरंतर प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश पांडेय ने कहा कि विज्ञान प्रदर्शनी से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, तार्किक क्षमता, टीम भावना और आत्मविश्वास का विकास होता है। विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग है। कचरा प्रबंधन, वित्तीय नियोजन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विषयों के माध्यम से विद्यार्थी समाज की समस्याओं के समाधान खोजने का प्रयास कर रहे हैं।

इस वर्ष प्रदर्शनी में कक्षा तीन से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विज्ञान विभाग की ओर से कचरा प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान विभाग की ओर से वित्तीय नियोजन तथा कंप्यूटर विभाग की ओर से कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मुख्य विषय बनाया गया था। जूनियर वर्ग के विद्यार्थियों ने कला एवं शिल्प के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई, जबकि प्री-नर्सरी के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोह लिया।

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने कचरे से उपयोगी वस्तुएं बनाने, पैसों की बचत एवं निवेश, ड्रोन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों सहित कई आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। अभिभावकों एवं दर्शकों ने मॉडलों को देखा और विद्यार्थियों से सवाल पूछे। बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ अपने मॉडलों की कार्यप्रणाली समझाई।

प्रतियोगिता में ए.आई. ड्रोन को प्रथम, वेस्ट मैनेजमेंट क्लीनर को द्वितीय तथा फाइनेंशियल प्लानिंग एंड क्राइसिस को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, मेहनत और रचनात्मकता के लिए मेडल एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में प्रसव के नाम पर 2000 रुपये अवैध वसूली का आरोप

पूर्व प्रत्याशी संदीप सरकार ने सिविल सर्जन से जांच की मांग की

संवाददाता



छतरपुर। छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में प्रसव कराने के नाम पर 2000 रुपये की अवैध वसूली का मामला सामने आया है। मामला सामने आने के बाद छतरपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी संदीप सरकार ने पलामू सिविल सर्जन से तत्काल जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। बताया जा रहा है कि खैरादोहर की सेविका ज्योति कुमारी की देवरानी, रिंकी कुमारी पति अमरेंद्र कुमार रवि को रविवार की रात्रि प्रसव के लिए अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर लाया गया था। आरोप है कि प्रसव के दौरान नारी काटने और जन्म प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर स्वास्थ्य कर्मी दबाव बनाकर परिजनों से रात्रि में फोन पर 500,500 कर के दो ओर सुबह कैश 1000 हजार रुपये की वसूली की गई, स्क्रीनशॉट संलग्न है परिजनों के अनुसार सरकारी अस्पताल में प्रसव पूरी तरह निःशुल्क है, इसके बावजूद उनसे पैसे की मांग की गई। मजबूरी में उन्हें पैसे देने पड़े। इस मामले को लेकर पूर्व प्रत्याशी संदीप सरकार ने कहा कि सरकारी अस्पताल में गरीब मरीजों से इस तरह की अवैध वसूली बेहद शर्मनाक है। उन्होंने पलामू सिविल सर्जन से मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जो भी दोषी हो, उस पर अभिलंब कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी गरीब मरीज को इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि अगर समय रहते इस पर कार्रवाई नहीं हुई तो यह भ्रष्टाचार और बढ़ेगा और गरीब जनता का सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था से भरोसा उठ जाएगा मरीज के द्वारा काफी हंगामा करने के बाद पैसा लौट ने के भी मामला सामने आ रहा है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 26 नवंबर 2026
E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com
Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

रॉयल रेंजर्स और डेंजर्स ने दर्ज की जीत

देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित सचिवालय प्रीमियर लीग-2026 में सचिवालय रॉयल रेंजर्स और सचिवालय डेंजर्स ने जीत के साथ अपने अभियान की शुरूआत की। पहले मुकाबले में रॉयल रेंजर्स ने सचिवालय यूनाइटेड को छह विकेट से हराया, जबकि दूसरे मुकाबले में सचिवालय डेंजर्स ने सचिवालय स्मैशर्स को शिकस्त दी। पहले मुकाबले में टॉस के बाद बल्लेबाजी करने उतरी सचिवालय यूनाइटेड की टीम ने निर्धारित ओवरों में छह विकेट खोकर 172 रन बनाए। टीम की ओर से सचिन बिष्ट ने 46, संतोष पांडे ने 29 और अरविंद दानू ने 20 रन का योगदान दिया। रॉयल रेंजर्स की ओर से अजीत शर्मा और हितेश छेत्री ने दो-दो विकेट हासिल किए। 173 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल रेंजर्स की टीम ने 15.5 ओवर में चार विकेट खोकर 174 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम के ऑलराउंडर अजीत शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 85 रन बनाए, जबकि कप्तान टिकराज ने 26 रन का योगदान दिया। यूनाइटेड की ओर से अंकित नौटियाल, सिद्धार्थ उनियाल और संतोष पांडे ने एक-एक विकेट लिया। ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए अजीत शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मुकाबले में सचिवालय डेंजर्स ने सचिवालय स्मैशर्स को हराया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्मैशर्स की टीम 13 ओवर में 68 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से अशोक ने सर्वाधिक 16 रन बनाए। डेंजर्स की ओर से शीशपाल रावत ने चार और रविंदर ने तीन विकेट लिए। 69 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सचिवालय डेंजर्स की टीम ने सात विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। टीम की ओर से मनोज भट्ट ने 34 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। स्मैशर्स की ओर से नूर मोहम्मद ने तीन विकेट लिए। शानदार गेंदबाजी के लिए शीशपाल रावत को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

10 नेपाली खिलाड़ियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

काठमांडू। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 के खिलाड़ियों की नीलामी (ऑक्शन) के लिए नेपाल के 10 क्रिकेटरों ने अपना नाम रजिस्टर कराया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अनुसार आईपीएल-2027 के ऑक्शन के लिए कुल 18 देशों के 1,220 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें 939 भारतीय और 281 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। भारत के बाद सबसे अधिक 53 खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया से रजिस्ट्रेशन कराया है। एसोसिएट देशों के कुल 42 खिलाड़ियों ने ऑक्शन के लिए अपना नाम दिया है। एसोसिएट देशों में अमेरिका के 13, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात के 10-10, नीदरलैंड के तीन तथा कनाडा, जापान और स्कॉटलैंड के दो-दो खिलाड़ी शामिल हैं। ऑक्शन से पहले ही फ्रेंचाइजी टीमों ने 184 खिलाड़ियों को रिटेन और चयनित कर लिया है। अब नीलामी के जरिए कुल 66 खिलाड़ियों को टीमों में जगह मिलेगी। इनमें 25 स्थान विदेशी खिलाड़ियों के लिए निर्धारित हैं। बीसीसीआई के मुताबिक ऑक्शन की अंतिम सूची में शामिल होने वाले खिलाड़ियों के नामों पर 4 दिसंबर को अंतिम फैसला किया जाएगा। इसके बाद ही यह स्पष्ट होगा कि नेपाल के 10 खिलाड़ियों में से किन्हें आईपीएल- 2027 की नीलामी में शामिल होने का मौका मिलता है।

घुटने की सर्जरी के बाद छह सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे जेवियर बार्टलेट

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट के टेस्ट टीम में जगह बनाने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। बाएं घुटने की सर्जरी कराने के बाद वह करीब छह सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। इस चोट के कारण वह आगामी बिग बैश लीग के शुरूआती मुकाबलों में भी नहीं खेल पाएंगे। बार्टलेट को इस टूर्नामेंट में ब्रिस्बेन हीट की ओर से खेलना है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को उक्त जानकारी दी। बार्टलेट को पिछले सप्ताह होबार्ट में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले के दौरान क्षेत्ररक्षण करते हुए बाएं घुटने में चोट लगी थी। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हार का सामना करना पड़ा था और टीम ने श्रृंखला भी गंवा दी थी। चोट के कारण मैदान छोड़ने के बावजूद बार्टलेट दोबारा गेंदबाजी करने लौटे और तीन ओवर किए। उन्होंने सात ओवर में 66 रन देकर एक विकेट लिया। इसके बाद उन्हें पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया। बाद में उनके घुटने की दूरबीन विधि से सर्जरी की गई। बार्टलेट पहली बार ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में जगह बनाने की दौड़ में शामिल थे। उन्होंने शेफील्ड शील्ड के मौजूदा सत्र की शुरूआत क्वींसलैंड की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए की थी। उन्होंने दो मैचों में 16 विकेट हासिल किए थे। ऑस्ट्रेलिया का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की मेजबानी करनी है और इसके बाद पांच मैचों की श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करना है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया मेलबर्न में इंग्लैंड के खिलाफ क्रिकेट के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर खेले जाने वाले विशेष टेस्ट मुकाबले में हिस्सा लेगा। ऐसे में बार्टलेट की चोट से उनके टेस्ट पदार्पण की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाजों का जलवा, पंत छठे, गिल सातवें और जायसवाल नौवें स्थान पर पहुंचे

गेंदबाजी में बुमराह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंचे

▸▸ वेलिंगटन टेस्ट में शानदार प्रदर्शन का मिला इनाम

एजेंसी

दुबई। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन का असर आईसीसी की ताजा टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग में देखने को मिला है। वेलिंगटन में खेला गया यह मुकाबला ड्रॉ रहा था, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने अपनी बेहतरीन पारियों के दम पर रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। ऋषभ पंत, शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल अब शीर्ष 10 में शामिल हैं। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारतीय बल्लेबाजों में ऋषभ पंत सबसे आगे बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ 128 रन की आकर्षक पारी खेलने वाले पंत एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। कप्तान शुभमन गिल ने 98 रन की पारी के दम पर तीन स्थान की छलांग लगाई और सातवें स्थान पर पहुंच गए। बाएं हाथ के सलामी



बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 85 रन बनाने के बाद

पांच स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर आ गए हैं। इस तरह अब तीन भारतीय बल्लेबाज टेस्ट रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं।

वेलिंगटन में भारत की पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित किए गए स्कोर में सर्वाधिक 136 रन बनाने वाले केएल राहुल को भी फायदा हुआ है। वह चार स्थान ऊपर चढ़कर 25वें नंबर पर पहुंच गए हैं। देवदत्त पडिक्कल ने 80 रन बनाए थे, जिसके बाद उन्हें 15 स्थान का फायदा हुआ और वह 39वें नंबर पर आ गए हैं।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों में प्लेयर ऑफ द मैच हेनरी निकोल्स को सबसे अधिक फायदा हुआ है। उन्होंने नाबाद 175 और 31 रन की पारियां खेलीं, जिसके दम पर वह 10 स्थान ऊपर चढ़कर 30वें नंबर पर पहुंच गए हैं। ग्लेन फिलिप्स ने 118 और नाबाद 26 रन बनाए थे। उन्हें 13 स्थान का फायदा हुआ और वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 17वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बीच पहले टेस्ट तथा पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच दूसरे टेस्ट के बाद जारी ताजा रैंकिंग में बांग्लादेश के बल्लेबाजों को भी फायदा हुआ है। पहली पारी में 137 रन बनाने वाले तौहीद हृदोय 28 स्थान ऊपर चढ़कर 33वें नंबर पर पहुंच गए हैं। लिटन दास ने 120 रन की पारी खेली थी, जिसके बाद वह नौ स्थान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रयान रिकेल्टन करियर की सर्वश्रेष्ठ संयुक्त 15वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं, जबकि मार्क्स एकरमैन 60वें स्थान पर हैं।

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने वेलिंगटन टेस्ट में पांच विकेट लिए थे। इसके दम पर वह तीन स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को भी फायदा हुआ है। जोहान्सबर्ग टेस्ट में आठ विकेट लेकर अपनी टीम को नौ विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले रबाडा दो स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं।

आईपीएल-2027 की नीलामी के लिए 1220 खिलाड़ियों ने कराया पंजीकरण, 66 स्थानों के लिए लगेगी बोली

▸▸ सूची में 939 भारतीय और 281 विदेशी खिलाड़ी शामिल, 25 विदेशी खिलाड़ियों सहित कुल 66 स्थान खाली

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा आईपीएल-2027 की खिलाड़ी नीलामी के लिए कुल 1220 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। इनमें 939 भारतीय और 17 देशों के 281 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। नीलामी से पहले फ्रेंचाइजी ने 184 खिलाड़ियों को अपने साथ बरकरार रखा है या चुना है। ऐसे में नीलामी के दौरान अधिकतम 66 स्थान भरे जाने हैं, जिनमें 25 विदेशी खिलाड़ियों के स्थान शामिल हैं।

पंजीकृत खिलाड़ियों में 184 अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके खिलाड़ी, 994 ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है और 42 खिलाड़ी एसोसिएट देशों से हैं। बिना अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले खिलाड़ियों में 925 भारतीय हैं। इनमें से 127 खिलाड़ी पहले भी आईपीएल के किसी सत्र में खेल चुके हैं।

विदेशी खिलाड़ियों के पंजीकरण में ऑस्ट्रेलिया सबसे आगे है। वहां के 53 खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए नाम दिया है। दक्षिण अफ्रीका के 40, वेस्टइंडीज के 36, न्यूजीलैंड के 25 और अफगानिस्तान के 23 खिलाड़ी सूची में शामिल हैं। एसोसिएट देशों में अमेरिका के 13 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है, जबकि संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल के 10-10 खिलाड़ी नीलामी की दौड़ में हैं।

छह श्रेणियों में बांटे गए खिलाड़ी

नीलामी के लिए पंजीकृत 1220 खिलाड़ियों को छह श्रेणियों में रखा गया है। इनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके 14 भारतीय खिलाड़ी और 170 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। एसोसिएट देशों के 42 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। इसके अलावा, पहले आईपीएल खेल चुके 127 गैर-अंतरराष्ट्रीय भारतीय खिलाड़ी, 798 अन्य गैर-अंतरराष्ट्रीय भारतीय खिलाड़ी और 69 गैर-अंतरराष्ट्रीय विदेशी खिलाड़ी सूची में शामिल हैं।

देश के अनुसार खिलाड़ियों का पंजीकरण

देश के अनुसार देखें, तो भारत के 939 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। ऑस्ट्रेलिया के 53, दक्षिण अफ्रीका के 40, वेस्टइंडीज के 36, न्यूजीलैंड के 25, अफगानिस्तान के 23 और श्रीलंका के 21 खिलाड़ी सूची में हैं। इंग्लैंड के 16, अमेरिका के 13, बांग्लादेश के 12, संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल के 10-10 तथा आयरलैंड के सात खिलाड़ी शामिल हैं। जिम्बाब्वे के छह, नीदरलैंड के तीन, जबकि कनाडा, जापान और स्कॉटलैंड के दो-दो खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है।

अब फ्रेंचाइजी नीलामी के लिए पंजीकृत सूची में से उन खिलाड़ियों के नाम सौंपेंगी, जिन्हें वे अंतिम खिलाड़ी सूची में शामिल करने के लिए विचारार्थ रखना चाहती हैं। अंतिम नीलामी सूची और खिलाड़ियों के समूह चार दिसंबर 2026, शुक्रवार को जारी किए जाएंगे।

जहीर खान की नई पहल इक्वल से क्रिकेट में आएगा बड़ा बदलाव, एक ही टीम में खेलेंगे महिला और पुरुष खिलाड़ी

▸▸ अगस्त 2027 में जर्मनी में होगा पांच टीमों की मिश्रित टी20 लीग का पहला संस्करण, हर एकादश में छह महिला और पांच पुरुष खिलाड़ी होंगे शामिल

एजेंसी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज और 2011 विश्व कप विजेता जहीर खान को नई मिश्रित टी20 क्रिकेट लीग इक्वल की अपार संभावनाओं पर पूरा भरोसा है। यह महत्वाकांक्षी पहल क्रिकेट के पारंपरिक प्रारूप को चुनौती देते हुए महिला और पुरुष खिलाड़ियों को एक ही एकादश में खेलने का अवसर देगी। इस पहल की परिकल्पना एंकर स्पोर्ट्स ने की है, जिसके सह-मालिक जहीर खान और सूचना प्रौद्योगिकी उद्यमी नागेंद्र सिद्धौताम हैं। इसे जर्मन क्रिकेट महासंघ के साथ साझेदारी में विकसित किया जा रहा है।

पहली बार इस तरह की मिश्रित



महिला-पुरुष क्रिकेट लीग शुरू करने की तैयारी है। इक्वल में पेशेवर महिला और पुरुष क्रिकेटर एक साथ मैदान पर उतरेंगे। इससे टी20 प्रारूप को एक नया और समावेशी स्वरूप मिलेगा। पुरुष और महिला क्रिकेट के अलग-अलग टूर्नामेंटों की परंपरा से हटकर इस प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ी एक ही लीग में हिस्सा लेंगे। इसमें एक ही अंकतालिका होगी और एक ही टीम चैंपियन बनेगी।

प्रस्तावित प्रारूप के अनुसार, पहले संस्करण में पांच टीमें कुल 12 टी20 मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। प्रत्येक टीम में 18 खिलाड़ी होंगे। हर मैच की एकादश में छह महिला और पांच पुरुष खिलाड़ी शामिल होंगे। टी20 क्रिकेट के मौजूदा नियमों को बरकरार रखते हुए इस प्रारूप में खेलने के स्पष्ट नियम, खिलाड़ियों की सुरक्षा के उपाय और स्थानापन्न खिलाड़ियों से जुड़े प्रावधान भी शामिल किए जाएंगे, ताकि प्रतियोगिता को व्यवस्थित और प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके।

एंकर स्पोर्ट्स के सह-मालिक जहीर खान ने कहा, क्रिकेट में लोगों को एकजुट करने की ताकत है। खासकर यूरोप जैसे उभरते बाजारों में इस खेल का विकास इस बात पर निर्भर करेगा कि हम इसे कितने व्यापक दर्शक वर्ग के लिए सुलभ बना पाते हैं। इक्वल जैसी पहल इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यह सभी लिंगों के लोगों को खेल में हिस्सा लेने, योगदान देने और क्रिकेट के विकास का हिस्सा बनने का अवसर देती है। उन्होंने कहा, 2028 में क्रिकेट की ओलंपिक खेलों में वापसी के साथ इस खेल को नए समुदायों तक पहुंचाने और इसकी वैश्विक पहुंच बढ़ाने का अवसर है।

मैट हेनरी ने डफी को बताया शानदार गेंदबाज, बोले- टीम के लिए बदलते हैं अपनी रणनीति

एजेंसी

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने जैकब डफी का समर्थन करते हुए उन्हें शानदार गेंदबाज और टीम को सबसे पहले रखने वाली मानसिकता का खिलाड़ी बताया है। वेलिंगटन में खेले गए पहले टेस्ट में डफी ने 201 रन देकर एक विकेट लिया था। हालांकि, हेनरी ने उनके प्रदर्शन का बचाव करते हुए कहा कि बेसिन रिजर्व की पिच पर गेंद मुश्किल से ही स्लिप तक पहुंच रही थी और डफी को अपनी गेंदबाजी के आंकड़ों की परवाह किए बिना



बाउंसर डालने की जिम्मेदारी दी गई थी।क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में दूसरे टेस्ट से पहले हेनरी ने पत्रकारों से कहा, उन्होंने पिछले कई वर्षों में दिखाया है कि वह एक शानदार गेंदबाज हैं और उनके लिए टीम सबसे पहले है।

भारतीय महिला हॉकी टीम विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर पहुंची

▸▸ चीन पर 6-2 की जीत के बाद हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि, हॉकी इंडिया ने दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने इतिहास रचते हुए अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) की विश्व रैंकिंग में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ पांचवां स्थान हासिल किया है। टीम ने मंगलवार को भोपाल में जारी मध्य प्रदेश महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में चीन को



6-2 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। मुकाबला भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में खेला गया।

भारतीय महिला हॉकी के सफर में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह टीम के लगातार अच्छे प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाती है। अक्टूबर 2003 में शुरू हुई एफआईएच विश्व रैंकिंग में भारतीय महिला टीम ने पिछले वर्षों में लगातार सुधार किया है। पांचवें स्थान पर पहुंचना अब तक की उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

भारतीय टीम की पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग छठी थी, जो उसने एफआईएच प्रो लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद मई-जून 2022 में हासिल की थी। टीम ने 2023 में भी छठा स्थान प्राप्त किया था। इससे पहले टोक्यो 2020 ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद भारतीय टीम आठवें स्थान पर पहुंची थी। वहीं, 2018 में एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद टीम ने नौवीं रैंकिंग हासिल की थी।

व्यापार

कल्याण कृष्णमूर्ति 11 साल से ज्यादा समय तक कंपनी के साथ रहने के बाद छोड़ेंगे फ्लिपकार्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। फ्लिपकार्ट समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में 11 साल से अधिक समय तक सवाएं देने के बाद कल्याण कृष्णमूर्ति यह पद छोड़ रहे हैं।

कंपनी ने बुधवार को जारी बयान में यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि फ्लिपकार्ट समूह सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति 11 साल से अधिक समय तक कंपनी में रहने के बाद अपना पद छोड़ रहे हैं। कंपनी के मुताबिक नए स्थायी सीईओ की नियुक्ति होने तक चीफ प्रोडक्ट एंड टेक्नोलॉजी ऑफिसर बालाजी त्यागराजन अंतरिम नेतृत्व संभालेंगे।

फ्लिपकार्ट ने बताया कि त्यागराजन फिलहाल फ्लिपकार्ट में मुख्य उत्पाद एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। कंपनी ने कहा कि कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में उसका कारोबार पांच गुना से अधिक हो गया और भारत की अग्रणी ई-कॉमर्स कंपनियों में उसकी स्थिति मजबूत हुई।

कंपनी ने कहा कि उनके कार्यकाल में द बिग बिलियन डेज भारत में त्योहारों के दौरान खरीदारी का पर्याय बन गया। इस दौरान फ्लिपकार्ट ने कई नई पहल कीं और देशभर में अपनी पहुंच का विस्तार किया।



फ्लिपकार्ट के प्लेटफॉर्म पर आज 14 लाख से ज्यादा विक्रेता (सेलर्स) मौजूद हैं, जिनमें शॉपसी के विक्रेता शामिल हैं। कंपनी के मुताबिक तकनीक और नवाचार के माध्यम से हर भारतीय को सशक्त बनाने और उन्हें बेहतर अनुभव देने के उद्देश्य से फ्लिपकार्ट ने 'कैश ऑन डिलीवरी', 'नो कॉस्ट ईएमआई, 'आसान रिटर्न' और 'यूपीआई पेमेंट' जैसी सेवाओं की शुरुआत की है। शॉपिंग के अलावा, फ्लिपकार्ट लगातार रोजगार के अवसर पैदा कर रहा है, उद्यमियों को सशक्त बना रहा है और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है।

एक्सिस बैंक ने राजस्थान में अपनी मौजूदगी मजबूत की

विविधीकृत बैंकिंग कारोबार का किया विस्तार

एजेंसी

जयपुर। भारत के प्रमुख निजी बैंकों में से एक एक्सिस बैंक राजस्थान में अपनी मौजूदगी लगातार मजबूत कर रहा है। बैंक की 257 शाखाओं में से आधे से अधिक अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। इस नेटवर्क के जरिए बैंक एमएसएमई को कार्यशील पूंजी और व्यापार वित्त, किसानों को कृषि ऋण, संस्थानों को बैंकिंग सेवाएं और संपन्न परिवारों को संपत्ति प्रबंधन जैसी सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है।

एक्सिस बैंक के ग्रुप हेड ब्रांच बैंकिंग (नॉर्थ एंड वेस्ट) बीसीयू और टीएएससी बिजनेस रेनॉल्ड डिसूजा के अनुसार राजस्थान की अर्थव्यवस्था में विनिर्माण, खनन, पर्यटन, बुनियादी ढांचे, अक्षय ऊर्जा और कृषि जैसे क्षेत्रों में विकास की काफी संभावनाएं हैं। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अलवर, भीलवाड़ा और भिवाड़ी राज्य के प्रमुख कारोबारी केंद्रों में शामिल हैं, जहां बड़ी संख्या में कारोबार और एमएसएमई मौजूद हैं।

इनकी बैंकिंग जरूरतें बदलने के साथ अब ऋण के अलावा लेन-देन संबंधी बैंकिंग, व्यापार, भुगतान और संपत्ति प्रबंधन सेवाओं की मांग भी बढ़ रही है। अक्टूबर 2026 तक, एक्सिस बैंक पूरे राजस्थान में



257 शाखाओं और 350 एटीएम व कैश रिसाइकलर का संचालन कर रहा था। इनमें से 120 शाखाएं मेट्रो और शहरी केंद्रों में, 97 अर्ध-शहरी बाजारों में और 40 ग्रामीण क्षेत्रों में हैं, जिससे बैंक को बड़े व्यापारिक केंद्रों से बाहर भी महत्वपूर्ण पहुंच मिली है।

अक्टूबर 2026 तक, राजस्थान में बैंक की कुल जमा राशि (डिपॉजिट) 21,211 करोड़ रही, जो राज्य में बैंक के ग्राहक आधार के बड़े पैमाने को दर्शाती है। एमएसएमई राजस्थान की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा और एक्सिस बैंक के लिए विकास का एक प्रमुख क्षेत्र है।

शेयर बाजार में रही तूफानी तेजी, सेंसेक्स 1502 अंक उछला

एजेंस

नई दिल्ली। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में आज तूफानी तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 1,502.29 अंक उछलकर 83,938.28 और निफ्टी 469.60 अंक चढ़कर 25,819.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 1,502.29 अंक यानी 1.82 फीसदी की उछाल के साथ 83,938.28 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 469.60 अंक यानी 1.85 अंकों की बढ़त के साथ 25,819.25 के स्तर पर बंद हुआ है।

शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक में पौने दो फीसदी से ज्यादा की यह तेजी बाजार की मजबूत चाल को साफ तौर पर दिखाती है। बाजार में आज कारोबार के दौरान फार्मा, आईटी, ऑटो, निजी क्षेत्र के बैंक और ऑयल एंड गैस कंपनियों के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी हुई। साथ ही हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, इंडिगो, एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयर 6 फीसदी तक चढ़े।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव 1.42 फीसदी गिरकर 90.12 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। नवंबर में अब तक इसकी कीमत करीब 23 फीसदी गिर चुकी है। इससे भारत का तेल आयात बिल और महंगाई कम होने की उम्मीद है। इसके अलावा अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले भारतीय मुद्रा रुपये की विनिमय दर 66 पैसे चढ़कर 92.19 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 26 नवंबर 2026

बोकारो-आसपास

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

नशे की खेती व अवैध शराब के खिलाफ चलेगा अभियान, सूचना देने की अपील



हरिहरगंज। हरिहरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत बिहार सीमा से सटे पथरा पिकेट पर बुधवार को पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नशा मुक्ति अभियान और डायल 112 की उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की गई। मौके पर थाना प्रभारी ने कहा कि अफीम और डोडा की खेती करना कानूनन अपराध है। नशे के खिलाफ समाज के सभी लोगों को आगे आने की जरूरत है। डायल 112 की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना, मारपीट, आगजनी, आपदा, महिला सुरक्षा, संदिग्ध गतिविधियों और बच्चों से जुड़ी किसी भी आपात स्थिति में तत्काल डायल 112 करें। पुलिस 24 घंटे लोगों की सेवा और सुरक्षा के लिए तत्पर है। उन्होंने ग्रामीणों से पुलिस का सहयोग करने और अपराध व नशामुक्त समाज बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। मौके पर एसआई कुमार सौरभ, पिकेट प्रभारी धर्मेंद्र कुमार सिंह, ढकचा पंचायत की मुखिया उषा कुंवर, सनोज गुप्ता सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

चतरा में बढ़ी ठंड और कनकनी, गर्म कपड़ों की दुकानों पर उमड़ी खरीदारों की भीड़



चतरा। जिले में ठंड ने अब अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। सुबह और शाम के समय बढ़ती कनकनी तथा सर्द हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। सुबह पाला गिरने और घने कोहरे के कारण ठिठुरन महसूस की जा रही है। हालांकि दिन में आसमान साफ रहने से धूप निकलती है, लेकिन सर्द हवाओं के कारण ठंड का प्रभाव लगातार बना हुआ है। बढ़ती ठंड को देखते हुए लोग अब गर्म कपड़ों की खरीदारी में जुट गए हैं। चतरा शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक सड़क किनारे गर्म कपड़ों के स्टॉल पर खरीदारों की भीड़ उमड़ने लगी है। लोग अपनी जरूरत के अनुसार स्वेटर, जैकेट, शॉल, कंबल और बच्चों के गर्म कपड़े खरीद रहे हैं। खासकर सुबह और शाम के समय बाजारों में गर्म कपड़ों की दुकानों पर अधिक चहल-पहल देखी जा रही है। ठंड बढ़ने से गर्म कपड़ों का कारोबार भी रफ्तार पकड़ने लगा है। दुकानदारों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट के साथ बिक्री में भी तेजी आएगी। वहीं, बदलते मौसम को देखते हुए लोग बच्चों और बुजुर्गों को ठंड से बचाने के लिए विशेष सावधानी बरत रहे हैं।

बच्चों को सरकारी योजनाओं, बाल विवाह और भ्रूण हत्या के प्रति किया जागरूक



गिरिडीह। तीसरी प्रखंड के भंडारी पंचायत भवन में बुधवार को बच्चों के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बच्चों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ बाल विवाह और भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा और संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इस अवसर पर बच्चों को सरकारी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। उन्हें बताया गया कि किसी भी प्रकार की परेशानी, हिंसा, शोषण अथवा बाल अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और किसी भी अनुचित घटना की जानकारी जिम्मेदार लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के बाद बच्चों की सुरक्षा और आम लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तीसरी प्रखंड कार्यालय में भी सरकारी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबरों से संबंधित सूचना बोर्ड लगाया गया। इससे जरूरतमंद बच्चों और ग्रामीणों को सहायता प्राप्त करने में आसानी होगी।
कार्यक्रम की जानकारी देते हुए पीएलवी प्रदीप कुमार ने बताया कि जागरूकता अभियान आगे भी जारी रहेगा। इसके तहत जरूरत के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर बच्चों, ग्रामीण महिलाओं और पुरुषों को सरकारी योजनाओं, बाल अधिकारों और सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

सुरक्षित वन क्षेत्रों में अफीम की खेती की आशंका पर वन विभाग, पुलिस और झारखंड जगुआर की संयुक्त गश्ती



चतरा। जिले के सुरक्षित वन क्षेत्रों में अफीम और पोस्ता की अवैध खेती की आशंका को देखते हुए बुधवार को वन विभाग, पुलिस और झारखंड जगुआर के जवानों ने संयुक्त गश्ती अभियान चलाया। चतरा और राजपुर वन प्रक्षेत्र के अंतर्गत मरदनपुर, गेरी, सिकिद, कच्चा, कड़िमा, हसोत, बैरियो तथा गम्हारतरी सुरक्षित वन क्षेत्रों के सुदूरवर्ती और दुर्गम इलाकों में विशेष निगरानी की गई। 25 नवंबर को चलाए गए इस अभियान में वनकर्मियों, सदर थाना पुलिस बल और झारखंड जगुआर के जवानों ने जंगलों में भ्रमण कर संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाई। साथ ही स्थानीय स्तर पर आसूचना संकलन और निगरानी भी की गई। अभियान के दौरान किसी भी स्थान पर अफीम या पोस्ता की अवैध खेती के उद्देश्य से जमीन की जोत-कोड़ किए जाने का प्रमाण नहीं मिला। इस संबंध में दक्षिणी एवं उत्तरी वन प्रमंडल के वन प्रमंडल पदाधिकारी अहमद बेलाल अनवर ने कहा कि वन भूमि पर अवैध रूप से पोस्ता की खेती करना कानूनन अपराध है। वन क्षेत्रों को ऐसी गतिविधियों से मुक्त रखने के लिए विभाग लगातार निगरानी कर रहा है। संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान और प्रभावी निगरानी के लिए ड्रोन तथा भौगोलिक सूचना प्रणाली तकनीक का भी सहारा लिया जा रहा है, ताकि अवैध गतिविधियों का समय रहते पता लगाकर कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि वन भूमि पर अतिक्रमण और अवैध खेती के खिलाफ विभाग का अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वन क्षेत्रों में किसी भी तरह की अवैध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल वन विभाग को सूचित करें और वन एवं पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें।

लुगुबुरु घंटाबाड़ी धोरोम गढ़ महोत्सव में श्रद्धालुओं की सुरक्षा में झारखंड जगुआर की महत्वपूर्ण भूमिका







संवाददाता

तेनुघाट। ललपनिया के लुगुबुरु घंटाबाड़ी धोरोम गढ़ महोत्सव का आयोजन 22 से 24 नवंबर तक किया गया। इस अवसर पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने छरछरिया सीतानाला में स्नान कर लुगुबुरु पहाड़ में स्थित पवित्र गुफा में पहुंचकर अपने पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाज अनुसार पूजा-अर्चना की। लुगुबुरु पहाड़ स्थित गुफा तक पहुंचने का मार्ग अत्यंत दुर्गम, पथरीला एवं घने जंगलों से गुजरता है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के उद्देश्य से 33 पुलिस सहायता केंद्र स्थापित किए गए थे। झारखंड जगुआर के 8 सशस्त्र ग्रुप की प्रतिनियुक्ति की गई थी।
उनकी तैनाती लुगुबुरु पहाड़ के प्रारंभ से अंतिम गुफा तक, छरछरिया से तूलबुल तथा तिलैया से चोरगांवा के जंगली क्षेत्र में की गई थी। महोत्सव के दौरान पहाड़ पर चढ़ने-उतरने के क्रम में कुछ श्रद्धालुओं को चोट लगी तथा कुछ श्रद्धालु बेहोश भी हो गए। ऐसी आपातकालीन परिस्थितियों में झारखंड जगुआर के एसाल्ट ग्रुप के जवानों द्वारा उपलब्ध कराए गए मेडिकल किट के माध्यम से तत्काल प्राथमिक उपचार किया गया।
दुर्गम एवं पथरीले रास्तों के कारण घायल श्रद्धालुओं को नीचे लाने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। ऐसी स्थिति में जवानों ने मानवीय संवेदनशीलता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए घायलों को स्ट्रेचर की सहायता से तथा आवश्यकता पड़ने पर अपने कंधों पर उठाकर एवं सहारा देकर सुरक्षित रूप से पहाड़ के नीचे लाया तथा मेडिकल टीम के माध्यम से आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया। इस प्रकार महोत्सव के दौरान झारखंड जगुआर के जवानों ने सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ आपातकालीन चिकित्सा सहायता एवं मानवीय सेवा के क्षेत्र में सराहनीय योगदान दिया। उनके समर्पण, तत्परता एवं कर्तव्यनिष्ठा से श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई।

महिला हिंसा के खिलाफ गिरिडीह में निकली जागरूकता रैली, 25 संस्थाओं ने लिया हिस्सा



संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह में महिला हिंसा और उत्पीड़न के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से बुधवार को इनर व्हील क्लब की ओर से ऑरेंज द वर्ल्ड अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। पीडब्ल्यूडी मैदान से निकली रैली को नगर निगम की महापौर प्रमिला मेहरा ने नारंगी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उपमहापौर सुमित कुमार भी उपस्थित थे। रैली में सर जेसी बोस बालिका उच्च विद्यालय और एचई उच्च विद्यालय के लगभग 300 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इसके अलावा शहर की करीब 25 सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी भागीदारी निभाई। इनमें विभिन्न रोटरी और लायंस क्लब, प्रेरणा शाखा, मारवाड़ी युवा मंच, माहुरी महिला समिति, बरनवाल समाज, कायस्थ समाज, कला संगम, कोयलांचल चैंबर ऑफ कॉमर्स और ब्राह्मण समाज सहित अन्य संस्थाओं के सदस्य शामिल थे। रैली में शामिल छात्र-छात्राओं ने शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए महिला हिंसा की रोकथाम, महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के समर्थन में नारे लगाए। क्लब की सदस्याएं नारंगी परिधान में शामिल हुईं। प्रतिभागियों को नारंगी टोपी पहनाई गई तथा नारंगी गुब्बारों के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया गया।

जिला स्तरीय गायन प्रतियोगिता में शिवम कुमार पाठक बने विजेता, राज्य स्तर पर करेंगे चतरा का प्रतिनिधित्व



संवाददाता

चतरा। झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत बुधवार को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन सभागार में जिला स्तरीय गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 45 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसमें शिवम कुमार पाठक ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। अब वह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चतरा जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त रवि आनंद ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जिले में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। ऐसे आयोजन स्थानीय कलाकारों और युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बेहतर अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने झारखंड की समृद्ध लोककला, संस्कृति और पारंपरिक संगीत विरासत को संरक्षित रखने तथा नई पीढ़ी को इससे जोड़ने पर जोर दिया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक गायन प्रस्तुतियां देकर सभागार को संगीतमय बना दिया।
उनकी सुरीली आवाज और शानदार प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता के बाद निर्णायक मंडल ने प्रदर्शन के आधार पर परिणाम घोषित किए। इसमें शिवम कुमार पाठक प्रथम, चंदन कुमार द्वितीय और भीम कुमार तृतीय स्थान पर रहे। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले शिवम कुमार पाठक 26 एवं 27 नवंबर 2026 को राज्य संग्रहालय, होटवार, रांची में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चतरा का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम में जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम, जिला शिक्षा पदाधिकारी कंचन कुमारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि झारखंड स्थापना दिवस और राज्य सरकार के दूसरे कार्यकाल की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर 15 से 28 नवंबर तक जिले में विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

634 पीएम आवास को बोर्ड की मंजूरी, चार वार्डों की योजनाओं में बदलाव

वार्ड पार्षदों के अनुरोध पर पीसीसी पथ, आरसीसी नाली व पेवर ब्लॉक की नई योजनाएं होंगी शामिल



संवाददाता

हरिहरगंज। हरिहरगंज नगर पंचायत सभागार में बोर्ड बैठक बुधवार को नगर अध्यक्ष कुमारी शीला चौधरी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शहरी विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर मुहर लगी।इसमें 634 पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0 को स्वीकृति दी गयी। वहीं, पूर्व में स्वीकृत 13 योजनाओं में से वार्ड संख्या 3, 7, 12 और 14 की योजनाओं में बदलाव करने का निर्णय लिया गया।
संबंधित वार्ड पार्षदों के अनुरोध पर पुरानी योजनाओं के स्थान पर पीसीसी पथ, आरसीसी नाली और पेवर ब्लॉक निर्माण की नई योजनाएं प्रस्तावित की गयीं। बैठक में पुराने बस स्टैंड में प्रस्तावित सार्वजनिक शौचालय निर्माण का मामला भी उठा। बालिका उच्च विद्यालय की ओर से संबंधित जमीन पर दावा किये जाने के बाद सदस्यों ने सर्वसम्मति से विद्यालय की जमीन पर निर्माण नहीं कराने का निर्णय लिया। इसके स्थान पर स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 की गाइडलाइन के अनुरूप पहले से बने पुराने शौचालय के स्थान पर नया सार्वजनिक शौचालय बनाया जाएगा।
इसके लिए अमीन और कनीय अभियंता को स्थल जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी फैजुर रहमान अंसारी, सिटी मैनेजर नजीबुल्लाह अंसारी, नगर उपाध्यक्ष सुशील कुमार रवि, सांसद प्रतिनिधि राजीव रंजन, वार्ड पार्षद रामजी पासवान, वृजनंदन साव, त्रिपुरारी राम, अवधेश मेहता, अमरजीत कुमार, पिंकी कुमारी, रिंकी देवी, हसीना खातून, अनुराधा कुमारी, एई शिवशंकर चौधरी, कनीय अभियंता कुलदीप कुमार, सुबोध कुमार, विचित्र कुमारी, संजय राणा, सीआरपी अनिता कुमारी, लालमुनी कुमारी, रिशु कुमारी, अनुज कुमार, महताब आलम, मो आबिद उर्फ मुन्ना और पवन पासवान सहित अन्य उपस्थित थे।

ईटखोरी और कान्हाचट्टी में रक्तदान शिविर, 23 यूनिट रक्त संग्रह

173 लोगों ने कराया पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच के बाद 23 लोगों ने किया रक्तदान



संवाददाता

चतरा। झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत मंगलवार को ईटखोरी एवं कान्हाचट्टी प्रखंड में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी (जेएसएलपीएस), चतरा के सौजन्य से आयोजित इन शिविरों में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दोनों शिविरों में कुल 173 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया, जबकि स्वास्थ्य जांच के उपरांत 23 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। 15 से 28 नवंबर तक चल रहे झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद एवं जेएसएलपीएस के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी अनन्य मित्तल के निर्देश पर शिविर आयोजित किए गए। इनका मुख्य उद्देश्य रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करना और जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहयोग देना था। शिविर में जेएसएलपीएस के कर्मियों, सामुदायिक कार्यकताओं और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधकों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है। उन्होंने स्वस्थ नागरिकों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ सीसीएल बीएंडके में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का समापन



संवाददाता

बेरमो। सीसीएल बीएंडके में तीन महीने तक आयोजित सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम 2026 का समापन बुधवार को सांस्कृतिक गतिविधियों और पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हो गया। कार्यक्रम की शरूआत दीप प्रज्वलित, कॉर्पोरेट गीत राष्ट्रगान के साथ हुई। इस वर्ष की थीम ह्यसत्यनिष्ठा से समृद्धिह्ण रही। इस दौरान सतर्कता कार्यक्रम के दौरान किए गए कार्यो की वीडियो दिखाई गई।
कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बीएंडके जीएम एसके झा ने देश की ऊर्जा सुरक्षा में बीएंडके और सीसीएल योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस पर जोर दिया। उन्होंने कार्यसंस्कृति में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही अपनाने की अपील की। कार्यक्रम उद्देश्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता क बढावा देना रहा। उन्होंने कार्य क्रम के नोडल अधिकारी पीएन सिंह सहित कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, कस्तूरबा श्री विद्या निकेतन ढ़ोरी, शिशु विकास विद्यालय संडेबाजार, चिल्ड्रेन पैराडा इज स्कूल और संत अन्ना विघालय कुरपनिया के विद्यार्थियो बच्चो, निर्णायकों कलाकारों, प्रतिभागियों एवं आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

चतरा में 107 लाभुकों ने नवनिर्मित आवासों में किया गृह प्रवेश, घरों के सामने लगाए गए पौधे



संवाददाता

चतरा। झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत आयोजित गृह प्रवेश सप्ताह के अवसर पर मंगलवार को चतरा जिले में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिले के सभी प्रखंडों की विभिन्न पंचायतों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान विभिन्न आवास योजनाओं के तहत नवनिर्मित घरों में 107 लाभुकों का गृह प्रवेश कराया गया।
इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन), अबुआ आवास योजना तथा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर आवास योजना के लाभुक शामिल हैं। गृह प्रवेश के अवसर पर लाभुकों को उनके नए घरों की चाबियां, मिठाई और बधाई पत्र देकर सम्मानित किया गया। इससे लाभुकों और उनके परिवारों में खुशी का माहौल रहा। कार्यक्रम की खास पहल के तहत प्रत्येक नवनिर्मित आवास के सामने एक-एक पौधा भी लगाया गया। इसके माध्यम से नए घर में प्रवेश की खुशी के साथ पर्यावरण संरक्षण और हरित परिवेश को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर संबंधित पंचायतों के मुखिया, वार्ड सदस्य, अन्य जनप्रतिनिधि, जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

टंडवा में पुलिस और राहुल दुबे गैंग के बीच मुठभेड़, मुख्य शूटर आनंद कुमार घायल

आम्रपाली एवीएस कार्यालय और चौपारण के होटल एके इंटरनेशनल गोलीकांड में रहा है शामिल, घटनास्थल से हथियार व कारतूस बरामद



संवाददाता

चतरा। जिले में सक्रिय राहुल दुबे गैंग के खिलाफ चतरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार अहले सुबह करीब तीन से साढ़े चार बजे के बीच टंडवा थाना क्षेत्र के आम्रपाली परियोजना अंतर्गत होन्हे गांव से गोड़वाइर जाने वाले रास्ते के जंगल में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गैंग का कुख्यात शूटर आनंद कुमार दाहिने पैर में गोली लगने से घायल हो गया। वह चतरा सदर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आनंद कुमार आम्रपाली एवीएस कंपनी के कार्यालय पर हुई गोलीबारी और हजारीबाग जिले के चौपारण स्थित होटल एके इंटरनेशनल के बाहर हुए चर्चित गोलीकांड में मुख्य रूप से शामिल था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि राहुल दुबे गैंग के कुछ अपराधी टंडवा क्षेत्र में किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल छापेमारी अभियान चलाया। इसी दौरान जंगल में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। घटनास्थल से पुलिस ने एक लोडेड हथियार के साथ तीन जिंदा कारतूस और खाली खोखे बरामद किए हैं।
श्घायल आनंद कुमार को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की पुष्टि चतरा के पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने की है।

प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता में बच्चों ने बिखेरा जलवा

प्रतियोगिताओं में अव्वल विद्यार्थियों का जिला स्तर पर चयन



संवाददाता

हरिहरगंज। झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर शहर के सीता +2 उच्च विद्यालय हरिहरगंज में बुधवार को विरासत, प्रगति और आकांक्षाओं का उत्सव थीम पर प्रखंड स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। इसमें प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने निबंध लेखन, क्विज, संगीत, नृत्य, गायन, नाटक और पेंटिंग प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम का आयोजन प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी के निर्देश पर किया गया। मुख्य अतिथि बीडीओ पारितोष प्रियदर्शी ने कहा कि झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोना हम सभी की जिम्मेदारी है। विद्यार्थी शिक्षा के साथ खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी भाग लें। प्राचार्य डॉ० अजय प्रसाद राय ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास और छिपी प्रतिभा को निखारने का बेहतर मंच हैं। कार्यक्रम समन्वयक सह संचालक डॉ. राज कुमार ने झारखंड की संस्कृति, लोककला और गौरवशाली इतिहास से विद्यार्थियों को जुड़ने का संदेश दिया। आयोजन में बीआरसी के बीपीएम की भी उपस्थिति रहे।क्विज में नरेंद्र पांडेय, कन्हैया प्रसाद सिंह और विनय कुमार मुंडा, निबंध में नीरज कुमार सिंह व अनुपमा कुमारी, संगीत, नृत्य, गायन एवं नाटक में डॉ. राजीव सिंह व नवीन रंजन प्रसाद तथा पेंटिंग में सिप्रा कुमारी ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 26 नवंबर 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

ट्रिपल मर्डर के दोनों आरोपित पुलिस मुठभेड़ में गंभीर रूप से घायल, एएमसीएच में भर्ती

डिब्रूगढ़ (असम)। दुलियाजान में भूइयां परिवार के तीन सदस्यों की हत्या (ट्रिपल मर्डर) के दो आरोपितों राजू दास और अमीर दास को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस हिरासत से बीती रात भागने की कोशिश के दौरान दोनों कार्रवाई में घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हत्याकांड में इस्तेमाल किए गए मुख्य हथियार हथौड़ी की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान दोनों ने पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की। इसी दौरान पुलिस को चार राउंड फायरिंग करनी पड़ी। डिब्रूगढ़ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निर्मल घोष ने बताया कि हत्याकांड में इस्तेमाल किए गए मुख्य हथियार की तलाश में पुलिस की एक टीम दोनों को साथ लेकर दुलियाजान के बालिजान चाय बागान अंतर्गत सहिलाबाड़ी इलाके में पहुंची थी। पुलिस के अनुसार, बीती रात करीब 11 बजे दोनों आरोपितों ने अचानक पुलिस कांस्टेबल मनोज लाहन और नितुल कोंवर पर हमला कर दिया और अंधेरे का फायदा उठाकर हिरासत से फरार होने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि आरोपितों को रोकने के लिए पुलिस ने कुल चार राउंड गोलियां चलाईं।

कांग्रेस का देशव्यापी संविधान रक्षा मार्च आज

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ी और मताधिकार से वंचित किए जाने के आरोप पर 26 नवंबर को संविधान दिवस पर देशभर में संविधान रक्षा मार्च की घोषणा की है। पार्टी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को बयान में कहा कि सभी प्रदेश कांग्रेस समितियां अपने-अपने राज्यों में बड़े स्तर पर मार्च आयोजित करेंगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे लखनऊ में मार्च में शामिल होंगे। पार्टी ने छात्रों, युवाओं, किसानों, श्रमिकों, महिलाओं, दलितों, आदिवासियों, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक समुदायों और नागरिक समाज के लोगों से शामिल होने की अपील की है। वेणुगोपाल ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने देश के सामने वोट चोरी के दस्तावेजी साक्ष्य रखे हैं। उन्होंने कर्नाटक के महादेवपुरा में फर्जी और दोहरी प्रविष्टियों, आलंद में हजारों वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाने के सुनियोजित प्रयासों तथा हरियाणा और अन्य राज्यों में गंभीर अनियमितताओं का उल्लेख किया।

चहल और नीतीश ने किए महाकाल के दर्शन

उज्जैन (मध्य प्रदेश)। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल, नीतीश राणा और राहुल तेवतिया समेत पांच क्रिकेटर बुधवार तड़के बाबा महाकाल की शरण में पहुंचे। सभी खिलाड़ियों ने श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में भस्म आरती में शामिल होकर भगवान का आशीर्वाद लिया। सुबह करीब 4 बजे मंदिर पहुंचे खिलाड़ियों ने लगभग दो घंटे तक नंदी हॉल में बैठकर भस्म आरती के दर्शन किए और मंत्र जाप करते हुए आराधना की। भस्म आरती के दौरान युजवेंद्र चहल, नीतीश राणा, राहुल तेवतिया, सुमित कुमार और अमित कुमार महाकाल की भक्ति में लीन नजर आए। उन्होंने हाथ जोड़कर बाबा महाकाल को नमन किया। आरती के बाद मंदिर की देहरी से भगवान का आशीर्वाद लिया। पुजारियों के माध्यम से जल अर्पित कर पूजा-अर्चना भी की। चहल ने कहा कि करीब पांच महीने बाद दोबारा बाबा महाकाल के दरबार में आकर अच्छा लग रहा है। यहां का माहौल हमेशा शानदार रहता है।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात शुरू होने से पहले एम्बुलेंस और क्रेन की व्यवस्था अनिवार्य करेगा एनएचएआई

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात शुरू करने से पहले घटना प्रबंधन सेवाओं (आईएमएस) की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत राजमार्गों पर एम्बुलेंस, गश्ती वाहन और खराब वाहनों को हटाने के लिए टो-अवे क्रेन की व्यवस्था अनिवार्य होगी। इसका उद्देश्य सड़क हादसों, वाहन खराब होने और अन्य आपात स्थितियों में राजमार्ग यात्रियों को समय पर सहायता उपलब्ध कराना है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि इन सेवाओं को एनएचएआई की राष्ट्रीय राजमार्ग हेल्पलाइन 1033 से जोड़ा जाएगा। साथ ही मौके पर तैनात टीमों का स्थानीय पुलिस, अग्निशमन सेवाओं और अस्पतालों के साथ समन्वय सुनिश्चित किया जाएगा। दिशा-निर्देशों के अनुसार पहले से संचालित राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटनाओं के आंकड़ों और संबंधित मार्ग की जरूरत के आधार पर टोल प्लाजा या अन्य उपयुक्त स्थानों पर एम्बुलेंस तैनात की जाएंगी।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आठ आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। देश के अशांत उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए दो अभियानों में आठ आतंकवादियों को मार गिराया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह अभियान पेशावर और बन्नू जिलों में चलाए गए। अनुसार, पुलिस ने बताया कि काउंटर-टेररिज्म डिपार्टमेंट ने सोमवार रात प्रांतीय राजधानी पेशावर के बाहरी इलाके बडबेर में हुई गोलीबारी में पांच आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों ओर से 25 मिनट गोलीबारी हुई। इस दौरान इन आतंकवादियों का सरगना तीराह घाटी निवासी कमांडर ताज मोहम्मद उर्फ शिनय भागने में सफल रहा। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को ऐसे ही अभियान में 'जरगुल उर्फ अंकल' समूह के तीन आतंकवादी मारे गए। यह अभियान घरेहा शाहजहां, किंगार और आसपास के गांवों में चलाया गया।

होम्योपैथी के क्षेत्र में मजबूत अनुसंधान संस्कृति विकसित करने के लिए संस्थान मिलकर करें काम : राष्ट्रपति मुर्मू

एजेंसी

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुसंधान संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और पेशेवर संगठनों से होम्योपैथी के क्षेत्र में मजबूत अनुसंधान संस्कृति विकसित करने के लिए आपसी सहयोग करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि होम्योपैथी की भविष्य की विश्वसनीयता और अकादमिक प्रतिष्ठा काफी हद तक उसके अनुसंधान की वैज्ञानिक सत्यनिष्ठा और उससे प्राप्त होने वाले नैदानिक साक्ष्यों की गुणवत्ता पर निर्भर करेगी।



वैज्ञानिक सम्मेलन में शिरकत करते हुए ये

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय होम्योपैथी बातें कहीं। उन्होंने कहा कि होम्योपैथी भारत की विविध स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुलभ, समतामूलक, वैज्ञानिक दृष्टि से जिम्मेदार और जनहित के प्रति संवेदनशील बनाने में संस्थानों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों तथा स्वास्थ्य सेवा से जुड़े पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

राष्ट्रपति ने कहा कि चिकित्सा से जुड़ा प्रत्येक निर्णय मरीज की गरिमा, सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लिया जाना चाहिए।

स्वास्थ्य सेवा का अंतिम उद्देश्य लोगों की पीड़ा को कम करना और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है। इसलिए चिकित्सा के प्रत्येक क्षेत्र में मरीज का हित सर्वोपरि होना चाहिए।

उन्होंने होम्योपैथी के विकास में वैज्ञानिक अनुसंधान और गुणवत्तापूर्ण नैदानिक साक्ष्यों की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि होम्योपैथी की विश्वसनीयता और शैक्षणिक प्रतिष्ठा को मजबूत बनाने के लिए अनुसंधान में वैज्ञानिक ईमानदारी तथा प्रमाण आधारित दृष्टिकोण अनिवार्य है।

उन्होंने अनुसंधान संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और पेशेवर संगठनों से इस दिशा में मिलकर काम करने तथा अनुसंधान की मजबूत परंपरा विकसित करने का आग्रह किया।

डाक संचालन और संपदा प्रबंधन योजनाओं के विस्तार को मंजूरी



एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में डाक सेवा के संचालन और ढांचागत सुविधाओं के रखरखाव के लिए दो अलग-अलग फैसलों में 1,141 और 1,491 करोड़ की दो योजनाओं के अगले 5 सालों के संचालन को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने डाक विभाग की योजना को मंजूरी दी। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। वैष्णव ने बताया कि डाक संचालन योजना को 16वें वित्त आयोग की पांच साल की अवधि के लिए मंजूरी दी गई है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में डाक सुविधाओं को अपग्रेड करना, मेल और पार्सल सेवाओं को संचालित करना, ई-कॉमर्स और अंतरराष्ट्रीय डाक लॉजिस्टिक्स को मजबूत करना और डिलीवरी सुविधाओं के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के साथ उनकी सुविधाओं में वृद्धि करना है। वहीं संपदा प्रबंधन योजना के तहत 190 नई विभागीय पोस्ट बिल्डिंग बनेगी, 5,050 पोस्ट ऑफिस को अपग्रेड किया जाएगा, 200 ऐतिहासिक डाक बिल्डिंग को संरक्षित किया जाएगा, 150 डाक सेवा से जुड़ी रिहायशी कॉलोनी को रिनोवेट किया जाएगा और बेंगलुरु में इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजी सेंटर स्थापित किया जाएगा।

कामराजर बंदरगाह पर दूसरे कंटेनर टर्मिनल के विकास को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चेन्नई के निकट स्थित कामराजर बंदरगाह (एन्नोर पोर्ट) पर दूसरे कंटेनर टर्मिनल के विकास को मंजूरी दे दी है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण (डीबीएफओटी) आधार पर विकसित होने वाली इस परियोजना पर 4,288.26 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत आएगी। इस टर्मिनल की वार्षिक कंटेनर संचालन क्षमता 20 लाख टीईयू होगी। इसके लिए 900 मीटर लंबा बर्थ और 18 मीटर गहरा जलमार्ग विकसित किया जाएगा। परियोजना को दो चरणों में पूरा किया जाएगा और यहां 24,000 से अधिक टीईयू क्षमता वाले विशाल कंटेनर जहाजों को भी संभालने की सुविधा होगी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि कामराजर बंदरगाह में कंटेनर टर्मिनल विकसित करने की व्यापक संभावनाएं हैं। इसकी विशेषता यह है कि बंदरगाह की आंतरिक परिवहन संपर्क व्यवस्था काफी अच्छी है और यहां तक रेलवे की सीधी कनेक्टिविटी भी उपलब्ध है।उन्होंने कहा कि भारत में कंटेनर यातायात तेजी से बढ़ रहा है। छह वर्ष पहले देश में कंटेनर यातायात लगभग 1.7 करोड़ टीईयू था। टीईयू यानी ट्वेंटी फुट इक्विवेलेंट यूनिट कंटेनर यातायात मापने की इकाई है। इसमें 20 फुट के एक कंटेनर को एक टीईयू और 40 फुट के कंटेनर को दो टीईयू माना जाता है।उन्होंने कहा कि कंटेनर यातायात में वृद्धि को देखते हुए कामराजर बंदरगाह पर दूसरा टर्मिनल विकसित करने का निर्णय लिया गया है। इस बंदरगाह का बड़ा क्षेत्रीय बाजार और व्यापक माल परिवहन क्षेत्र है। चेन्नई, श्रीपेरंबदूर और गुम्मिडिपूंडी सहित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के प्रमुख केंद्रों को इस बंदरगाह से बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी। इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और उनके कलपुर्जों का निर्माण होता है।

असम के सिलचर ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के विकास को मंजूरी

केंद्र सरकार असम के सिलचर जिले के डोलू में 2,014 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे का विकास करेगी। एयरपोर्ट से पूर्वोत्तर भारत की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विकास गलियारों (ग्रोथ कॉरिडोर) के साथ कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय की योजना को मंजूरी दी। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत प्रमुख बुनियादी ढांचे के तौर पर 12,351 वर्ग मीटर की टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा। व्यस्ततम समय में एयरपोर्ट की क्षमता 800 यात्रियों की होगी। इसमें 2,705 मीटर ७ 45 मीटर का रनवे होगा। साथ ही छह एयरबस ए-320 विमानों के लिए एप्रन पार्किंग क्षमता होगी।

रेलकर्मियों को वित्तीय साक्षरता और साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

आसनसोल मंडल ने आयोजित किया सेमिनार

संवाददाता



आसनसोल। रेल कर्मचारियों को वित्तीय रूप से जागरूक बनाने और बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के प्रति सतर्क करने के उद्देश्य से पूर्वी रेलवे के आसनसोल मंडल के कार्मिक विभाग की ओर से विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। आसनसोल स्थित दामोदर मीटिंग हॉल में एक बैंक के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में मंडल के विभिन्न विभागों के रेलकर्मियों ने हिस्सा लिया।

सेमिनार का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को वित्तीय प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी और आधुनिक बैंकिंग तकनीकों की जानकारी देना था। कार्यक्रम में आसनसोल मंडल के मंडल कार्मिक अधिकारी (प्रभारी) श्री गोकुल संकेत धवणे उपस्थित रहे। उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान डिजिटल दौर में वित्तीय साक्षरता और साइबर सुरक्षा की जानकारी बेहद जरूरी है। उन्होंने सोच-समझकर वित्तीय निर्णय लेने, अपनी मेहनत की कमाई का सही प्रबंधन करने और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए सतर्क रहने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान बैंक प्रतिनिधियों ने साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों की जानकारी देते हुए बताया कि ठग फर्जी अपडेट संदेश, नकली बैंकिंग लिंक और बैंक अधिकारी बनकर फोन करने जैसी तरकीबों से लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं।

कर्मचारियों को स्पष्ट रूप से बताया गया कि किसी भी परिस्थिति में अपनी बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करनी चाहिए।

विश्व धरोहर सप्ताह पर रेलवे की ऐतिहासिक विरासत से रूबरू हुए स्कूली विद्यार्थी

संवाददाता



आसनसोल। पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल की ओर से विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर 25 नवंबर को पूर्व रेलवे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, आसनसोल में विशेष विरासत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 19 से 25 नवंबर तक मनाए जा रहे विश्व धरोहर सप्ताह के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय रेलवे की समृद्ध ऐतिहासिक और स्थापत्य विरासत से परिचित कराना तथा ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का आयोजन आसनसोल मंडल के पर्यावरण एवं साफ-सफाई प्रबंधन विभाग की ओर से किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से तैयार किए गए विरासत पोस्टर के माध्यम से मंडल की ऐतिहासिक इमारतों और रेलवे की गौरवशाली विरासत को प्रदर्शित किया गया। पोस्टर में बर्लिंगटन, आसनसोल रेलवे स्टेशन, पूर्व रेलवे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सुभाष इंस्टीट्यूट, चित्तरंजन इंस्टीट्यूट, डूरंड इंस्टीट्यूट और टैगोर इंस्टीट्यूट सहित कई ऐतिहासिक भवनों को दशार्या गया। इसके साथ ही ऐतिहासिक रेल इंजन तिलोत्तमा को भी पोस्टर में स्थान दिया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को इन ऐतिहासिक भवनों और धरोहरों के महत्व की जानकारी दी गई। बताया गया कि इन इमारतों का भारतीय रेलवे के क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

ममता मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस के प्रथम सत्र का उद्घाटन, विद्यार्थियों को पहनाया व्हाइट कोट

संवाददाता



सीवान। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकता है। सरकार की इच्छा है कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों में भी निजी मेडिकल कॉलेजों से बेहतर सुविधाएं और व्यवस्थाएं उपलब्ध हों, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा मिल सके। मुख्यमंत्री बुधवार को सीवान जिले के दारौंदा प्रखंड स्थित चिंतामनपुर में ममता मेडिकल कॉलेज के व्हाइट कोट समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कॉलेज के एमबीबीएस के प्रथम सत्र का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने प्रथम सत्र में नामांकन लेने वाले सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही विद्यार्थियों को व्हाइट कोट पहनाकर चिकित्सा शिक्षा के नए सफर की शुरूआत के लिए प्रोत्साहित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा का क्षेत्र सेवा और जिम्मेदारी से जुड़ा है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ मानवीय संवेदना और सेवा भाव को भी अपने जीवन में प्राथमिकता देनी चाहिए। कार्यक्रम में महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल, सांसद विजयलक्ष्मी कुशवाहा, पूर्व मंत्री एवं विधायक मंगल पांडेय, विधायक करणजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह, विधायक हेमनारायण साह, विधायक देवेशकांत सिंह, विधायक इंद्रदेव सिंह पटेल, विधायक भीष्म प्रताप सिंह, विधान पार्षद डॉ० राहुल राज, पूर्व विधान पार्षद मनोज सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष संगीता यादव, जिला जदयू अध्यक्ष विकास कुमार सिंह उर्फ जिसु, भाजपा पश्चिमी जिलाध्यक्ष राहुल तिवारी, भाजपा पूर्वी जिलाध्यक्ष रंजीत प्रसाद, जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष संजय पांडेय और चंद्रकेतु सिंह सहित एनडीए गठबंधन के कई नेता उपस्थित थे। ममता मेडिकल कॉलेज के चेयरमैन केके गिरि ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

पूर्वोत्तर भारत के लिए देश का पहला विशेष एंटीवेनम विकसित

- दो खतरनाक पिट वाइपर सांपों के जहर पर होगा प्रभावी

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर भारत में सांप के काटने से होने वाली मौतों और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। वैज्ञानिकों ने पूर्वोत्तर राज्यों में पाए जाने वाले दो विशेष प्रजातियों के पिट वाइपर सांपों के जहर के खिलाफ प्रभावी नया एंटीवेनम विकसित किया है। यह देश का पहला ऐसा विशिष्ट एंटीवेनम है, जिसे पोप्स पिट वाइपर और रेड-टेल्ड बैंबू पिट वाइपर के जहर को निष्क्रिय करने के लिए तैयार किया गया है।



विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के स्वायत्त संस्थान गुवाहाटी स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएएसएसटी) के निदेशक प्रो. आशीष के. मुखर्जी के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की टीम ने यह एंटीवेनम विकसित किया है। इसके लिए मिजोरम और मेघालय में पाए जाने वाले दोनों सांपों के जहर का अध्ययन किया गया। दरअसल, पूर्वोत्तर भारत में जहरीले सांपों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं और सर्पदंश यहां एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है। वर्तमान में बाजार में उपलब्ध ज्यादातर एंटीवेनम देश के चार प्रमुख जहरीले सांपों-रसेल वाइपर, स्पेक्टेकल्ड कोबरा, कॉमन क्रेट और सॉ-स्केल्ड वाइपर के जहर के खिलाफ तैयार किए जाते हैं। इन्हें 'बिग फोर' कहा जाता है। हालांकि, पूर्वोत्तर भारत में पाई जाने वाली कई अन्य चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण प्रजातियों के जहर पर इन एंटीवेनम का प्रभाव सीमित पाया गया है। इनमें पोप्स पिट वाइपर और रेड-टेल्ड बैंबू पिट वाइपर प्रमुख हैं। इन सांपों के काटने से खून के थक्के बनने की प्रक्रिया प्रभावित होती है और शरीर के स्थानीय ऊतकों के साथ-साथ आंतरिक अंगों को भी नुकसान पहुंच सकता है।

शोधकर्ताओं ने नया इक्वाइन एफ (एबी)2 बाइवैलेंट एंटीवेनम विकसित किया है। प्रयोगशाला और प्री-क्लीनिकल परीक्षणों में इसने भारतीय पॉलीवैलेंट एंटीवेनम की तुलना में दोनों पिट वाइपर के जहर को निष्क्रिय करने और उससे सुरक्षा प्रदान करने में बेहतर परिणाम दिखाए हैं। इसके इस्तेमाल से रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया में होने वाली गड़बड़ी तथा ऊतकों और अंगों को होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिली। इस शोध में आईएएसएसटी गुवाहाटी के साथ प्रीमियम सीरम्स एंड वैक्सीन्स प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, अमृता रिसर्च सेंटर दिल्ली-एनसीआर, मिजोरम विश्वविद्यालय और आरन्याक गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने भी सहयोग किया। यह परियोजना अकादमिक संस्थानों और उद्योग के बीच सहयोग का उदाहरण है।

प्रो. मुखर्जी ने कहा कि नए एंटीवेनम को मरीजों के नियमित उपचार में शामिल करने से पहले अतिरिक्त क्लीनिकल और नियामकीय परीक्षणों की जरूरत होगी। यह शोध इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स में प्रकाशित हुआ है।

पासपोर्ट में जन्म स्थान पर सवाल उठने पर सौरभ दास से स्पष्टीकरण मांगा गया : मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरभ दास के पासपोर्ट में दी गई जन्मस्थान की जानकारी को लेकर क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय ने प्रश्न खड़ा किया था जिसके बाद उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। उनसे कहा गया है कि स्पष्टीकरण मिलने तक वे अपने पासपोर्ट का इस्तेमाल न करें।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में एक प्रश्न पर कहा कि पासपोर्ट के लिए आवेदन करते समय अपेक्षा की जाती है कि आवेदक सही जानकारी दें। इसमें कमी या त्रुटि पाए जाने पर आवेदक को कारण बताओ नोटिस दिया जाता है। चेन्नई के क्षेत्रीय कार्यालय से आधिकारिक जानकारी मिलने पर नोटिस दिया गया है। सौरभ दास को सात दिन के अंदर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है और जवाब मिलने तक पासपोर्ट का इस्तेमाल नहीं करने की सलाह दी गई है।

उल्लेखनीय है कि सौरभ दास को दिल्ली एयरपोर्ट पर लंदन जाने से रोका गया था। उनके पासपोर्ट में जन्म स्थान को लेकर जांच जारी है। 23 नवंबर को देर रात एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन की जांच के दौरान उनको रोका गया था। उनके खिलाफ नागरिकता और पासपोर्ट को लेकर एक मामला मद्रास उच्च न्यायालय में लंबित है। सौरभ दास का कहना था कि वह ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में लेक्चर देने जा रहे थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित।
प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (* पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741